राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 | शारदीय महाभियान 2026 का आगाज: खेत...

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने तिलक ब्रिज... | 12

वर्ष : 14 | अंक : 57 | पटना, शनिवार, 06 जून, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 30.0°C

न्यूनतम तापमान 21.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	45%
नहीं	55%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना 1,58,340

चांदी 2,97,600

सेंसेक्स 74,243

निफ्टी 23,366

संक्षिप्त खबरें

विधान परिषद के घोषित उम्मीदवारों को सूचना जनसंपर्क मंत्री ने दी बधाई

पटना। सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग एवं ग्रामीण विकास विभाग मंत्री सह जदयू विधायक दल के नेता श्रवण कुमार ने बिहार विधान परिषद के घोषित उम्मीदवार वर्तमान स्वस्थ मंत्री निशांत के साथ भारती मेहता, शिवरानी देवी प्रजापति और ललन प्रसाद को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मंत्री श्री कुमार ने विश्वास जताया कि निशांत सहित तीनों प्रत्याशी अपने अनुभव, समर्पण, जनसेवा और समाज के विभिन्न वर्गों की आकांक्षाओं को प्रभावी ढंग से सदन में उठाएंगे पूर्व मुख्यमंत्री-सह-जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका यह निर्णय अति पिछड़ा वर्ग के सम्मान, भागीदारी और राजनीतिक शक्तिकरण के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। इससे समाज के वंचित एवं उपेक्षित वर्गो में विश्वास और मजबूत होगा तथा लोकतंत्रिक व्यवस्था में उनकी सहभागिता को नई दिशा मिलेगी।

हम सभी मिलकर अधिक से अधिक पेड़ लगाए तभी जीवन सुरक्षित रहेगा : सम्राट

प्रमुख बिन्दु :-

- जेपी गंगा पथ पर 1 लाख पौधारोपण करायें
- सभी अपनी माँ के नाम पर एक पेड़ अवश्य लगायें
- पर्यावरण संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी
- सोलर युक्त बिजली उत्पादन यंत्र को सभीघरों पर अधिष्ठापित करने की दिशा में बिहार आगे बढ़ रहा है

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर वृक्षारोपण कर जेपी गंगा पथ समग्र उद्यान परियोजना अंतर्गत एक लाख पौधारोपण अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की कि सभी अपनी माँ के नाम पर एक पेड़ अवश्य लगायें। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग से जुड़े जागरूकता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर मुख्यमंत्री ने रवाना किया। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग से जुड़े ये सभी वाहन बिहार के सभी जिलों का भ्रमण कर पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करेंगे तथा अधिक से अधिक वृक्षारोपण के लिए उन्हें प्रेरित करेंगे।

जेपी गंगा पथ ऑक्सीजन का केंद्र बनेगा : मुख्यमंत्री ने कहा कि वृक्षारोपण के कारण आनेवाले समय में जेपी गंगा पथ ऑक्सीजन का केंद्र बनेगा। जीवन के लिए ऑक्सीजन सबसे महत्वपूर्ण है इसलिए पर्यावरण संरक्षण को लेकर हम सभी को काम करने की आवश्यकता है। हम सभी मिलकर अधिक से अधिक पेड़ लगाए तभी जीवन सुरक्षित रहेगा। जेपी गंगा पथ पर जॉगिंग ट्रैक बनाया गया है। जीवन चक्र को आगे बढ़ाने के लिये ऑक्सीजन और ऑक्सीजन के लिए वृक्षारोपण आवश्यक है। इसलिए अधिक से अधिक पेड़ लगाना हम सभी का दायित्व है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार से जब झारखंड राज्य अलग हुआ था तो यहां 10 प्रतिशत से भी कम वन क्षेत्र था। पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वृक्षारोपण की दिशा में काफी काम किया जिससे हमारे वन क्षेत्र का विस्तार हुआ है।

सभी बहनों से आग्रह है कि आप पर्यावरण अनुकूल इलेक्ट्रिक स्कूटी खरीदें, इसके लिये सरकार 12000 रुपए अनुदान दे रही है। चारपहिया इलेक्ट्रिक व्हीकल की खरीद पर सरकार अपने खजाने से 10 हजार का अनुदान दे रही है। उन्होंने कहा कि बिहार में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को धरातल पर उतारने की दिशा में तेजी से काम आगे बढ़ रहा है। हम वित्त मंत्री के रूप में भी काम कर चुके हैं। बिहार में बिजली उपभोक्ताओं को अनुदान के रूप में सरकार 23000 करोड रुपए दे रही है। अनुदान की इतनी बड़ी राशि बिजली उपभोक्ताओं को देश में कहीं नहीं दिया जाता है। बिहार का बजट 347000 करोड़ रुपए का है जिसमें हमारा अपना संसाधन 60 से 70 हजार करोड़ रूपया है। इनमें से एक तिहाई राशि बिजली उपभोक्ताओं को सब्सिडी के रूप में दी जा रही है।

हम लोग सोलर युक्त बिजली उत्पादन यंत्र को सभी लोगों के घरों पर अधिष्ठापित करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। पहले चरण में 5 लाख लोगों के घरों की छतों पर सोलर प्लेट लगाए जाएंगे। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत लोगों के घरों की छतों पर लगनेवाले प्रत्येक सोलर प्लेट पर आनेवाली लागत में भारत सरकार 33000 रुपए की सहयोग राशि उपलब्ध करायेगी जबकि शेष राशि राज्य सरकार वहन करेगी। भारत सरकार के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर के बाद इसी माह से इसकी शुरूआत की जायेगी। इसके लिए यदि लोन लेने की आवश्यकता पड़ेगी तो लिया जाएगा। भारत सरकार का भी सहयोग मिल रहा है।

अगले 2 वर्षों में 50 लाख परिवारों तक सोलर उत्पादित बिजली पहुंचाना है। जिन लोगों के यहां सोलर युक्त बिजली उत्पादन 125 यूनिट से अधिक होगा, उनसे राज्य सरकार बिजली खरीदेगी और राशि उनके अकाउंट में भेज दी जायेगी। इस प्रकार यह आमदनी का एक जरिया भी बनेगा। इस काम से जीविका दीदियों को भी जोड़ा जाएगा, इसके लिए उन्हें अलग से इंसेंटिव भी दिया जाएगा। वर्ष 2005 से बिहार में एन०डी०ए० की सरकार ने 43 करोड़ वृक्षारोपण कराया है जिससे हरित आवरण बढ़ा है। सभी से आग्रह है कि अपनी माँ के नाम एक पेड़ अवश्य लगायें। जिनकी माँ स्वर्गवासी हो गयी हैं उनकी याद में पेड़ लगायें ताकि पर्यावरण संरक्षित और विश्व सुरक्षित हो।

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ रामचन्द्र प्रसाद ने मुख्यमंत्री को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र, पाग एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया।

पांच पर्यावरणविदों को मोमेंटो प्रदान कर उन्हें किया सम्मानित

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान कृषि वानिकी एवं पर्यावरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पांच पर्यावरणविदों को मोमेंटो प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज विश्व पर्यावरण दिवस है। इस अवसर पर मैं आप सभी को शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार पर्यावरण की चिंता करते रहते हैं। हम सभी को पर्यावरण की सुरक्षा और अधिक से अधिक वृक्षारोपण की दिशा में सतत प्रयत्नशील रहना चाहिए। प्रधानमंत्री भारत को विकसित बनाने की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं, वह काफी प्रेरणादायी है। पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार को संवारने का काम किया है। आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जेपी गंगा पथ पर समग्र उद्यान परियोजना अंतर्गत 1 लाख वृक्षारोपण के अभियान की शुरूआत हुई है।

ये रहे मौजूद :-

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ रामचन्द्र प्रसाद, सहकारिता मंत्री डॉ रामकृपाल यादव, पथ निर्माण विभाग के सचिव पंकज कुमार पाल, बिहार राज्य पथ विकास निगम के प्रबंध निदेशक शीर्षत कपिल अशोक, मुख्यमंत्री के सचिव संजय कुमार सिंह, पटना प्रमंडल के आयुक्त श्री मयंक वरवड़े, जिलाधिकारी डॉ त्यागराजन एसएम, वरीय पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय के शर्मा सहित अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने 21 जून को आयोजित होने वाली नीट-2026 की तैयारियों की उच्चस्तरीय समीक्षा की

नीट परीक्षा-2026: निर्धारित मानकों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें : सीएम

प्रमुख बिन्दु :-

- राज्य के परीक्षा केन्द्रों पर स्वच्छ, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से आयोजन हेतु सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी करें
- नीट परीक्षा में सम्मिलित होने वाले सभी परीक्षार्थियों की सुविधा हेतु बिहार राज्य की सभी सरकारी बसों में आवागमन निःशुल्क होगा, इसकी समुचित व्यवस्था करें
- सभी जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करें
- प्रश्न पत्रों की सुरक्षा, परीक्षा केंद्रों की निगरानी तथा असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखें
- अभ्यर्थियों एवं उनके अभिभावकों की सुविधा के लिए यातायात प्रबंधन एवं आवश्यक सूचना तंत्र को प्रभावी बनाया जाए तथा उनकी सहूलियत का ख्याल रखें।

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने लोक सेवक आवास स्थित संकल्प सभागार में 21 जून को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट)-2026 की तैयारियों की उच्चस्तरीय समीक्षा की। समीक्षा बैठक में परीक्षा के सफल, निष्पक्ष, पारदर्शी, शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त संचालन के लिए की जा रही व्यवस्थाओं के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया। बैठक में सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ बी राजेन्दर ने 21 जून 2026 को होने वाली नीट परीक्षा के आयोजन हेतु की जा रही तैयारियों / व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य के 35 जिलों के 331 केन्द्रों पर परीक्षा संचालन की व्यवस्था की गयी है। परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं कदाचारमुक्त बनाने हेतु प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है।

परीक्षा केन्द्रों पर किसी प्रकार की लापरवाही न हो : मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य के परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा के आयोजन में किसी प्रकार की लापरवाही न हो तथा सभी निर्धारित मानकों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। सभी तैयारियों को समयबद्ध ढंग से पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षित, सुगम एवं व्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। नीट परीक्षा में सम्मिलित होने वाले सभी परीक्षार्थियों की सुविधा हेतु बिहार राज्य की सभी सरकारी बसों में आवागमन निःशुल्क होगा, इसकी व्यवस्था सुनिश्चित करें। सभी जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रश्न पत्रों की सुरक्षा, परीक्षा केंद्रों की निगरानी तथा असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखें। किसी भी प्रकार की अनियमितता अथवा कदाचार की सूचना मिलने पर तत्काल कठोर कार्रवाई करें।

राज्य सरकार निष्पक्ष एवं पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री ने कहा कि परीक्षा केंद्रों पर पेयजल, शौचालय, विद्युत आपूर्ति, चिकित्सा सहायता एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही अभ्यर्थियों एवं उनके अभिभावकों की सुविधा के लिए यातायात प्रबंधन एवं आवश्यक सूचना तंत्र को प्रभावी बनाया जाए तथा उनकी सहूलियत का ख्याल रखें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार निष्पक्ष एवं पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।बैठक में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, पुलिस महानिदेशक विनय कुमार, सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ बी राजेन्दर, मुख्यमंत्री के सचिव लोकेश कुमार सिंह, गृह विभाग के सचिव श्री कुंदन कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव संजय कुमार सिंह सहित अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने सम्पूर्ण क्रांति की लड़ाई को बढ़ाया आगे: मुख्यमंत्री

पटना। सम्पूर्ण क्रान्ति दिवस के अवसर पर गाँधी मैदान के दक्षिण-पश्चिम छोर पर स्थापित महान क्रान्तिकारी, स्वतंत्रता सेनानी एवं सम्पूर्ण क्रांति के महानायक लोकनायक स्व जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा स्थल पर राजकीय समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने लोकनायक स्व जयप्रकाश नारायण की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें शत-शत नमन किया तथा उनके बताये आदर्शों को याद किया। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने सम्पूर्ण क्रांति की लड़ाई को आगे बढ़ाया। संपूर्ण क्रांति के प्रणेता, भारत रत्न एवं प्रखर स्वतंत्रता सेनानी लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी की विचारधारा आज भी उतनी ही प्रासंगिक है। लोकतांत्रिक चेतना, पारदर्शिता, जवाबदेही और जनकल्याण के जिन मूल्यों के लिए उन्होंने संघर्ष किया, वे आज भी राष्ट्र निर्माण की आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि संपूर्ण क्रांति केवल एक आंदोलन नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक न्याय और जनभागीदारी की एक सशक्त विचारधारा है, जिसने देश की राजनीति और समाज को नई दिशा प्रदान की।

त्रिपुरा हो या फिर बंगाल-बिहार, हम जनसांख्यिकीय बदलाव नहीं होने देंगे : शाह

प्रात : किरण

त्रिपुरा/एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को त्रिपुरा में भारत-बांग्लादेश सीमा पर लंकामुरा बॉर्डर आउटपोस्ट पर बीएसएफ जवानों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा फ्रंटियर हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। चाहे त्रिपुरा हो या बंगाल या फिर बिहार, हम जनसांख्यिकीय बदलाव नहीं होने देंगे। यह हमारा अटूट संकल्प है। अमित शाह ने कहा कि बीएसएफ के पास पाकिस्तान बॉर्डर और बांग्लादेश बॉर्डर सीमाओं की सुरक्षा का जिम्मा है। इतने विस्तृत बॉर्डर पर हर सीमा की एक अलग प्रकार की चुनौती है। कहीं नशे का व्यापार है, कहीं ह्यूमन ट्रैफिकिंग का सवाल है, कहीं हथियारों की स्मगलिंग का सवाल है, कहीं पर ड्रग्स की तस्करी और नकली करेंसी की तस्करी होती है। हर सीमा के अपने अलग-अलग प्रश्न हैं। हमने तय किया है कि बीएसएफ जहां-जहां पर है, वहां स्मार्ट बॉर्डर का निर्माण करना है और एक चतुष्कोणीय सुरक्षा रणनीति के तहत स्थानीय प्रशासन को साथ में रखते हुए तथा टेक्नोलॉजी और जवानों का सहयोग लेते हुए सीमाओं को अभेद्य बनाना है।उन्होंने कहा कि मैं हमेशा कहता हूं कि यदि किसी आवास में लगी एक ट्यूबलाइट भी मेरे सीमा प्रहरियों की सुविधा बढ़ाती है तो उसके लिए भी मैं समय देने को तैयार हूं।

इसी भावना के साथ हमने सीमाओं की रक्षा करने वाले जवानों की सुविधाओं और सुरक्षा की चिंता की है।अमित शाह ने कहा, मैं हर बार जब बीएसएफ के कैंप में जाता हूं, तब कहता हूं कि देश की जनता और विशेषकर भारत का गृह मंत्री रात में सो पाता है, क्योंकि सीमा प्रहरी बॉर्डर पर रात को जगकर हमारे देश की सुरक्षा कर रहे हैं। यह बहुत बड़ा काम है। देश की जनता इसे बहुत सम्मान के साथ देखती है। गृह मंत्रालय भी इस समर्पित भावना को सम्मान के साथ देखता है।विश्व पर्यावरण दिवस का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि मुझे खुशी है कि सीएपीएफ और बीएसएफ के सभी जवान पूरे समर्पण के साथ एक पेड़ को अपना भाई, बहन या बच्चा मानकर उसकी देखभाल कर रहे हैं। यह कार्यक्रम सिर्फ सरकारी आदेशों से प्रेरित नहीं होना चाहिए। यह हमारी स्वाभाविक आदत बननी चाहिए। यही स्वाभाविक आदत हमें बचा सकती है।

प्रधानमंत्री मोदी मेरे अच्छे दोस्त, भारत के साथ जल्द होगा व्यापार समझौता : ट्रंप

प्रात : किरण

वॉशिंगटन/एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उम्मीद जताई है कि भारत और अमेरिका जल्द ही एक व्यापार समझौते पर पहुंच जायेंगे। श्री ट्रंप ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दोनों देश ही एक व्यापार समझौते पर पहुंच जायेंगे। उन्होंने कहा हम एक समझौते तक जरूर पहुंचेंगे, क्योंकि मैं भारतीय प्रधानमंत्री को बहुत पसंद करता हूं। वे मेरे अच्छे दोस्त हैं। हमारे बीच बेहतरीन तालमेल है और हम मिलकर यह डील करने जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका अब भारत के साथ काफी मुनाफा कमा रहा है। पहले स्थिति अलग थी और भारत भारी टैरिफ लगाकर अमेरिका से पैसे कमाता था। अपनी बात को समझाने के लिए श्री ट्रंप ने अमेरिकी मोटरसाइकिल ब्रांड हार्ले-डेविडसन का उदाहरण दिया। उन्होंने तर्क दिया कि अतीत में भारत के लगाये गये ऊंचे टैरिफ के कारण इस प्रतिष्ठित निमार्ता के लिए भारत में अपने वाहन बेचना बेहद मुश्किल हो गया था।श्री ट्रंप ने कहा, अतीत में, वे हार्ले-डेविडसन को अपनी मोटरसाइकिलें नहीं बेचने देते थे। उन्होंने 200 प्रतिशत का टैरिफ लगा रखा था, जिससे हार्ले-डेविडसन के लिए रास्ते बंद हो गये थे। आखिरकार कंपनी को भारत जाकर अपने खुद के प्लांट लगाने पड़े। जो हुआ वह दुर्भाग्यपूर्ण था, लेकिन ऐसा हुआ। यह सब मेरे कार्यकाल से पहले की बात है। उन्होंने कहा, वे भी यहां मोटरसाइकिलें बेचते थे। क्या आप जानते हैं कि हम उनसे कितना शुल्क लेते थे? कुछ भी नहीं। और अब स्थिति इसके बिल्कुल उलट है। हम भारत के साथ काफी मुनाफा कमा रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी आरोप लगाया कि भारत सालों से अमेरिकी नीतियों का फायदा उठा रहा था और भारी-भरकम टैरिफ वसूल रहा था। उन्होंने कहा, वे हमारी कंपनियों से भारी मात्रा में टैरिफ वसूलते थे और हम उनसे कुछ भी नहीं लेते थे। श्री ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने नयी दिल्ली में एक अंतरिम द्विपक्षीय समझौते पर चार दिनों तक चली बातचीत को गुरुवार को पूरा किया है। भारत के वाणिज्य मंत्रालय ने इस वार्ता के बारे में कहा कि व्यापार वार्ता सहयोग और व्यावहारिकता की भावना से भरी रही। दोनों पक्षों ने एक ऐसे पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौते पर पहुंचने की प्रतिबद्धता दोहरायी, जो द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक संबंधों को मजबूत करे।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 682 अरब डॉलर पर 11 महीने के आयात के लिए पर्याप्त

प्रात : किरण संवाददाता

मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच शुक्रवार को कहा कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार 682.3 अरब डॉलर के मजबूत स्तर पर है, जो लगभग 11 महीनों के आयात के लिए पर्याप्त है। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को यहां चालू वित्त वर्ष की दूसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति समीति की तीन दिवसीय समीक्षा बैठक के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि विभिन्न नीतिगत पहल भुगतान संतुलन को मजबूत करने में मदद करेंगी। उन्होंने बताया कि इन उपायों में प्रमुख व्यापार साझेदारों के साथ हाल के समझौते, बीमा क्षेत्र में 100 फीसदी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति, इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम, ऊर्जा बदलाव को बढ़ावा, सीमावर्ती देशों के लिए एफडीआई नियमों में ढील, बाह्य यानी विदेशों से वाणिज्यिक उधार ढांचे का उदारीकरण और अन्य कदम शामिल हैं। उन्होंने कहा कि भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 29 मई तक 682.3 अरब डॉलर के मजबूत स्तर पर था, जो लगभग 11 महीने के आयात और विदेशी ऋण (89.1 फीसदी) जैसे भंडार पर्याप्तता के मानकों के हिसाब से पर्याप्त है। आरबीआई के गवर्नर ने कहा कि हमारा विदेशी मुद्रा भंडार बाहरी झटकों से सुरक्षा प्रदान करता है। हमारे पास नियामकीय तथा बाजार-आधारित कई साधन हैं, जिनसे जरूरत पड़ने पर प्रभावी कदम उठाए जा सकते हैं। इस संदर्भ में हम सतर्क हैं और व्यवस्थित बाजार स्थिति बनाए रखने के लिए जो भी आवश्यक होगा करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष के लिए खुदरा महंगाई दर अनुमान बढ़ाकर 5.1 फीसदी किया

मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने शुक्रवार को पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए खुदरा महंगाई दर के अनुमान को बढ़ाकर 5.1 फीसदी कर दिया। रिजर्व बैंक पहले इसके 4.6 फीसदी पर रहने का अनुमान जताया था। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को यहां चालू वित्त वर्ष की दूसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति समीति की तीन दिवसीय समीक्षा बैठक के फैसले की घोषणा करते हुए कहा कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान, जिंस कीमतों में झटके, मानसून को लेकर जारी अनिश्चितता और अल नीनो जैसी परिस्थितियों के कारण महंगाई दर बढ़ने का जोखिम बना हुआ है। संजय मल्होत्रा ने जून मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए कहा कि इसका मुख्य कारण ईंधन की बढ़ती कीमतों से कच्चे माल की लागत में बढ़ोतरी है। पेट्रोल की खुदरा कीमतों में मई से अब तक कुल 7.4 फीसदी और डीजल में 8.4 फीसदी की वृद्धि हुई है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि खाद्य महंगाई में कुछ बढ़ोतरी हुई, जबकि मार्च और अप्रैल में पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर रहने से ईंधन की महंगाई दर नियंत्रित रही।

विकास | पीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, यह सफलता 140 करोड़ भारतीयों की कड़ी मेहनत को दर्शाता है।

भारत की विकास की गति मजबूत : पीएम मोदी

प्रात : किरण

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भारत की विकास की गति मजबूत बनी हुई है और केंद्र सरकार जीवन को आसान बनाने, व्यापार करने के तरीके को आसान करने और युवाओं के लिए अवसरों को बढ़ाने में कोई कमी नहीं छोड़ेगी। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भारत की विकास की गति मजबूत बनी हुई है। वित्त वर्ष 2025-26 में 7.7 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में 7.8 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि दर हमारी अर्थव्यवस्था की मजबूती, सुधारों की सफलता और 140 करोड़ भारतीयों की कड़ी मेहनत को दशार्ती है।

साथ ही पोस्ट में कहा, हम जीवन को आसान बनाने, व्यापार करने के तरीके को आसान करने और अपने युवाओं के लिए अवसरों को बढ़ाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। यह सरकार द्वारा राजमार्गों, रेलवे, बंदरगाहों और हवाई अड्डों जैसी बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में किए गए भारी निवेश को भी दशार्ता है। भारत दुनिया की सबसे तेज बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बना हुआ है। अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाओं जैसे जर्मनी की वृद्धि दर 0.4 प्रतिशत, जापान की वृद्धि दर 0.8 प्रतिशत, यूरो की वृद्धि दर 1.3 प्रतिशत, जी7 की वृद्धि दर 1.6 प्रतिशत है। भारत की अर्थव्यवस्था ऐसे समय पर तेजी से बढ़ रही है, जब अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण अस्थिरता के दौर से गुजर रही है। सरकार की ओर से जारी किए गए डेटा में बताया गया कि वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान देश की नॉमिनल जीडीपी वृद्धि दर 8.9 प्रतिशत रही है।

वहीं, वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का रियल और नॉमिनल ग्रॉस वैल्यू एडेड (जीवीए) में क्रमशः 7.9 प्रतिशत और 9.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

सरकारी डेटा के मुताबिक, बीते वित्त वर्ष में द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्र का प्रदर्शन मजबूत रहा है। इनकी वृद्धि दर स्थिर कीमतों में क्रमशः 8.8 प्रतिशत और 9.3 प्रतिशत रही है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 में मैन्युफैक्चरिंग, ट्रेड, रिपेयर, होटल, ट्रांसपोर्ट, कम्युनिकेशन और ब्रॉडकास्टिंग, स्टोरेज से जुड़े सर्विसेज और फाइनेंशियल, रियल एस्टेट एंव प्रोफेशनल सर्विसेज सेक्टर की वृद्धि दर स्थिर और मौजूदा कीमतों में दोहरे अंकों में रही है।

प्रकृति का संरक्षण हमारी संस्कृति और संस्कारों का अभिन्न हिस्सा: पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक सुभाषितम संदेश शेयर किया। इस पोस्ट के जरिए प्रधानमंत्री मोदी ने प्रकृति के संरक्षण पर बात की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रकृति का संरक्षण हमारी संस्कृति और संस्कारों का अभिन्न हिस्सा है। एक्स पोस्ट में पीएम मोदी ने कहा कि प्रकृति का संरक्षण केवल एक दायित्व नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और संस्कारों का भी अभिन्न हिस्सा है। इस सुभाषितम संदेश के साथ प्रधानमंत्री मोदी ने संस्कृत का एक श्लोक भी शेयर किया है। यह श्लोक इस प्रकार है: मधु वाता ऋतायते मधु क्षरन्ति सिन्धवः। माध्वीर्नः सन्त्वोषधीः॥ इस श्लोक का अर्थ है कि वायु हमारे लिए आनंददायक और कल्याणकारी रूप से प्रवाहित हो, नदियां जीवनदायिनी और पोषणकारी जल प्रदान करें और औषधियां तथा वनस्पतियां समस्त जीव-जगत के लिए आरोग्य और सुख का कारण बनें।

स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग थीम के साथ एम्स पटना में की गई योग पखवाड़े की शुरुआत

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। 21 जून को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 से पहले ही योग चिकित्सा एवं अनुसंधान केंद्र, एम्स पटना द्वारा 5 जून से 20 जून 2026 तक ह्लयोग पखवाड़ाह्व का आयोजन किया जा रहा है। योग को जन आंदोलन का स्वरूप देने तथा स्वास्थ्य, संतुलन और सकारात्मक जीवनशैली के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित यह पखवाड़ा विविध गतिविधियों से परिपूर्ण होगा।

योग पखवाड़े के दौरान संस्थान में प्रतिदिन योग कक्षाओं का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही योग के प्रति जन जागरूकता बढ़ाने के लिए नुक्कड़ नाटक, बच्चों की चित्रकला प्रतियोगिता, योग प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता तथा अन्य रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन गतिविधियों के माध्यम से योग के वैज्ञानिक, सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी लाभों को समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।पखवाड़े का शुभारंभ शुक्रवार, 5 जून को एम्स पटना के प्रशासनिक भवन परिसर में आयोजित विशेष योग सत्र से हुआ। प्रातः 6 बजे से 7 बजे तक आयोजित इस सत्र में बच्चों, चिकित्सकों, फैकल्टी सदस्यों, नर्सिंग अधिकारियों, कर्मचारियों एवं अन्य प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। योगमय वातावरण में प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से योगाभ्यास कर दिन की शुरूआत की।इस अवसर पर योग प्रशिक्षक अभिषेक पंडित ने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान तकनीकों का अभ्यास कराया। उन्होंने बताया कि नियमित योगाभ्यास न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाता है बल्कि मानसिक तनाव को कम कर व्यक्ति को ऊर्जा, आत्मविश्वास और आंतरिक संतुलन भी प्रदान करता है।इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग निर्धारित की गई है। यह थीम जीवन के प्रत्येक पड़ाव में योग की उपयोगिता को रेखांकित करती है और यह संदेश देती है कि नियमित योगाभ्यास स्वस्थ, सक्रिय, आत्मनिर्भर और गरिमामय वृद्धावस्था का आधार बन सकता है।इस अवसर पर कार्यकारी निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल ने कहा कि इस वर्ष की थीम स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग वर्तमान समय में अत्यंत प्रासंगिक है। यह जीवन के प्रत्येक चरण में शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य को बनाए रखने में योग की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करती है। वहीं चिकित्सा अधीक्षक प्रो. (डॉ.) प्रशांत कुमार सिंह ने कहा कि नियमित योगाभ्यास स्वस्थ, संतुलित और तनावमुक्त जीवन की आधारशिला है तथा प्रत्येक व्यक्ति को बेहतर स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता के लिए योग को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करना चाहिए।एम्स पटना का योग चिकित्सा एवं अनुसंधान केंद्र इस योग पखवाड़े के माध्यम से समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा योग को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने की दिशा में सार्थक प्रयास कर रहा है। संस्थान ने सभी नागरिकों से योग पखवाड़े के विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने और योग को जीवनशैली के रूप में अपनाकर स्वस्थ भारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया है।

महंगाई, बेरोजगारी और किसानों के मुद्दों पर राजद की प्रेस वार्ता, 9 जून को विरोध कार्यक्रम की घोषणा

प्रात : किरण संवाददाता

फतुहा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) फतुहा प्रखंड की ओर से शुक्रवार को स्टेशन रोड स्थित सरकारी अस्पताल के पीछे पार्टी कार्यालय में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष अरविंद कुमार यादव ने की। इस दौरान राजद नेताओं ने बिहार में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं, महिलाओं के खिलाफ बढ़ती आपराधिक घटनाओं तथा भूमि अधिग्रहण जैसे मुद्दों को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा। नेताओं ने कहा कि आम जनता महंगाई और बेरोजगारी से परेशान है, जबकि किसानों की समस्याओं की लगातार अनदेखी की जा रही है। उन्होंने इन जनसमस्याओं के खिलाफ 9 जून को प्रखंड मुख्यालय परिसर में विरोध कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा की तथा अधिक से अधिक लोगों से इसमें भाग लेने की अपील की। प्रेस वार्ता में पटना जिला महासचिव भोला सिंह, राजद वरिष्ठ नेता शिवपूजन प्रसाद, नवल किशोर प्रसाद सिंह, नगर अध्यक्ष दयानंद प्रसाद, धर्मवीर यादव, मनोज यादव, मनोज यदुवंशी, सुगौली कुमार, सिद्धेश्वर दास, मनोज चंद्रवंशी, हेमंत यादव, महेंद्र यादव, गौतम कुमार, देवनी यादव, सुजीत कुमार, सुनील यादव, ऋषिकेश यादव, अफरोज अख्तर, मृत्युंजय यादव, सनोज यादव, अरुण यादव, विकास कुमार, मुन्ना कुमार, जुगेश्वर यादव, अमित कुमार, प्रभाकर कुमार, मंटू मुखिया सहित सैकड़ों राजद कार्यकर्ता मौजूद थे।

खगौल नगर परिषद द्वारा जागरूकता सह पौधारोपण का किया गया आयोजन

गया।दानापुर खगौल नगर के अंतर्गत विश्व पर्यावरण दिवस पर नगर परिषद के द्वारा जागरूकता सह वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नगर के कस्तुरबा बालिका उच्च विद्यालय एवं बालिगा माध्यमिक उच्च विद्यालय के प्रागण में आयोजित कार्यक्रम में वृक्षारोपण किया गया। साथ ही वृक्ष लगाने एवं स्वच्छता को लेकर लोगो को जागरूक करते हुए इसके महत्व के बारे में बताए गए। कार्यपालक पदाधिकारी अभिनव कुमार के निर्देश एवं स्वच्छता पदाधिकारी विजय प्रकाश के नेतृत्व में विश्व पर्यावरण दिवस पर जागरूकता फैलाने को लेकर नुक्कड़ नाटक कभी भी आयोजन किया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्वच्छता के आदतों को अपनाने से कैसे पर्यावरण की रक्षा हो सकती के बारे में जागरूकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में एकता कला मंच के कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। इस मौके पर नगर परिषद के पूर्व विधायक आशा सिन्हा, विनोद कुमार नगर परिषद के पदाधिकारी और कर्मी समेत गणमान्य लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

नदी थाना पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध शराब के साथ एक को किया गिरफ्तार

फतुहा। नदी थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर सम्मसपुर स्थित पासवान गली में देर रात छापेमारी कर अवैध शराब की एक बड़ी खेप बरामद की है। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 500' की 37 केन बियर, 180' की 36 पीस फ्रूटी शराब और 500 ग्राम महुआ शराब की 14 बोतलें जब्त की हैं। मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने सम्मसपुर निवासी रामस्वरूप पासवान के पुत्र छोटू पासवान को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की इस बड़ी कार्रवाई से इलाके के शराब तस्करों और कारोबारियों में हड़कंप मच गया है, और फिलहाल पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई में जुट गई है।

पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया

दानापुर । नगर के अंतर्गत प्रखंड कार्यालय परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अनामिका सिंह पटेल, बीडीओ आलोक राज, सीओ चंदन कुमार और प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी विनोद विकास सहित कई जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और कार्यकताओं ने पौधे लगाए। सभी प्रतिभागियों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया, ताकि पर्यावरण संरक्षण का संदेश समाज तक पहुंच सके। विधान पार्षद अनामिका सिंह पटेल ने कहा कि मानव जीवन में वृक्ष का महत्वपूर्ण स्थान है। पर्यावरण संरक्षण को लेकर अधिक से अधिक वृक्ष लगाने की लोगों से अपील की साथ ही कहा कि ब्रिक्स लगाना ही नहीं उसे बचाना भी है। बीडीओ आलोक राज ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे न केवल वातावरण को शुद्ध रखते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य भी सुनिश्चित करते हैं।

उन्होंने लोगों से अपने आसपास अधिक से अधिक हरियाली विकसित करने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने की अपील की। इस मौके पर अंचलाधिकारी चंदन कुमार, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी विनोद कुमार विकास, भाजपा नेता शंकर सिंह, भाई सनोज यादव, विजय भोटी, पवन तिवारी आदि कार्यकर्ता शामिल हुए

100 सफल किडनी ट्रांसप्लांट: पारस हेल्थ, पटना ने रचा नया इतिहास

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। पारस हेल्थ, पटना ने किडनी प्रत्यारोपण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए 100 सफल किडनी ट्रांसप्लांट पूरे कर लिए हैं। यह उपलब्धि हासिल करने वाला बिहार का पहला कॉर्पोरेट हॉस्पिटल है। यह बिहार और पूर्वी भारत में उन्नत किडनी देखभाल सेवाओं के प्रति अस्पताल की प्रतिबद्धता, विशेषज्ञता और मरीज-केंद्रित उपचार का प्रतीक है।

इस अवसर पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए निदेशक और विभागाध्यक्ष झ नेफ्रोसाइंसेज डॉ. शशि कुमार ने कहा कि ह्ल100 सफल किडनी ट्रांसप्लांट का यह सफर हमारे लिए गर्व और जिम्मेदारी दोनों का विषय है। प्रत्येक ट्रांसप्लांट हमारे लिए एक नया चुनौती, एक मरीज को नया जीवन देने की कहानी है। अनुभवी चिकित्सकों, प्रशिक्षित ट्रांसप्लांट टीम, अत्याधुनिक तकनीक और मरीजों के विश्वास के बल पर हम इस मुकाम तक पहुंचे हैं। हमारा उद्देश्य बिहार और आसपास के राज्यों के मरीजों को विश्वस्तरीय किडनी उपचार उनके अपने क्षेत्र में उपलब्ध कराना है।

उन्होंने बताया कि अस्पताल में किडनी फेल्योर, डायलिसिस और किडनी प्रत्यारोपण से जुड़े मरीजों को समग्र एवं उन्नत उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे अनेक मरीजों को नई जिंदगी मिली है।

पारस हेल्थ, पटना के जोनल डायरेक्टर श्री अनिल कुमार ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी जी एंव स्वास्थ्य मंत्री श्री निशांत कुमार जी को बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रण दिया गया है। आगे बताया कि ह्ल100 सफल किडनी ट्रांसप्लांट करने वाला बिहार का पहला कॉर्पोरेट हॉस्पिटल है। यह मील का पत्थर पारस हेल्थ की क्लीनिकल उत्कृष्टता, समर्पित टीमवर्क और मरीजों के भरोसे का परिणाम है। यह उपलब्धि केवल एक संख्या नहीं, बल्कि उन सैकड़ों परिवारों की उम्मीदों और खुशियों का प्रतीक है जिन्हें नया जीवन मिला है। हम भविष्य में भी अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से समाज की सेवा के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे।

पारस हेल्थ, पटना में किडनी ट्रांसप्लांट कार्यक्रम ने पिछले वर्षों में लगातार सफलता दर और बेहतर मरीज परिणामों के साथ अपनी पहचान बनाई है। अस्पताल की नेफ्रोलॉजी, यूरोलॉजी, क्रिटिकल केयर, एनेस्थीसिया और ट्रांसप्लांट कोऑर्डिनेशन टीम के संयुक्त प्रयासों ने इस उपलब्धि को संभव बनाया है।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि के उपलक्ष्य में कल होटल ताज सिटी सेंटर, पटना में एक विशेष समारोह का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें चिकित्सक, ट्रांसप्लांट प्राप्तकर्ता, डोनर परिवार, स्वास्थ्य विशेषज्ञ एवं गणमान्य अतिथि शामिल होंगे।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में नेफ्रोलॉजी विभाग के डॉ. जमशेद अनवर, यूरोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अपूर्व चौधरी, डॉ. विकास कुमार, ब्लड बैंक से डॉ. शांतनु, पैथोलॉजी विभाग की डॉ. विनिता सिन्हा और एनिस्थिसिया के डॉ. श्री नारायण ने भी अपने विचार व अनुभव सांझा किये।

विश्व पर्यावरण दिवस पर बीएसएफसी मुख्यालय में किया गया पौधारोपण

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज खाद्य भवन, पटना स्थित बिहार राज्य खाद्य एवं असैनिक आपूर्ति निगम लिमिटेड मुख्यालय में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के निर्माण का संकल्प लिया गया तथा अधिक से अधिक पौधारोपण करने के लिए आग्रह किया गया। कार्यक्रम के दौरान निगम के मुख्य महाप्रबंधक (अधिप्राप्ति) मृत्युंजय कुमार एवं महाप्रबंधक (सामान्य प्रशासन) विपिन कुमार यादव ने पौधारोपण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर नीम, बरगद, अशोक, गंधराज एवं गुलफरोश सहित कुल 5 पौधे लगाए गए।इस अवसर पर महाप्रबंधक (सामान्य प्रशासन) विपिन कुमार यादव ने विश्व पर्यावरण दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संतुलित पर्यावरण के लिए पौधारोपण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि पौधारोपण से वर्षा चक्र संतुलित रहता है, जिससे समय पर एवं पर्याप्त वर्षा होती है। पर्याप्त वर्षा से कृषि उत्पादन को बढ़ावा मिलता है और किसानों को बेहतर पैदावार प्राप्त होती है। कृषि उत्पादन में वृद्धि होने पर सहजतापूर्वक किसानों से उनके खाद्यान्न की अधिप्राप्ति की जा सकती है। इसके पश्चात यही खाद्यान्न जन वितरण प्रणाली (ढऊ्र) के माध्यम से पात्र लाभुकों तक पहुँचाया जाता है।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार पर्यावरण संरक्षण, कृषि उत्पादन एवं खाद्य सुरक्षा एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। इसलिए पौधारोपण केवल पर्यावरण संरक्षण के लिए ही नहीं, बल्कि खाद्य सुरक्षा एवं मानव जीवन के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी से अधिक से अधिक पौधारोपण करने तथा पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया।इस अवसर पर उप महाप्रबंधक (ऑडिट) आशीष कुमार, प्रबंधक श्री नीरज कुमार शर्मा, सहायक (क्रय शाखा) श्री अनंजय कुमार सिंह सहित निगम के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

ब्रेन ट्यूमर की समय पर पहचान और उपचार से बढ़ रही जीवन की उम्मीद

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। ब्रेन ट्यूमर का नाम सुनते ही मरीजों और उनके परिवारों में डर और चिंता पैदा हो जाती है, लेकिन चिकित्सा विज्ञान और न्यूरोसर्जरी में हुई प्रगति ने इस बीमारी के इलाज को पहले से कहीं अधिक प्रभावी बना दिया है। आज कई मरीज सफल उपचार के बाद सामान्य और सक्रिय जीवन जी रहे हैं।

ब्रेन ट्यूमर मस्तिष्क के भीतर या उसके आसपास कोशिकाओं की असामान्य वृद्धि होती है। कुछ ट्यूमर कैंसर रहित और धीमी गति से बढ़ने वाले होते हैं, जबकि कुछ आक्रामक होते हैं और तत्काल उपचार की आवश्यकता होती है। इसके लक्षण ट्यूमर की स्थिति और आकार पर निर्भर करते हैं। लगातार या नए प्रकार का सिरदर्द, विशेषकर सुबह के समय, बिना कारण मतली या उल्टी, अचानक दौरे पड़ना, याददाश्त में कमी, व्यवहार में बदलाव और शरीर के किसी हिस्से में कमजोरी इसके प्रमुख संकेत हो सकते हैं।

मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, नोएडा के न्यूरोसर्जरी एवं स्पाइन सर्जरी विभाग के सीनियर डायरेक्टर डॉ. रोहन सिन्हा के अनुसार, अधिकांश मामलों में ब्रेन ट्यूमर का सटीक कारण ज्ञात नहीं है। हालांकि, उच्च मात्रा में मेडिकल रेडिएशन का संपर्क जोखिम बढ़ा सकता है। उन्होंने बताया कि मोबाइल फोन के उपयोग और ब्रेन ट्यूमर के बीच कोई ठोस वैज्ञानिक संबंध साबित नहीं हुआ है।

डॉ. सिन्हा ने कहा कि समय पर जांच और सही उपचार से बेहतर परिणाम संभव हैं। आधुनिक न्यूरोसर्जरी तकनीकों की मदद से सर्जरी अब अधिक सुरक्षित और सटीक हो गई है। जरूरत पड़ने पर रेडिएशन थेरेपी, दवाएं, फिजियोथेरेपी और स्पीच थेरेपी भी उपचार का हिस्सा बनती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि समय पर पहचान और आधुनिक उपचार से ब्रेन ट्यूमर के मरीजों की जीवन प्रत्याशा और जीवन की गुणवत्ता दोनों में उल्लेखनीय सुधार हो रहा है।

नगर परिषद द्वारा स्वच्छता एवं जागरूकता कार्यक्रम हुआ

दानापुर । नगर के अंतर्गत विश्व पर्यावरण दिवस पर नगर परिषद द्वारा स्वच्छता एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके तहत रामजीचक गंगा घाट पर स्वच्छता एवं जन-जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। प्रशासक सह कार्यपालक पदाधिकारी पंकज कुमार निर्देश पर स्वच्छता पदाधिकारी अपर्णा कुमारी के संरक्षण में चलाए गए अभियान के दौरान रामजीचक घाट एवं आसपास के क्षेत्रों की व्यापक साफ-सफाई कर कचरे का निष्पादन किया गया।

कई कांडों में फरार अभियुक्त सन्नी कुमार गिरफ्तार

प्रातः किरण संवाददाता

दानापुर खगौल । थाना क्षेत्र के अंतर्गत पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। कई आपराधिक मामलों में फरार चल रहे आरोपी और रीत लाल यादव का मुख्य सहयोगी बताए जा रहे सन्नी कुमार उर्फ रोहित को पुलिस ने देर रात छापेमारी कर गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान कोथवां निवासी सन्नी कुमार उर्फ रोहित, पिता स्वर्गीय विजय प्रसाद के रूप में हुई है।जानकारी के अनुसार, खगौल थाना क्षेत्र में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी की तलाश पुलिस लगातार कर रही थी। इसी क्रम में थाना के सर्किल इंस्पेक्टर कुमार अभिनव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कोथवां इलाके में देर रात छापेमारी की। छापेमारी के दौरान आरोपी को उसके ठिकाने से गिरफ्तार कर लिया गया।

इस कार्रवाई में सब इंस्पेक्टर राखी कुमारी, ठाकुर राजेश्वर सिंह, संजीव कुमार और नीतीश कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, सन्नी कुमार के खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। उसके विरुद्ध रूपसपुर थाना, दानापुर थाना समेत अन्य क्षेत्रों में भी कई संगीन मामलों में प्राथमिकी दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस अब उसके आपराधिक रिकॉर्ड को खंगालने के साथ-साथ उससे जुड़े अन्य मामलों और नेटवर्क की भी जांच कर रही है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी का आह्वान : एक पेड़ माँ के नाम अभियान को जनआंदोलन बनाएं

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बिहार के माननीय शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने राज्य के सभी शिक्षकों, छात्रों, शिक्षा विभाग के अधिकारियों एवं आम नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी का अभियान बनाने का आह्वान किया। उन्होंने सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों से एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत कम-से-कम एक पौधा लगाने तथा विभागीय अधिकारियों से पाँच-पाँच पौधे रोपित करने की अपील की।

मंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन, बढ़ते प्रदूषण, घटते वन क्षेत्र, अनियमित वर्षा, बढ़ते तापमान और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन जैसी चुनौतियाँ पूरी मानवता के सामने गंभीर संकट के रूप में खड़ी हैं। इन चुनौतियों का सबसे प्रभावी और सरल समाधान अधिक से अधिक वृक्षारोपण तथा हरित क्षेत्रों का विस्तार है। जितनी अधिक हरियाली होगी, हमारा पर्यावरण उतना ही स्वच्छ, संतुलित और सुरक्षित होगा।उन्होंने कहा कि वृक्ष केवल हमें ऑक्सीजन ही नहीं देते, बल्कि वायु प्रदूषण को कम करने, भूजल संरक्षण, जैव विविधता के संवर्धन, मिट्टी के कटाव को रोकने और जलवायु संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एक विकसित और समृद्ध समाज की पहचान उसके भवनों और सड़कों से नहीं, बल्कि उसके हरित परिवेश और पर्यावरणीय चेतना से होती है।

श्री तिवारी ने कहा कि आज प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। शहरीकरण और औद्योगीकरण के बढ़ते प्रभाव के कारण वायु की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है, जिसका सीधा असर लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। बच्चों, बुजुर्गों और युवाओं में श्वसन संबंधी बीमारियाँ बढ़ रही हैं। ऐसे समय में वृक्षारोपण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के जीवन की सुरक्षा का संकल्प है।उन्होंने विशेष रूप से विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज का छात्र ही कल का भविष्य है।

10,145 लंबित मुकदमों का होगा समयबद्ध निपटारा ,15 दिनों में पूरी होगी पहचान और वर्गीकरण की प्रक्रिया, बिहार मुकदमा नीति के तहत होगी कार्रवाई

पटना। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने विभाग में वर्षों से लटके न्यायिक मामलों को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट निर्देश दिया है कि शिक्षा विभाग के कुल 10,145 लंबित मुकदमों में से 10 वर्ष या उससे अधिक पुराने मामलों को प्राथमिकता के आधार पर चिन्हित कर बिहार मुकदमा नीति के प्रावधानों के अंतर्गत उनका शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए।विभागीय उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए मंत्री श्री तिवारी ने अधिकारियों को आगाह किया कि वर्षों से अनिर्णीत पड़े मुकदमे न केवल प्रशासनिक संसाधनों की बबार्दी हैं, बल्कि ये शिक्षकों, कर्मियों और आम नागरिकों के हितों से जुड़े निर्णयों में भी अनावश्यक देरी का कारण बनते हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि ऐसे मामलों की विशेष सूची तैयार कर प्राथमिकता के आधार पर उनका निस्तारण किया जाए। मंत्री ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि अगले 15 दिनों के भीतर दस वर्ष से अधिक पुराने मामलों की पहचान, वर्गीकरण और प्रारंभिक समीक्षा पूरी कर बिहार मुकदमा नीति के अनुरूप कार्रवाई प्रारंभ की जाए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी और विभागीय स्तर पर इसकी नियमित निगरानी की जाएगी।श्री तिवारी ने कहा कि मुकदमों के बोझ से मुक्त होने पर विभाग का समय, ऊर्जा और संसाधन सीधे तौर पर जनहितकारी कार्यों में लगाए जा सकेंगे – विद्यालयों की गुणवत्ता और आधारभूत ढांचे के विकास में, शिक्षकों एवं शिक्षाकर्मियों की लंबित समस्याओं के समाधान में तथा सरकारी शिक्षा योजनाओं के प्रभावी एवं त्वरित क्रियान्वयन में। इससे प्रशासनिक निर्णय-प्रक्रिया भी अधिक पारदर्शी और सरल बनेगी।मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि बिहार मुकदमा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन और अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी से शिक्षा विभाग के मुकदमों के बोझ में उल्लेखनीय कमी आएगी। बिहार सरकार जवाबदेह और परिणामोन्मुख प्रशासन के लिए प्रतिबद्ध है और शिक्षा विभाग इस दिशा में सुशासन की एक नई नजीर पेश करेगा।लंबित मुकदमों का समयबद्ध निष्पादन महज एक प्रशासनिक कार्रवाई नहीं, बल्कि यह उन लाखों विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों के प्रति हमारी जवाबदेही है जिनके भविष्य से यह विभाग सीधे जुड़ा है।

पर्यावरण से छेड़छाड़ मानव के लिए खतरा : डॉ रणवीर नंदन

पटना। विश्व युवक केंद्र दिल्ली एवं प्रेम यूथ फाउंडेशन की ओर से विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर पर्यावरण जागरूकता पदयात्रा का आयोजन युवा आवास पटना से किया गया । पूर्व विधानपार्षद व बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड के अध्यक्ष डॉ रणवीर नंदन ने युवा आवास में पौधारोपण किया तथा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया । अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि पर्यावरण से छेड़छाड़ मानव सभ्यता के लिए खतरे की घँटी है । विकाश के अंधी दौड़ में पर्यावरण का सबसे अधिक क्षति हो रहा है । पेड़ों की अंधाधुंध कटाई से हरित पट्टी में लगातार कमी आना चिंता का विषय है । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक पेड़ माँ के नाम का संदेश दिया उसे जन जन तक पहुचाने में फॉउंडशन की अहम भूमिका है । उन्होंने हर व्यक्ति को पेड़ लगाने एवं बचाने की जरूरत है । पदयात्रा युवा आवास से आरंभ होकर राजधानी के विभिन्न मार्गों से होते हुये गाँधी मैदान गाँधी मूर्ति के पास पहुँचा और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया । मौके पर उपस्थित भारत सरकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय , मेरा युवा भारत बिहार के राजयनिदेशक कपिलदेव राम ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग आज विश्वव्यापी समस्या है जिस तरह से तापमान बढ़ रहा है यह चिंता का विषय है समय रहते काबू नही पाया गया तो भयावह परिणाम भुगतने होंगे । प्रेम यूथ फाउंडेशन के संस्थापक गांधीवादी प्रेम जी ने बताया कि पदयात्रा तीन हजार से अधिक स्वयंसेवको ने भाग लिया है । फाउंडेशन 25 हजार पेड़ लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है । पदयात्रा में दिलीप कुमार, अविनाश पांडेय, मन्नी कुमार, खुशी कुमारी, रंजन कुमार, मन्नी कुमार, ऋषिकेश भट्ट , मारिया, अलीशा ,दीपक, आदित्य समेत हजारों स्वयंसेवको ने हाथ मे पोस्टर लेकर अहले सुवह राजधानी के सड़को पर उतर गये । स्वयंसेवको ने पर्यावरण को लेकर खूब नारा लगाये ।

सुल्तानपुर मार्ग पर खुला नाला दुर्घटना को दे रहा आमंत्रण

दानापुर नगर के अंतर्गत बीबीगंज सुल्तानपुर मार्ग पर आरा मशीन से मठ तक सड़क किनारे खुला नाला दुर्घटना का किला आमंत्रण दे रहा है। कार्यपालक पदाधिकारी के निर्देश के बावजूद नाला का ढकने का कार्य नहीं होने से शुक्रवार को एक बड़ी घटना होते होते बच गई। बाजार से संभाल लाने जा रहे एक साइकिल सवार किशोर खुले नाले में साइकिल समेत जा गिड़ा। किस्मत उसकी अच्छी थी कि वहां लोग थे और उसे किसी तरह नाले से बाहर निकाला। लोगों ने बताया कि यह नाला काफी दिनों से खुला हुआ है। पूर्व में पुलिस चौकी के पास ही नाले में गिरने से एक बालक की मौत हो गई थी। खुला नाला होने के कारण आए दिन कोई न कोई इसका शिकार हो जा रहा है। इस संबंध में कार्यपालक पदाधिकारी पंकज कुमार ने बताया कि नाला ढकने को लेकर निर्देश पूर्व में जारी किया गया है।

दानापुर अनुमंडलीय अस्पताल में औचक निरीक्षण

➤ अल्ट्रासाउंड सेवा ठप मिलने पर डायरेक्टर इन चीफ नाराज

प्रातः किरण संवाददाता

दानापुर। नगर के अंतर्गत गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग की डायरेक्टर इन चीफ रेखा झा ने दानापुर अनुमंडलीय अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में साफ-सफाई और सामान्य स्वास्थ्य सेवाएं संतोषजनक मिलीं, लेकिन रेडियोलॉजी विभाग की लापरवाही ने स्वास्थ्य व्यवस्था की एक बड़ी खामी को उजागर कर दिया।रेखा झा ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों, ओपीडी, जांच केंद्रों तथा अन्य विभागों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने चिकित्सकों और कर्मचारियों को बुलाकर उनकी उपस्थिति एवं कार्यप्रणाली की जानकारी ली। मरीजों और उनके परिजनों से भी अस्पताल में मिलने वाली सुविधाओं के संबंध में बातचीत की।निरीक्षण के दौरान सबसे बड़ी कमी रेडियोलॉजी विभाग में सामने आईअस्पताल में एक्स-रे सेवा संचालित मिल रही थी, लेकिन अल्ट्रासाउंड जांच पूरी तरह बंद थी। जांच में पता चला कि रेडियोलॉजी विभाग के चिकित्सक नियमित रूप से अस्पताल नहीं आ रहे हैं, जिसके कारण मरीजों को अल्ट्रासाउंड जैसी महत्वपूर्ण सुविधा से वंचित होना पड़ रहा है।डॉ. झा ने कहा कि वर्तमान समय में अल्ट्रासाउंड एक अत्यंत आवश्यक जांच है और इसकी अनुपलब्धता मरीजों के लिए गंभीर समस्या है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को इस व्यवस्था में तत्काल सुधार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। हालांकि अस्पताल परिसर की साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाओं को उन्होंने संतोषजनक बताया।इसी दौरान भाजपा विधान परिषद सदस्य अनामिका सिंह भी अस्पताल पहुंचीं और स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। उन्होंने अस्पताल की साफ-सफाई तथा डॉक्टरों-कर्मचारियों की कार्यशैली पर संतोष व्यक्त किया।

ऑक्सीजन हो रहे है कम आओ पेड़ लगाये हम : अनिल

प्रातः किरण संवाददाता

पटना भारतीय प्राणि सर्वेक्षण, गंगा समभूमि प्रादेशिक केंद्र, पटना के द्वारा दिनांक 05 जून 2026 को एमएल रूनवाल बहुउद्देशीय हॉल में विश्व पर्यावरण दिवस 2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत कार्यालय के प्रांगण में ह्लएक पेड़ माँ का नामह्व के अंतर्गत प्रभारी अधिकारी, भारतीय प्राणि सर्वेक्षण, गंगा समभूमि प्रादेशिक केंद्र, प

सरकारी जमीन की सुरक्षा में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, सभी गैर मजरूआ आम भूमि को तत्काल रोक सूची में डालें : दिलीप

- 15 दिन में सुधार दिखे, नहीं तो होगी कार्रवाई, ऑफलाइन काम करते पकड़े गए अधिकारियों पर भी चलेगा विभागीय दंडात्मक प्रावधान

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ दिलीप कुमार जायसवाल ने समीक्षा के आठवें दिन भोजपुर, मधेपुरा एवं अरवल जिलों के राजस्व कार्यों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि गैर मजरूआ आम श्रेणी की सभी जमीनों की पहचान कर उन्हें तत्काल सरकारी रोक सूची में दर्ज किया जाए। उन्होंने कहा कि जमाबंदी रद्दीकरण के मामलों को भी रोक सूची में शामिल कर सुरक्षित किया जाए तथा इसकी सूची राज्य के निबंधन विभाग को भी उपलब्ध कराई जाए ताकि सरकारी भूमि की अवैध खरीद-बिक्री पर पूरी तरह रोक लगाई जा सके। मंत्री ने स्पष्ट कहा कि सरकारी जमीन से ही जिलों में लैंड बैंक तैयार कर विकास योजनाओं को गति दी जा रही है। ऐसे में सरकारी भूमि की सुरक्षा और संरक्षण में किसी भी स्तर की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। समीक्षा के दौरान विभागीय सचिव जय सिंह ने बताया कि सभी अंचल अधिकारियों के लॉगिन में सरकारी जमीन की प्राथमिक सूची उपलब्ध करा दी गई है।

इसकी जांच कर अंतिम सूची उपलब्ध करानी होगी। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया के बाद संबंधित अधिकारियों से उनके क्षेत्र में कोई सरकारी भूमि छूट नहीं जाने का शपथ पत्र भी लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि रोक सूची वह सूची है जिसमें खरीदझ्रफरोख्त नहीं की जानेवाली सभी जमीन शामिल है। इसका उद्देश्य सरकारी जमीनों का संरक्षण करना है। मंत्री डॉ. जायसवाल ने अंचलवार रैंकिंग, दाखिल-खारिज, डिफेक्ट चेक, ऑनलाइन म्यूटेशन, परिमार्जन, ई-मापी, अभियान बसेरा-2, सरकारी भूमि सत्यापन, राजस्व महा अभियान, लोक शिकायत, सहयोग शिविर, किसान पंजीकरण तथा आरसीएमएस के तहत न्यायालयों में लंबित मामलों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि विभाग की सभी सेवाएं पूर्णतः ऑनलाइन हैं और सभी कार्य ऑनलाइन माध्यम से ही किए जाएं। ऑफलाइन कार्य करते पकड़े जाने वाले अधिकारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

ई-मापी की समीक्षा के दौरान मंत्री ने कहा कि प्रत्येक अमीन को प्रति माह 15 से 20 मापी करने का लक्ष्य दिया गया है, लेकिन अधिकांश जिलों का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं है। उन्होंने ई-मापी मामलों में भी ह्यफर्स्ट इन-फर्स्ट आउट प्रणाली का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया।

विभाग में आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) की टीम की तैनाती का उल्लेख करते हुए डॉ. जायसवाल ने कहा कि यदि मंत्री और विभागीय अधिकारी ईमानदारी से काम कर रहे हैं तो राजस्व तंत्र के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी पूर्ण ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि अधीनस्थ कर्मियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित कर विभाग की छवि सुधारना अधिकारियों की जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि छुट्टी पर जानेवाले अधिकारियों के बदले उस अंचल की जिम्मेवारी वैसे अधिकारियों को दी जाय जिनकी कार्यक्षमता बेहतर हो। अभी यह देखने में आ रहा है कि बगल के अधिकारी को चार्ज देने की परंपरा है और वैसे अधिकारी पर और कार्य छोड़ दिया जा रहा है जो अपने पदस्थापित अंचल का कार्य भी सही तरीके से नहीं कर पाते। उन्होंने दो टूक कहा कि वर्तमान में अधिकांश अंचलों का प्रदर्शन अपेक्षित स्तर का नहीं है। 15 दिन बाद होने वाली अगली समीक्षा में सभी अंचलों को अपना रिकॉर्ड सुधारना होगा, अन्यथा उपलब्ध आंकड़ों और प्रदर्शन के आधार पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। बैठक में सचिव सीमा त्रिपाठी ने भी 99901पअआंकड़ों के आधार पर अधिकारियों को आवश्यक सुधारात्मक सुझाव दिए। वहीं अपर सचिव प्रशांत सीएच ने किसान पंजीकरण की गति बढ़ाने के निर्देश दिए। बैठक में विशेष सचिव इनायत खान, अपर सचिव डॉ. महेंद्र पाल, अपर सचिव आजीव वत्सराज, विशेष कार्य पदाधिकारी मणि भूषण किशोर, उप निदेशक मोना झा, सहायक निदेशक सह जनसंपर्क पदाधिकारी जूही कुमारी, आईटी मैनेजर आनंद शंकर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

शारदीय महाभियान 2026 का आगाज: खेत बचाओ अभियान डिजिटल कृषि और किसान संवाद पर सरकार का बड़ा फोकस

- बिहार में कृषि क्षेत्र के लिए नई पहल: खेत बचाओ अभियान और किसान जन कल्याण संवाद का होगा विस्तार
- कृषि मंत्री का आह्वान: मिट्टी बचाइए, खेती बचाइए

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने शारदीय महाभियान 2026 के शुभारंभ अवसर पर आयोजित राज्यस्तरीय कर्मशाला को संबोधित करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम केवल खरीफ मौसम की तैयारियों का आरंभ नहीं, बल्कि बिहार के किसानों की समृद्धि, आत्मनिर्भरता और विकसित बिहार के निर्माण का व्यापक जनआंदोलन है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत कृषि क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहा है तथा बिहार सरकार किसानों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि किसान मजबूत होगा तो बिहार मजबूत होगा और बिहार मजबूत होगा तो विकसित भारत का सपना साकार होगा।

कृषि मंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में खेती के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल उत्पादन बढ़ाने की नहीं, बल्कि खेत और मिट्टी को बचाने की भी है। अत्यधिक रासायनिक उर्वरकों के उपयोग से मिट्टी की उर्वरता प्रभावित हो रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए कृषि विभाग पूरे राज्य में खेत बचाओ अभियान चला रहा है।

इस अभियान के तहत किसानों को मृदा परीक्षण, संतुलित उर्वरक उपयोग, जैविक एवं प्राकृतिक खेती, जल संरक्षण तथा फसल विविधीकरण के प्रति जागरूक किया जाएगा। कृषि मंत्री ने प्राकृतिक खेती पर जोर देते हुए कहा कि हम सब धरती माता को पूजते हैं और सनातन संस्कृति में माटी ही सबसे बड़ा धर्म है। धरती की उर्वरा शक्ति को बचाने का हम सबों को संकल्प लेना है। उन्होंने कहा कि अपने शरीर को स्वस्थ रखने के लिए, परिवार को बचाने के लिए प्राकृतिक खेती का माहौल खड़ा करना अभी सबसे बड़ी जरूरत है। बिहार सरकार प्राकृतिक खेती करने वाले लोगों को सम्मानित करेगी। उन्होंने वैश्विक परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्तमान अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के बीच संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग अत्यंत आवश्यक है।

किसानों को संतुलित उर्वरक उपयोग, वैकल्पिक पोषक तत्वों, जैविक इनपुट तथा ऊर्जा बचत तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा, जिससे आत्मनिर्भर कृषि और आत्मनिर्भर भारत की नींव मजबूत हो सके। उन्होंने कहा कि राज्य में रासायनिक उर्वरक की उपलब्धता जरूरत से ज्यादा है, फिर भी सरकार लोगों को स्वस्थ रखने के लिए प्राकृतिक खेती का माहौल खड़ा करना चाहती है। सिन्हा ने घोषणा की कि अगले माह से राज्यभर में किसान जन कल्याण संवाद कार्यक्रम का पुनः शुभारंभ किया जाएगा। इसके माध्यम से किसानों, कृषि वैज्ञानिकों, कृषि उद्यमियों और विभागीय अधिकारियों के बीच सीधा संवाद स्थापित होगा तथा किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए जिला स्तर पर खुली चर्चा आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि कृषि को रोजगार और उद्यमिता का सबसे बड़ा माध्यम बनाने की दिशा में राज्य सरकार गंभीरता से कार्य कर रही है। बीज उत्पादन, कृषि यंत्र सेवा, ड्रोन सेवा, प्रसंस्करण, भंडारण, विपणन, जैविक उत्पाद, मूल्य संवर्धन और एग्री-स्टार्टअप जैसे क्षेत्रों में युवाओं के लिए नए अवसर सृजित किए जा रहे हैं। कृषि मंत्री ने किसान डिजिटल साक्षरता अभियान शुरू करने की भी घोषणा की। इसके अंतर्गत किसानों को फार्मर आईडी, बिहार कृषि मोबाइल ऐप, डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन आवेदन, मौसम पूवार्नुमान, बाजार भाव तथा आधुनिक कृषि तकनीकों के उपयोग का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि ड्रोन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रिमोट सेंसिंग और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से खेती को अधिक आधुनिक, लाभकारी और टिकाऊ बनाया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान कृषि मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि योजनाओं की सफलता फाइलों में नहीं, बल्कि खेतों में दिखाई देनी चाहिए। किसानों को समय पर बीज, उर्वरक, तकनीकी सलाह और सरकारी सहायता उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी किसानों, अधिकारियों और कृषि क्षेत्र से जुड़े हितधारकों से आह्वान किया कि वे मिलकर बिहार की खेती को लाभकारी, टिकाऊ, तकनीक-संपन्न और रोजगारपरक बनाने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि मिट्टी, पानी और किसान की सुरक्षा ही विकसित बिहार और विकसित भारत की आधारशिला है।

पुनौराधाम धाम, मुंडेश्वरी मंदिर समेत अन्य सभी योजनाएं समय पर हो पूरी: मंत्री

- पर्यटन मंत्री ने पर्यटन विकास निगम की ओर से संचालित योजनओं की समीक्षा की

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। पर्यटन मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने शुक्रवार को बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की। मुख्य सचिवालय स्थित विभागीय कार्यालय में आयोजित इस बैठक में मंत्री ने राज्य के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों के विकास से संबंधित चल रही योजनाओं की अपडेट जानकारी ली। इन सभी स्थलों पर केंद्र और राज्य सरकार के स्तर से चलाए जा रहे निर्माण, सुधार तथा विकासात्मक कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। विशेष रूप से सीतामढ़ी के पुनौराधाम स्थित माता सीता मंदिर और कैमूर की माता मुंडेश्वरी मंदिर में चल रहे कार्यों की अदतन जानकारी ली गई। इस दौरान श्री गुप्ता ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया कि सभी योजनाओं को हर हाल में निर्धारित समय पर पूरा करें। विभिन्न स्तरों पर लंबित प्रशासनिक स्वीकृति, तकनीकी अनुमोदन, निविदा निष्पादन में विलंब जैसी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी संबंधित अधिकारियों को नियमित रूप से कार्यों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। सभी कार्यों में गुणवत्ता का खासतौर से ध्यान रखने की भी हिदायत मंत्री ने दी। मंत्री ने कहा कि बिहार में पर्यटन की अपार संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए हमें राज्य को एक प्रमुख पर्यटन हब के रूप में विकसित करना है। बैठक में बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम के प्रबंध निदेशक नंद किशोर, महाप्रबंधक चंदन चौहान, विभागीय अभियंता सहित निगम और पर्यटन विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

पीएम मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर भाजपा चलाएगी 12 साल बेमिसाल अभियान, होंगे कई कार्यक्रम : सरावगी

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। भारतीय जनता पार्टी बिहार प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने शुक्रवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा 12 साल बेमिसाल झ्र विश्वास, विकास और जनकल्याण अभियान चलाएगी। उन्होंने इस अभियान की विस्तृत जानकारी दी। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 12 वर्षों का कार्यकाल देश में विश्वास, विकास और जनकल्याण का स्वर्णिम अध्याय रहा है। उन्होंने बताया कि 10 जून को प्रधानमंत्री मोदी लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने का नया इतिहास रचेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाई है और वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का संकल्प लिया है।

उन्होंने बताया कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा 5 जून से 21 जून तक पूरे देश और बिहार में 12 साल बेमिसाल झ्र विश्वास, विकास और जनकल्याणर्ह अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत केंद्र सरकार की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं और विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। इस पखवारे में कई कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पूरे बिहार के 92 हजार से अधिक बूथों पर आज वृक्षारोपण एवं एक पेड़ मां के नाम अभियान चलाया गया। इसके तहत भाजपा कार्यकताओं ने बड़े पैमाने पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। प्रदेश अध्यक्ष सरावगी ने कहा कि 8 जून से 14 जून तक विशेष जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान राष्ट्रपति पुरस्कार सम्मानित लोगों, पद्म सम्मान प्राप्त व्यक्तियों, चिकित्सकों, इंजीनियरों, प्रगतिशील किसानों, सामाजिक कार्यकताओं तथा विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित लोगों से संपर्क कर उन्हें मोदी सरकार की उपलब्धियों से संबंधित पुस्तिका भेंट की जाएगी। इस दौरान सांसद अपने क्षेत्र के प्रत्येक विधानसभा में एक दिन रहेंगे जबकि विधायक अपने क्षेत्र के मंडलों में अपना समय देंगे। इस दौरान वे विशिष्ट लोगों से भी मिलेंगे। इसी अवधि में प्रगति पथ यात्रा भी निकाली जाएगी, जिसके अंतर्गत केंद्र और राज्य सरकार की प्रमुख विकास परियोजनाओं का निरीक्षण किया जाएगा और उपलब्धियों को बताना है। साथ ही भाजपा कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान चलाकर समाज को स्वच्छता के प्रति जागरूक करेंगे। उन्होंने बताया कि इस क्रम में क्षेत्रों में मीडिया संवाद किया जाएगा, जिसमे केंद्र और राज्य सरकार के मंत्री, सांसद, विधायक प्रत्येक जिलों मे जाएँगे और संवाद करेंगे। प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि 12 जून से 20 जून तक प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में दो दिवसीय जनकल्याण शिविर आयोजित किए जाएंगे। यह शिविर विधानसभा के बड़े प्रखंड में लगाया जाएगा। शिविरों में आयुष्मान भारत, पीएम सूर्य घर योजना, पीएम स्वनिधि, लखपति दीदी सहित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी तथा पात्र लाभार्थियों के आवेदन लिए जाएंगे और लोगों को जागरूक किया जाएगा। इस शिविर के लिए सरकार से भी मदद ली जाएगी। उन्होंने बताया कि 15 जून से 20 जून तक पूरे बिहार में विकसित भारत संकल्प सम्मेलन आयोजित होंगे, जिनमें शिक्षाविदों, चिकित्सकों, वकीलों, समाजसेवियों, उद्यमियों, पंचायती राज प्रतिनिधियों तथा विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित व्यक्तियों को आमंत्रित किया जाएगा। इसमें स्वंयसेवी संस्था के प्रमुख, जिला प्रसाशन, सरकार द्वारा सम्मानित व्यक्ति, विभिन्न परीक्षाओं में जिला, राज्य टॉपर, कोचिंग, निजी विद्यालय संचालक, प्रमुख व्यवसायी संस्था प्रमुख, प्रखंड, जिला स्तरीय प्रमुख, पंचायत प्रतिनिधि, प्रमुख मठ मंदिरों के महंत, पार्टी के पुराने समर्पित अधिकारी, कार्यकताओं को भी बुलाया जाएगा। इसके अतिरिक्त प्रत्येक जिले में मोदी सरकार की उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी तथा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए जिला स्तरीय कार्यशालाएं भी आयोजित की जाएंगी। प्रदेश अध्यक्ष सरावगी ने कहा कि 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पूरे राज्य में भव्य रूप से मनाया जाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत निरंतर नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहा है और विकसित भारत का संकल्प निश्चित रूप से साकार होगा। इस प्रेस वार्ता में प्रदेश महामंत्री राजू झा, प्रदेश महामंत्री डॉ. प्रीति शेखर, प्रदेश उपाध्यक्ष हरिभूषण ठाकुर बचौल, पवन जायसवाल, प्रणव कुमार और मीडिया प्रमुख दानिश इकबाल उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने किया पौधारोपण

- एक पेड़ मां के नाम एवं हरित बिहार, स्वच्छ बिहार के संकल्प को साकार करने का आह्वान

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग-सह-युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग, बिहार सरकार के माननीय मंत्री श्री अरुण शंकर प्रसाद ने अपने सरकारी आवास 41, हार्डिंग रोड (हज भवन के निकट), पटना में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास एवं सतत भविष्य के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान माननीय मंत्री ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारे दायित्वों को स्मरण करने और पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक संकल्प लेने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि आज संपूर्ण विश्व जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग, जैव विविधता के क्षरण, वायु एवं जल प्रदूषण जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। इन परिस्थितियों में वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि हमारी अनिवार्य जिम्मेदारी बन चुकी है। माननीय मंत्री ने कहा कि वृक्ष पृथ्वी के प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे न केवल हमें प्राणवायु प्रदान करते हैं, बल्कि वर्षा चक्र को संतुलित रखने, भूजल संरक्षण, भूमि कटाव रोकने, जैव विविधता को संरक्षित करने तथा वातावरण को शुद्ध बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। उन्होंने कहा कि एक पौधा लगाना मात्र पर्यावरणीय कार्य नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य में किया गया एक अमूल्य निवेश है। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि बिहार की युवा शक्ति सामाजिक परिवर्तन की सबसे बड़ी वाहक है। यदि राज्य का प्रत्येक युवा वर्ष में कम-से-कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल का संकल्प ले, तो आने वाले वर्षों में बिहार का पर्यावरणीय परिदृश्य उल्लेखनीय रूप से बदल सकता है। उन्होंने कहा कि युवाओं को केवल पौधारोपण तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता फैलाने में भी अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए।माननीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किए गए ₹एक पेड़ मां के नाम₹ अभियान ने वृक्षारोपण को भावनात्मक और सामाजिक चेतना से जोड़ने का कार्य किया है। यह अभियान न केवल पर्यावरण संरक्षण का संदेश देता है, बल्कि मातृत्व, संवेदनशीलता और प्रकृति के प्रति सम्मान की भावना को भी सुदृढ़ करता है। उन्होंने सभी नागरिकों से इस अभियान से जुड़कर अधिकाधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार पर्यावरण संरक्षण एवं हरित विकास के लिए अनेक योजनाओं एवं कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन कर रही है। राज्य में हरित आवरण बढ़ाने, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने तथा सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार का दायित्व नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग की सक्रिय भागीदारी से ही इस दिशा में सार्थक परिवर्तन संभव है।माननीय मंत्री ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस का संदेश तभी सार्थक होगा जब हम इसे केवल एक दिवस तक सीमित न रखकर अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं।

सम्पूर्ण क्रांति दिवस पर लोकनायक जयप्रकाश नारायण को याद किया गया : राजद

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के राज्य कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल की अध्यक्षता में सम्पूर्ण क्रांति दिवस पर लोकनायक जयप्रकाश नारायण के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा जे पी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा कर उनके द्वारा किये गये कार्यों, संघर्षों और योगदान को याद किया गया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने कहा कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा एवं भ्रष्टाचार से संघर्ष एवं आन्दोलन के माध्यम से देश की राजनीति को एक नई दिशा दी। वे भारतीय स्वतंत्रता सेनानी और संघर्षशील राजनेता थे। वे युवाओं के प्रेरणा-श्रोत रहे। उनके नेतृत्व में 1974 में छात्र आन्दोलन हुआ। उन्होनें आज ही के दिन 05 जून को सम्पूर्ण क्रांति के नारा के साथ सत्ता परिवर्तन कराया। इनके द्वारा युवाओं और आम जनों को जनता के सवालों पर जुड़कर संघर्ष और आन्दोलन की जो सीख दी है, उसे आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। इस अवसर पर माल्यार्पण करने वालों में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उदय नारायण चौधरी, पूर्व मंत्री आलोक कुमार मेहता, शिवचंद्र राम,मो जावेद इकबाल अंसारी, प्रदेश प्रधान महासचिव रणविजय साहू, प्रदेश मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव, प्रदेश प्रवक्ता एजया यादव, पूर्व विधायक भाई दिनेश, दीनानाथ सिंह यादव, प्रदेश महासचिव श्री मदन शर्मा,फैयाज आलम कमाल, हरेंद्र कुमार कुशवाहा,बल्ली यादव, नंदू यादव, ई अशोक यादव , मुकुंद सिंह, प्रो कुमार चंद्रदीप, संजय यादव, डॉ कुमार राहुल सिंह, निर्भय कुमार अंबेडकर, भाई अरुण कुमार, डॉ प्रेम कुमार गुप्ता, प्रमोद कुमार राम, बच्चा सिंह, मनोज कुमार सिंह, कुमर राय, डॉ लालदेव प्रसाद यादव, सलमान अख्तर, डॉ एस एम हसन हीरा, सरदार रणजीत सिंह, आरिफ हुसैन, उपेंद्र चंद्रवंशी, गणेश कुमार यादव, रीना चौधरी,विमल राय, मनोज कुमार यादव, सुनीता कुशवाहा, संजय यादव, विजयलक्ष्मी, नट बिहारी मंडल, डॉ राजेश कुमार सक्सेना, विजय सिंहा, मल्लू यादव, चंदेश्वर प्रसाद सिंह सहित कई गणमान्य नेताओं ने मालयार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

बिहार में सरकार कब सरकारी अस्पतालों में सुधार की दिशा में कार्रवाई करेगी: मंगनी लाल मंडल

पटना। बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने मुजफ्फरपुर में प्राइवेट अस्पताल में हुए अग्निकांड पर गहरी चिंता प्रकट करते हुए कहा कि बिहार में सरकार के स्तर से चिकित्सा व्यवस्था अगर बेहतर हुआ होता तो प्राइवेट अस्पतालों में इलाज के लिए लोगों को जाने के लिए मजबूर नहीं होना पड़ता। सबसे बड़ी बात यह है कि प्राइवेट अस्पतालों में जो सुरक्षा के मानक है उसका ख्याल नहीं रखा जाता है और ना ही इस दिशा में सरकार के स्तर से गंभीरता दिखती है। बिहार में 200 से अधिक प्राइवेट अस्पताल चल रहे हैं, जिसमें सिर्फ 80 अस्पतालों ने ही फायर सेफ्टी और सुरक्षा मानक का ख्याल रखा है ,बाकी 120 अस्पताल बिना सुरक्षा मानक और सेफ्टी फायर की व्यवस्था के चल रहे हैं ,क्योंकि सरकार के स्तर से ऐसे अस्पतालों को संरक्षण मिलता है श्री मंडल ने आगे कहा कि कल मुजफ्फरपुर के प्रसाद अस्पताल में आग से झुलसने से लोगों की मौत हुई उसपर सरकार के स्तर से और खास तौर से स्वास्थ्य मंत्री की ओर से गंभीरता नहीं दिखाई गई जब मुजफ्फरपुर में आग से झुलस कर मरीजों की मौत हो रही थी, तब स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार मुजफ्फरपुर की बजाय दिल्ली चले गये। सबसे अफसोस की बात यह है इस घटना पर उन्होंने दुख प्रकट करना भी उचित नहीं समझा ।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण -6 के ताजा आकड़ें बिहार के लिए गर्व : मंगल

पटना। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण -6 (एनएफएचएस) 2023-24 के ताजा आंकड़े बिहार के लिए गौरव का विषय हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के स्वस्थ भारत विजन के साथ पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार व सीएम सम्राट चौधरी जी के नेतृत्व में बिहार ने स्वास्थ्य के कई पैमानों पर ऐतिहासिक छलांग लगाई है। यह डबल इंजन सरकार की नीतियों का प्रत्यक्ष प्रमाण है। श्री पांडेय ने कहा कि पहली तिमाही में प्रसवपूर्व देखभाल (एएनसी) चेक-अप में 11 प्रतिशत अंकों (पूर्व 52.9 प्रतिशत - वर्तमान 63.9 प्रतिशत) का सुधार हुआ है। जो गर्भवती महिलाओं की बेहतर प्रारंभिक पहचान और पंजीकरण को दर्शाता है। वहीं किसी प्रकार की प्रसवपूर्व देखभाल (एएनसी) में 12.4 प्रतिशत अंकों की वृद्धि हुई है (पूर्व में 81.6 प्रतिशत - वर्तमान में 94.0 प्रतिशत), जो उन्नत स्वास्थ्य प्रक्रिया का उदाहरण है। मैं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा का आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने बिहार को पर्याप्त सुविधाएं और मार्गदर्शन दी। श्री पांडेय ने कहा कि संस्थागत प्रसव में 4.9 प्रतिशत अंकों का सुधार हुआ (पहले 76.2 प्रतिशत - वर्तमान में 81.1 प्रतिशत), जो सुरक्षित प्रसव सेवाओं तक बेहतर पहुंच को दर्शाता है।

वैशाली के समग्र विकास के लिए सभी योजनाओं का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करें : निशांत

- स्वास्थ्य मंत्री ने जिला कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति (बीस सूत्री) एवं मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। वैशाली जिले के हाजीपुर समाहरणालय स्थित पुष्करणी सभागार में शुक्रवार को माननीय स्वास्थ्य मंत्री सह वैशाली जिला के प्रभारी मंत्री निशांत की अध्यक्षता में जिला कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति (बीस सूत्री) की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान माननीय मंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा संचालित विकासात्मक एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान माननीय मंत्री ने मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना से संबंधित समीक्षा बैठक की भी अध्यक्षता की। साथ ही उन्होंने प्रथम जिला नागरिक परिषद एवं बाढ़-सुखाड़ की तैयारियों की भी समीक्षा की। बैठक का उद्घाटन मंत्री निशांत द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर वैशाली के जिलाधिकारी ने माननीय स्वास्थ्य मंत्री निशांत को स्मृति चिन्ह (मोमेंटो) भेंट कर सम्मानित किया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय मंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि विकास योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे तथा सभी योजनाओं का गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित की जाए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी योजनाओं एवं परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा के अंदर पूरा करें। मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना की समीक्षा के दौरान माननीय मंत्री ने शहरी आधारभूत संरचना से संबंधित विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति का आकलन किया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों में सड़क, नाला, जल निकासी, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य नागरिक सुविधाओं के विकास कार्यों में तेजी लाई जाए, ताकि आम लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। अपने संबोधन में माननीय मंत्री ने कहा कि वैशाली केवल एक जिला नहीं, बल्कि गौरवशाली इतिहास और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। यह विश्व के प्रथम लोकतंत्र की भूमि रही है तथा भगवान बुद्ध एवं भगवान महावीर के विचारों और संदेशों से जुड़ा महत्वपूर्ण केंद्र है। राज्य सरकार वैशाली के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है और विकास के प्रत्येक क्षेत्र में योजनाबद्ध एवं प्रभावी ढंग से कार्य कर रही है। वहीं, स्वास्थ्य मंत्री श्री निशांत की अध्यक्षता में वैशाली जिले की प्रथम जिला नागरिक परिषद एवं बाढ़-सुखाड़ की तैयारियों से संबंधित समीक्षा बैठक भी आयोजित की गई। बैठक में परिषद की गतिविधियों, उपलब्धियों एवं भाव

संक्षिप्त खबरें

मुखिया ने किया तुलसी पौधारोपण दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

अलीनगर (दरभंगा)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नरमा नवानगर पंचायत की मुखिया श्रीमती अनुराधा सिंह ने तुलसी का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे एवं औषधीय पौधे मानव जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए। मुखिया श्रीमती अनुराधा सिंह ने कहा कि तुलसी भारतीय संस्कृति में विशेष महत्व रखती है। यह न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि अपने औषधीय गुणों के कारण स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभकारी है। तुलसी का पौधा वातावरण को शुद्ध करने तथा अनेक रोगों से बचाव में सहायक माना जाता है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के एक पेड़ माँ के नाम अभियान को जन-जन तक पहुंचाएं तथा अपने परिवार और आने वाली पीढ़ियों के बेहतर भविष्य के लिए वृक्षारोपण करें। उन्होंने कहा कि पर्यावरण की रक्षा हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है और हर नागरिक को इसमें अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए।

विश्व पर्यावरण दिवस पर सिविल कोर्ट परिसर में पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

दरभंगा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में सिविल कोर्ट परिसर दरभंगा में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित की गई। प्राधिकार का अध्यक्ष सह प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय कुमार शर्मा ने पेड़ लगाते हुए कहा कि वृक्ष हम लोगों के लिए प्रकृति का एक अनमोल वरदान है।इसे संरक्षित करना जरूरी है। पारितंत्र की सुरक्षा के लिए जन जागरुकता अभियान चलाया जाना अति आवश्यक है।जब तक लोग पूर्ण रूप से जागरुक नहीं होंगे तबतक पर्यावरण की रक्षा करना सम्भव नहीं है। प्राधिकार के सचिव आरती कुमारी ने कहा कि पेड़ पौधे के बिना मानव जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा कि एक वृक्ष सौ पुत्र के समान है।इसकी महिमा हमारे शास्त्रों में वर्णित है।पारितंत्र संतूलन में पेड़ पौधों की अहम भूमिका है। मौके पर बार एसोसिएशन का महासचिव कृष्ण कुमार मिश्रा समेत सभी न्यायिक पदाधिकारी,अधिवक्ताओं ने अपने हाथों से पेड़ लगाया तथा पारितंत्र की रक्षा का संकल्प लिया। वहीं कहा कि पेड़ पौधों के बगैर मानव जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। हमारा दायित्व है कि हम पेड़ पौधों को संरक्षित करें तथा प्रकृति प्रदत्त संसाधनों का दोहन नहीं करें। हमें पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक होने की आवश्यकता है।इस अवसर पर अधिवक्ताओं, प्रधिकारकर्मी,वनक्षेत्र पदाधिकारी आदि मौजूद थे। वही बेनीपुर में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दरभंगा के तत्वावधान में बेनीपुर न्यायालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर अनुमंडल विधिक सेवा समिति, बेनीपुर के अध्यक्ष सह अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ऋषि गुप्ता ने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने, जल संरक्षण करने तथा प्लास्टिक के उपयोग से बचने की अपील की। उन्होंने कहा कि पर्यावरण हमारे जीवन का आधार है और इसके संरक्षण के बिना मानव अस्तित्व संभव नहीं है। एसीजेएम रौशन कुमार छापोलिया ने कहा कि पौधे लगाने के साथ-साथ उनका संरक्षण करना भी उतना ही आवश्यक है। वहीं एसडीजेएम सह सचिव, अनुमंडल विधिक सेवा समिति रोहित कुमार गुप्ता ने सभी से आने वाली पीढ़ियों के लिए हरी-भरी धरती छोड़ने का संकल्प लेने का आह्वान किया।कार्यक्रम में सिविल जज श्रेया कुशवाहा, अधिवक्ता संघ के सचिव संजीव कुमार झा, फोरेस्टर श्वेता मिश्रा, पैनल अधिवक्ताओं एवं न्यायालय कर्मियों सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

डीवाईएफआई का शाखा सम्मेलन में बेरोजगारी के खिलाफ संघर्ष तेज करने का निर्णय

विभूतिपुर/समस्तीपुर। भारत की जनवादी नौजवान सभा की शिवनाथपुर और सकड़ि शाखा का सम्मेलन संपन्न हुआ। मुख्य वक्ता जिलाध्यक्ष महेश कुमार ने कहा कि सरकार की युवा विरोधी नीतियों, महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ संगठन सड़क से सदन तक आंदोलन तेज करेगा। सम्मेलन में सर्वसम्मति से नई कमेटियों का गठन किया गया, जिसमें शिवनाथपुर शाखा से ललन सुमन को सचिव व अजय कुमार को अध्यक्ष तथा सकड़ा शाखा से अवधेश कुमार को सचिव व प्रवीण कुमार को अध्यक्ष चुना गया।मौके पर अंचल अध्यक्ष बबलू कुमार, कोषाध्यक्ष अवधेश कुमार, संजय कुमार, वीरेंद्र कुमार आदि मौजूद थे।

मिथिला की सांस्कृतिक धरोहरो के संरक्षण हेतु बनी कार्ययोजना

विशेषज्ञो के सुझावो से संग्रहालय विकास को मिलेगी नई दिशा

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। मिथिला ललित संग्रहालय में जिला कला एवंसंस्कृति पदाधिकारी नीतीश कुमार की अध्यक्षता में पुरातत्व, संग्रहालय गतिविधियों एवं सांस्कृतिक विरासत संरक्षण को लेकर गठित समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में विशेषज्ञो ने जिले की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरो के संरक्षण, संग्रहालय के विस्तार तथा जन-जागरूकता अभियान चलाने संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव दिए।विशेषज्ञो ने ऐतिहासिक महत्व की वस्तुओं को संग्रहालय में दान करने, प्राचीन लिपियो के प्रदर्शन, पुरातात्विक अवशेषो के संरक्षण हेतु कार्यशालाओं के आयोजन, महत्वपूर्ण मूर्तियों की प्रतिकृतियां स्थापित करने तथा शोधार्थियों के लिए समृद्धपुस्तकालय विकसित करने पर बल दिया। साथ ही संग्रहालय को दान देने वाले व्यक्तियों का विवरण प्रदर्शित करने का भी सुझाव दिया गया।जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी ने कहा कि जिलाधिकारी के नेतृत्व में जिले की सांस्कृतिक विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए व्यापक अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने रामायण सर्किट, बौद्ध सर्किट तथा ऑइनवार, कर्णाट और खंडवला राजवंशों से जुड़े ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण एवं प्रचार-प्रसार की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि प्राप्त सुझावों को विभागीय स्तर तक पहुंचाकर मूर्त रूप देने का प्रयास किया जाएगा, ताकि मिथिला ललित संग्रहालय राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर आकर्षण का केंद्र बन सके।

उपभोक्ता हित संरक्षण को लेकर प्रशासन मुस्तैद, एलपीजी वितरण तंत्र पर सघन निगरानी, ईंधन का पर्याप्त भंडार सुरक्षित

●उपभोक्ताओं को राहत, पर्याप्त स्टॉक और सतत निगरानी से जिले में ऊर्जा आपूर्ति व्यवस्था बनी हुई है पूरी तरह दुरुस्त

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी । जिले में एलपीजी गैस एवं पेट्रोलियम पदार्थों की उपलब्धता पूरी तरह सामान्य बनी हुई है। जिला प्रशासन ने बताया कि वर्तमान में जिले में 38 हजार 745 एलपीजी गैस सिलेंडरों का स्टॉक उपलब्ध है तथा सभी गैस एजेंसियों के माध्यम से नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। प्रशासन द्वारा गैस वितरण व्यवस्था की लगातार निगरानी की जा रही है ताकि किसी भी उपभोक्ता को परेशानी का सामना न करना पड़े। जिले में इंडियन ऑयल, एचपीसीएल एवं बीपीसीएल की कुल 99 गैस एजेंसियां कार्यरत हैं। जांच के दौरान अनियमितता पाए जाने पर चार गैस एजेंसियों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए उन्हें सील किया जा चुका है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि उपभोक्ताओ के अधिकारों से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। प्रशासन के अनुसार 2 मार्च से 4 जून 2026 तक जिले में 13 लाख 23 हजार 260 गैस बुकिंग दर्ज की गई है। वहीं 4 जून को एक ही दिन में 13 हजार 915 बुकिंग प्राप्त हुईं, जबकि तेल कंपनियो से 19 हजार 181 सिलेंडरो की आपूर्ति हुई। जिला प्रशासन ने सभी गैस वितरकों को शत-प्रतिशत होम डिलीवरी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। अतिरिक्त राशि वसूली, आपूर्ति में लापरवाही अथवा उपभोक्ताओं को अनावश्यक परेशान करने की शिकायत मिलने पर संबंधित एजेंसी के खिलाफ सख्त प्रशासनिक एवं कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिले के पेट्रोल पंपों पर भी ईंधन का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। वर्तमान में 9.28 लाख लीटर पेट्रोल एवं 11.13 लाख लीटर हाई स्पीड डीजल का स्टॉक मौजूद है। प्रशासन ने आमजनों से गैस, पेट्रोल एवं डीजल का अनावश्यक भंडारण नहीं करने तथा कालाबाजारी या जमाखोरी की सूचना तत्काल जिला प्रशासन को देने की अपील की है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर एसएसबी ने चलाया हरित अभियान,पौधों का किया गया रोपण

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जयनगर 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), जयनगर एवं इसके अधीन 18 सीमा चौकियो में शुक्रवार को व्यापक वृक्षारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एक पौधा माँ के नाम अभियान के तहत वाहिनी मुख्यालय तथा सभी सीमा चौकियों के परिसरों में अधिकारियों, जवानों और उनके परिवारजनो ने मिलकर 1200 पौधे लगाए।कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, हरित आवरण में वृद्धि, स्वच्छता एवं जन-जागरूकता को बढ़ावा देना था। इस दौरान सभी प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ लेते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखने का संकल्प लिया।इस अवसर पर कमांडेंट राजेंद्र कुमार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की निरंतर जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण से न केवल पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में सहायता मिलती है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण भी सुनिश्चित होता है। कार्यक्रम में बल के अधिकारियों, जवानों एवं उनके परिवारजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर द्वितीय कमान अधिकारी (2आईसी) हरेंद्र सिंह, उप कमांडेंट हरि नारायण जाट, उप कमांडेंट विमल गुप्ता सहित अन्य अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे।

मिथिला विश्वविद्यालय में स्नातक व स्नातकोत्तर में नामांकन हेतु अब तक 1,25,860 रिकॉर्ड आवेदन प्राप्त

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के विभिन्न कॉलेजों में स्नातक कक्षा में नामांकन हेतु अब तक कल 1,15,696 छात्र-छात्राओं ने पंजीयन कराया, जिनमें से 1,01,997 ने निर्धारित शुल्क भी जमा कर दिया है। वहीं विश्वविद्यालय विभागों एवं स्नातकोत्तर पढ़ाई वाले कॉलेजों में पीजी कक्षाओं में नामांकन हेतु आज तक 10,164 छात्रों ने आवेदन किया, जिनमें 8,155 ने निर्धारित शुल्क जमा किया है। ज्ञातव्य है कि 4 वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम, सत्र 2026-30 में सीबीएससी रेगुलेशन-2023 के आधार पर गत 25 मई से ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ हुआ, जिसकी अंतिम तिथि आगामी 9 जून तक निर्धारित है। वहीं लेट फाइन के साथ 10 से 11 जून तक आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। मेजर सब्जेक्ट को छोड़कर यदि अन्य कोई त्रुटि हो तो आवेदक उसका ऑनलाइन सुधार 12 से 13 जून के बीच कर सकेंगे। स्नातक में नामांकन हेतु प्रथम चयन सूची का प्रकाशन 17 जून को होगा, जबकि चयनित कॉलेज में काउंसलिंग सह नामांकन 19 जून से 2 जुलाई के बीच होगा तथा 3 जुलाई से वगार्रंभ किया जाएगा। स्नातकोत्तर में नामांकन हेतु ऑनलाइन प्रक्रिया गत 27 मई से प्रारंभ हुई जो आगामी 6 जून तक चलेगी।विलंब शुल्क के साथ ऑनलाइन आवेदन 7 एवं 8 जून के बीच स्वीकार किया जायेगा। अध्यक्ष, छात्र कल्याण प्रो अशोक कुमार मेहता ने बताया कि अब तक नामांकन हेतु कुल 1,25,860 रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं, जिनमें 1,10,152 छात्रों ने निर्धारित शुल्क जमा कर दिया है। उन्होंने बताया कि स्नातकोत्तर कक्षा में नामांकन हेतु ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 6 जून तक निर्धारित है। नामांकन के इच्छुक छात्र विलंब शुल्क के बिना कल तक आवेदन कर सकते हैं, अन्यथा बिलंब शुल्क के साथ ऑनलाइन आवेदन 7 एवं 8 जून तक भी स्वीकार किए जाएंगे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर दुल्लीपट्टी पंचायत में पौधारोपण

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। जयनगर लोहिया स्वच्छता बिहार अभियान के अपशिष्ट प्रबंधन इकाई के प्रांगण में दुल्लीपट्टी पंचायत के मुखिया रुपम कुमारी के द्वारा आम पेड़ लगा कर विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। यह कार्यक्रम दुल्लीपट्टी पंचायत के मुखिया रुपम कुमारी के आदेश पर लोहिया स्वच्छता अभियान के कर्मी के द्वारा आयोजित किया गया। अपशिष्ट प्रबंधन इकाई पर डबलू पी यू के कर्मी अवधेश झा और स्वच्छता प्रर्यवेक्षक मोनू कुमार सिंह, ठेला रिक्सा चालक चंदेश्वर पासवान ने वृक्षारोपण कार्यक्रम की रूपरेखा निर्माण कर सफलता पूर्वक संचालन किया। इस मौके पर सोशल वर्क एण्ड दुल्लीपट्टी, मधुबनी के अध्यक्ष समाजसेवी विरेंद्र यादव, मनीष ट्यूटोरियल कैरियर मेकर स्कूल सह हास्टल के निदेशक शिक्षाविद् मनीष कुमार, प्रीति कुमारी, ज्योति प्रभा, विजेता कुमारी, रणबीर सिंह राठौड़ लाल, राम अशिष कामत, देवन मंडल, बिनोद साहु समेत अनेक ग्रामिण उपस्थित रहे। मुखिया रूपम कुमारी ने पर्यावरण की रक्षा और प्राकृतिक संतुलन के लिए सभी ग्रामीणों से वृक्ष लगाने की अपील की। स्वच्छता कर्मी से वृक्षारोपण के साथ साफ सफाई से दुल्लीपट्टी पंचायत और पर्यावरण की रक्षा में तत्परता औरजिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन का निर्देश दी। विरेंद्र यादव ने सभी को अपने भी जमीन में पेड़ लगाकर पर्यावरण की रक्षा और तापमान में वृद्धि को रोकने की बात कहा। शिक्षाविद् मनीष कुमार ने पंचायत के मुखिया रुपम कुमारी और स्वच्छता कर्मी के द्वारा वृक्ष रोपण पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि तापमान में वृद्धि से मानव अस्तित्व और पृथ्वी के जल समाधि की समस्या से बचाव के लिए पेड़ लगाना और अपशिष्ट पदार्थों के कुशल प्रबंधन से मृदा संरक्षण के लिए आवश्यकता है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर मुक्तिधाम परिसर में भव्य पौधारोपण एवं जागरूकता कार्यक्रम

मुक्तिधाम परिसर बना हरियाली का केंद्र, बड़ी संख्या में लोगो ने लिया पर्यावरण संरक्षण का प्रण

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। जयनगर विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर टीम आर्य कुमार पुस्तकालय, जय माता दी सेवा समिति एवं एसएसबी 48वीं वाहिनी जयनगर के संयुक्त तत्वावधान में कमला बांध स्थित मुक्तिधाम परिसर में वृक्षारोपण सह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी सुरेंद्र प्रसाद तथा संचालन आर्यन आशु ने किया। कार्यक्रम में एसडीएम दीपक कुमार, डीएसपी सदानंद कुमार, बीडीओ राजीव रंजन, डिप्टी कमांडेंट विमल गुप्ता, डॉ. ए.पी. सिंह, डॉ. नीलम सिंह सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का स्वागत पौधा भेंट कर किया गया। इसके बाद मुक्तिधाम परिसर एवं आसपास विभिन्न प्रजातियों के दर्जनों पौधे लगाए गए। वक्ताओं ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए वृक्षारोपण सबसे प्रभावी उपाय है। एसडीएम दीपक कुमार ने प्रत्येक व्यक्ति से कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करने की अपील की, जबकि डीएसपी सदानंद कुमार ने पर्यावरण संरक्षण को सामाजिक दायित्व बताया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में टीम आर्य कुमार पुस्तकालय, जय माता दी सेवा समिति,समाजसेवी, युवा, विभिन संस्था से जुड़े लोग, कुछ विद्यालयों के छात्र-छात्राएं एवं स्थानीय नागरिक शामिल हुए। सभी ने पौधों के संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। अंत में आयोजको ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाली सामाजिक जिम्मेदारी है।

एमजीएसएस में विश्व पर्यावरण दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। महात्मा गाँधी शिक्षण संस्थान के दोनों शाखाओं में विश्व पर्यावरण दिवस बड़े उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बंगाली टोला, लहेरियासराय और वाजितपुर शाखा में विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। प्री-प्राइमरी कक्षाओं के नन्हें विद्यार्थियों ने फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में भाग लिया। बच्चे फूल, पेड़, बादल, इंद्रधनुष, वर्षा आदि प्रकृति के विभिन्न स्वरूपों का रूप धारण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते नजर आए। उनकी आकर्षक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थियों ने पौधारोपण अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लिया। विद्यार्थियों ने पौधे लगाकर पर्यावरण को हरा-भरा बनाने का संकल्प लिया तथा वृक्षों के महत्त्व को समझा।कक्षा 6 से 10 तक के विद्यार्थियों ने पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली। हाथों में स्वयं निर्मित आकर्षक तख्तियां एवं पर्यावरण संरक्षण संबंधी नारों के साथ विद्यार्थियों ने लोगों को पर्यावरण बचाने, प्रदूषण कम करने तथा अधिक से अधिक वृक्ष लगाने के लिए जागरूक किया। इस अवसर पर बंगाली टोला शाखा में विद्यालय की प्राचार्या श्रावणी शिखा ने प्रार्थना सभा को संबोधित किया।कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली तथा स्वच्छ, हरित एवं स्वस्थ भारत के निर्माण में अपना योगदान देने का संकल्प लिया। वाजितपुर शाखा में कार्यक्रम की शुरूआत प्रबंधक संजीव कुमार, प्राचार्य अजय झा और समन्वयक शशांक श्रीवास्तव ने दीप प्रज्वलित कर किया।

मानव श्रृंखला बनाकर 628 युवाओं ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर दूर देहात संस्था द्वारा केवाईपी खदियाही परिसर में पौधा वितरण और शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में संस्था से जुड़े 628 इंटर्न ने समाज को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के लिए एक विशाल मानव श्रृंखला बनाई। कार्यक्रम में युवाओं के बीच पौधों का वितरण किया गया। पौधों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संस्था ने एक अनूठी पहल की है, जिसके तहत सभी इंटर्न को 20 जून तक प्रतिदिन पौधे को पानी देते हुए अपनी तस्वीर साझा करनी होगी।संस्था के सचिव प्रभु नारायण झा और कोषाध्यक्ष पिंटू कुमार ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा करना हर नागरिक की निरंतर जिम्मेदारी है।कार्यक्रम को सफल बनाने में सुबोध, सोनू ,रचना ,नीतिश,श्रवण ,संतोष,प्रिंस,रंजन,गौरव,एवं चंदन आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।अंत में इंटर्नशिप सुपरवाइजर मनीष कुमार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का सफल समापन हुआ।

विश्व पर्यावरण दिवस पर एलएनएमयू के छात्रों ने लगाए 484 से अधिक पौधे

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर छायागृह जीवन ज्योति सेवा फाउंडेशन और ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के सेमेस्टर 5 के इंटर्नशिप छात्रों द्वारा संयुक्त रूप से वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान के तहत विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर 484 से अधिक पौधे लगाए गए।इस मौके पर फाउंडेशन के संस्थापक सच्चिदानंद चौरसिया ने एक वृक्ष, सौ पुत्रों के बराबरह्व का संदेश दिया, जबकि सचिव मनोज राय ने हर नागरिक को एक पेड़ लगाने की सलाह दी। अध्यक्ष राम जीवन भास्कर के नेतृत्व में हुए इस कार्यक्रम में अरविंद कुमार, रामानुज कुमार, रवि राज,अभिनंदन कुमार,मो. सोफियार,कुमारी मन्नू,मनीषा कुमारी,अंकित कुमार,अनुराधा कुमारी,रितेश कुमार,रुपेश कुमार सहित सैकड़ों ग्रामीण और छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

दिव्यांगजन सशक्तिकरण अभियान को मिली गति, लाभार्थियो के बीच ट्राईसाइकिल वितरण

●आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम, दिव्यांग लाभार्थियों को मिली ट्राईसाइकिल

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। जिला प्रशासन की पहल पर पंडौल स्थित बुनियादी केंद्र में आयोजित विशेष शिविर में 20 दिव्यांगजनों के बीच बैटरी चालित मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल का वितरण किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिलाधिकारी आनंद शर्मा के निर्देश पर सहायक निदेशक (दिव्यांगजन सशक्तिकरण) आशीष अमन की देखरेख में किया गया।शिविर में सदर अनुमंडल के विभिन्न प्रखंडों से चयनित लाभार्थियों को ट्राईसाइकिल प्रदान की गई। इस अवसर पर लाभार्थियों को वाहन संचालन, रखरखाव एवं बैटरी चार्जिंग संबंधी प्रशिक्षण भी दिया गया। साथ ही यूडीआईडी (यूडी आईडी) कार्ड के लाभों की जानकारी देकर अधिक से अधिक दिव्यांगजनों को इसका लाभ उठाने के लिए जागरूक किया गया।कार्यक्रम में जिला प्रबंधक मनीषा कुमारी एवं लेखापाल संजीव कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। अधिकारियो ने कहा कि जिला प्रशासन दिव्यांगजनो के सशक्तिकरण एवं कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

जातिवाद नहीं सेवा भाव जरूरी : मंत्री शैलेंद्र

बेनीपुर(दरभंगा)। कपूर्री सभागार में भाजपा दरभंगा पूर्वी जिला की ओर से आयोजित कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम में दरभंगा के प्रभारी मंत्री सह पथ निर्माण मंत्री इंजीनियर शैलेंद्र कुमार ने संगठन की मजबूती, कार्यकताओं के सम्मान और सामाजिक दायित्वों पर विस्तार से अपनी बात रखी। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष विनय पासवान ने की, जबकि विधानसभा संयोजक पिंटू झा ने कार्यक्रम का समन्वय किया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मंत्री ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यकताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि संगठन के प्रति समर्पित कार्यकताओं को सरकार और प्रशासन में पूरा सम्मान मिलेगा तथा सभी कार्य पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ किए जाएंगे।उन्होंने कहा कि भाजपा केवल राजनीतिक दल नहीं, बल्कि विचार, संस्कार और सेवा की भावना से कार्य करने वाला संगठन है। कार्यकताओं से समाज के कमजोर, उपेक्षित और जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए आगे आने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि सामाजिक सरोकारों से जुड़कर ही मजबूत समाज का निर्माण किया जा सकता है। एनडीए गठबंधन की एकजुटता पर बल देते हुए मंत्री ने सहयोगी दलों के कार्यकताओं को सम्मान देने और समन्वय के साथ काम करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि गठबंधन की मजबूती ही विकास और सुशासन की आधारशिला है। मंत्री ने एक पेड़ मां के नाम के साथ एक पेड़ बेटी के नाम लगाने को कहा।

विश्व पौधारोपण दिवस पर प्रभारी मंत्री ने किया वृक्षारोपण, बच्चों संग निकाली साइकिल रैली

दरभंगा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर दरभंगा जिले में पर्यावरण संरक्षण एवं जन-जागरूकता को लेकर भाजपा जिलाध्यक्ष प्रो आदित्य नारायण मन्ना के नेतृत्व मे विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बिहार सरकार के पथ निर्माण मंत्री सह दरभंगा जिले के प्रभारी मंत्री कुमार शैलेंद्र ने जिला अतिथि गृह, रामबाग स्थित द पाम गार्डन व कंकाली मंदिर परिसर,श्यामा माई मंदिर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान प्रभारी मंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए प्रत्येक नागरिक को वृक्षारोपण को जन आंदोलन बनाना होगा। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण का भी संकल्प लेने का आह्वान किया। इसके उपरांत प्रभारी मंत्री ने स्कूली बच्चों द्वारा आयोजित साइकिल रैली में भाग लिया। पर्यावरण संरक्षण एवं हरित जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस रैली में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। मंत्री ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण की मुहिम में युवाओं और विद्यार्थियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत प्रभारी मंत्री ने बच्चों के बीच पौधों का वितरण किया तथा उन्हें अपने घर और आसपास के क्षेत्रों में पौधे लगाकर उनकी देखभाल करने का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि मातृ सम्मान और प्रकृति संरक्षण का एक सशक्त संदेश भी देता है। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण विषयक साइकिल रैली में भाग लेने वाले बच्चों के बीच प्रमाण-पत्र का भी वितरण किया गया। प्रभारी मंत्री ने प्रमाण-पत्र प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों में सामाजिक उत्तरदायित्व और पर्यावरण के प्रति जागरूकता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक अमरनाथ सिंह,अवधेश चौधरी मुन्ना, लोजपा जिला अध्यक्ष देवेंद्र झा,राष्ट्रीय लोक मोर्चा जिला अध्यक्ष यदुवीर कुशवाहा,पूर्व जिलाध्यक्ष जीवछ सहनी, पूर्वपार्षद मधुबाला सिन्हा, वार्ड पार्षद नवीन सिन्हा,जिला उपाध्यक्ष अभयानंद झा राजेश रंजन राजू तिवारी, मीना झा, संतोष पोद्दार, सुजीत मल्लिक, राहुल पासवान नथुनी पासवान, सपना भारती,मुकेश महासेठ,गुलशन चौधरी,रमेश झा, श्रवण महतो, नथुनी पासवान, रमन महतो,अभिषेक सोनू,सतीश साह,भावना पासवान,विशाल महासेठ,रतन साह, मुचकुंद झा, प्रमोद चौधरी सहित सामाजिक कार्यकताओं, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों की सहभागिता रही।

विश्व पर्यावरण दिवस पर एसएसबी 18वीं वाहिनी ने किया 1000 पौधों का रोपण

मधुबनी। राजनगर विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 18वीं वाहिनी मुख्यालय, राजनगर परिसर सहित सभी समवाय मुख्यालयों में व्यापक वृक्षारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा हरित एवं स्वच्छ वातावरण को बढ़ावा देना था।इस अवसर पर 18वी वाहिनी के कमांडिंग ऑफिसर कोजा राम लोमरोड़ ने अधिकारियों, जवानों एवं उपस्थित लोगों को अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि वृक्ष न केवल पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, बल्कि मानव जीवन के लिए स्वच्छ वायु, जल संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनो की सुरक्षा के भी प्रमुख आधार है।कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों, जवानों, संदीक्षा परिवार के सदस्यों, मिथिला फिजिकल एकेडमी राजनगर के छात्र-छात्राओं तथा स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया। वृक्षारोपण अभियान केवल वाहिनी मुख्यालय तक सीमित नहीं रहा, बल्कि 18वीं वाहिनी के समस्त समवाय मुख्यालयों एवं कार्यक्षेत्र में भी चलाया गया। अभियान के तहत वाहिनी के पूरे कार्यक्षेत्र में कुल 1000 पौध

फर्जी प्रमाणपत्र पर नौकरी का बड़ा खुलासा, दो शिक्षकों के दस्तावेज जाली

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।बिहार में फर्जी प्रमाणपत्र के आधार पर सरकारी नौकरी हासिल करने वाले शिक्षकों के खिलाफ चल रही जांच के बीच मुजफ्फरपुर जिले से एक और बड़ा मामला सामने आया है। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की जांच में कुढ़नी प्रखंड में कार्यरत दो शिक्षकों के शैक्षणिक प्रमाणपत्र जाली पाए गए हैं। दोनों शिक्षकों पर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नियुक्ति प्राप्त करने और वर्षों तक सरकारी वेतन एवं अन्य सुविधाओं का लाभ लेने का आरोप है। जानकारी के अनुसार, पटना उच्च न्यायालय के निर्देश पर बिहार में नियोजित शिक्षकों के शैक्षणिक एवं प्रशैक्षणिक प्रमाणपत्रों की व्यापक जांच की जा रही है। इसी क्रम में की गई जांच के दौरान कुढ़नी प्रखंड के दो शिक्षकों के प्रमाणपत्र संदिग्ध पाए गए थे, जिसकी पुष्टि निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की जांच में हो गई। जांच रिपोर्ट में दोनों शिक्षकों के शैक्षणिक प्रमाणपत्रों को फर्जी बताया गया है। इसके बाद संबंधित विभागों में हड़कंप मच गया है। अधिकारियों का कहना है कि मामले में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है और दोषी पाए गए शिक्षकों के विरुद्ध कानूनी प्रक्रिया शुरू की जाएगी। राज्यभर में चल रही इस जांच के दौरान पहले भी कई जिलों में फर्जी प्रमाणपत्र के आधार पर नौकरी करने वाले शिक्षकों की पहचान हो चुकी है। अब मुजफ्फरपुर में सामने आए इस नए मामले ने शिक्षा विभाग की नियुक्ति प्रक्रिया और प्रमाणपत्र सत्यापन व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार, जांच अभियान अभी जारी है और प्रमाणपत्रों की सत्यता की पुष्टि के बाद दोषी पाए जाने वाले शिक्षकों के खिलाफ सेवा समाप्ति, वेतन वसूली और आपराधिक मुकदमा दर्ज करने जैसी कार्रवाई की जा सकती है। पटना उच्च न्यायालय के आदेश के बाद राज्यभर में चल रही इस विशेष जांच का उद्देश्य शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता लाना और फर्जी दस्तावेजों के सहारे नौकरी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करना है।

गायघाट, औराई व बोचहा में 1 जुलाई से शुरू होंगे डिग्री कॉलेज, तैयारियों में जुटा प्रशासन

मुजफ्फरपुर।राज्य सरकार के सात निश्चय के अंतर्गत चतुर्थ निश्चय उन्नत शिक्षा, उज्ज्वल भविष्य योजना को धरातल पर उतारने की दिशा में जिलाधिकारी ने तैयारी तेज कर दी है। योजना के तहत राज्य में स्थापित किए जा रहे 211 नये डिग्री महाविद्यालयों में जिले के तीन प्रखंड–गायघाट, औराई एवं बोचह शामिल हैं, जहां 1 जुलाई से डिग्री कॉलेजों का संचालन शुरू कर दिया जायेगा। इन महाविद्यालयों के लिए ऑनलाइन नामांकन प्रक्रिया भी प्रारंभ हो चुकी है।ये डिग्री कॉलेज बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय की अंगीभूत इकाई के रूप में संचालित होंगे। प्रारंभिक चरण में यहां हिंदी, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, इतिहास, राजनीति विज्ञान एवं समाजशास्त्र सहित छह विषयों में स्नातक स्तर की पढ़ाई शुरू की जाएगी। ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा की सुविधा उनके निकट उपलब्ध कराने की दिशा में इसे एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। महाविद्यालय को 1जुलाई से पठन पाठन शुरू करने, भवनों की मरम्मती से लेकर आवश्यक संसाधन से संपन्न करने हेतु जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन ने संबंधित विद्यालयों के प्राचार्यों एवं जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में तीनों प्रखंडों में डिग्री कॉलेज संचालित करने के लिए विद्यालयों का चयन कर लिया गया है। इन विद्यालयों में भवन मरम्मती, फर्नीचर, शैक्षणिक संसाधन एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं की व्यवस्था की जाएगी ताकि निर्धारित तिथि से नियमित पठन-पाठन शुरू कराया जा सके। जिलाधिकारी ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को निर्देश दिया कि वे संबंधित विद्यालयों के प्राचार्यों एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी के साथ संयुक्त रूप से विद्यालयों का भ्रमण कर भवनों की स्थिति का आकलन करें।

विश्व पर्यावरण दिवस पर भूमि पत्तन रक्सौल में 210 पौधों का पौधारोपण, हरित भविष्य का लिया संकल्प

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारत सरकार के गृह मंत्रालय के निदेर्शानुसार तथा भारतीय भूमि पत्तन प्राधिकरण के तत्वावधान में भूमि पत्तन रक्सौल परिसर में एक भव्य वृक्षारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 8:00 बजे किया गया, जिसमें पर्यावरण संरक्षण एवं हरित आवरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से परिसर में लगभग 210 पौधों का रोपण किया गया।कार्यक्रम का नेतृत्व भूमि पत्तन रक्सौल के पत्तन प्रशासक कुमार राजीव रंजन ने किया। इस अवसर पर प्रभात कुमार, सुरेश चाँद वर्मा, म. अख्तर सैफी, प्रदीप कुमार दास, सुरभि कुमारी, प्रिया रानी, कुंदन कुमार पाण्डेय, ब्रिजेश कुमार सिंह, प्रकाश कुमार, संतोष कुमार सहित अन्य अधिकारियों, कर्मचारियों, हितधारकों एवं सामाजिक संस्था स्वच्छ रक्सौल के सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।कार्यक्रम में डीपीएम इंग्लिश स्कूल एवं स्वच्छ रक्सौल प्रशिक्षण केंद्र के छात्र-छात्राओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पौधारोपण किया तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया। स्वच्छ रक्सौल के अध्यक्ष रणजीत सिंह एवं प्रशिक्षण केंद्र से साबरा खातून, श्वेता श्रीवास्तव, नेहा श्रीवास्तव, नवीन सर और लतिका मैडम उपस्थित रही। अपने संबोधन में वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों के क्षरण जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए वृक्षारोपण सबसे प्रभावी उपाय है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपने जीवन में कम-से-कम एक पौधा लगाने तथा उसके संरक्षण की जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। स्वच्छ रक्सौल के प्रतिनिधियों ने कहा कि स्वच्छ, सुंदर और हरित रक्सौल का निर्माण जनसहभागिता से ही संभव है। पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी प्रयासों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक का नैतिक एवं सामाजिक दायित्व है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और हरियाली को बढ़ावा देने का सामूहिक संकल्प लिया। साथ ही लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर प्रयास करने का भी आश्वासन दिया गया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

भाकपा–माले ने की प्रसाद हॉस्पिटल अग्निकांड की उच्च स्तरीय जांच की मांग

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।भाकपा-माले के राज्य सचिव कुणाल ने मुजफ्फरपुर के ब्रह्मापुरा स्थित प्रसाद हॉस्पिटल में हुई भीषण अग्निकांड की घटना पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए इसे अत्यंत गंभीर और चिंताजनक बताया है। घटना की जांच के लिए भाकपा-माले की तीन सदस्यीय टीम जिला सचिव जितेन्द्र यादव के नेतृत्व में घटनास्थल पर गई। टीम में दीपक कुमार एवं विवेक कुमार भी शामिल थे. जांच टीम ने पाया कि पूरा हॉस्पिटल परिसर पुलिस छावनी में तब्दील था।घटना स्थल, विशेषकर आईसीयू वार्ड, को पूरी तरह सील कर दिया गया था और वहां किसी को भी जाने की अनुमति नहीं थी. मौके पर सिटी एसपी एवं एसडीओ (पूर्वी) से टीम की बातचीत हुई। अधिकारियों ने बताया कि 15 बेड क्षमता वाले कवव में घटना के समय 12 मरीज भर्ती थे, जिनमें से 5 मरीजों की मौत हो गई, जबकि अन्य मरीजों का इलाज विभिन्न अस्पतालों में चल रहा है। कुणाल ने कहा कि यह केवल एक दुर्घटना भर नहीं मानी जा सकती। इसकी गहन, निष्पक्ष और उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए ताकि आग लगने के वास्तविक कारणों, सुरक्षा प्रबंधों की स्थिति तथा संभावित लापरवाही की जिम्मेदारी तय की जा सके। यह भी जांच का विषय है कि संबंधित हॉस्पिटल हॉस्पिटल पंजीकरण एवं विनियमन अधिनियम, अग्नि सुरक्षा मानकों तथा अन्य आवश्यक स्वास्थ्य मानकों का पालन कर रहा था या नहीं?भाकपा-माले मांग किया है कि इस मामले में स्वास्थ्य विभाग, जिला प्रशासन और संबंधित नियामक संस्थाएं तत्काल हस्तक्षेप कर जवाबदेही तय करें. यदि जांच में हॉस्पिटल प्रबंधन की किसी भी प्रकार की लापरवाही, नियमों के उल्लंघन अथवा सुरक्षा मानकों की अनदेखी सामने आती है, तो उसके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। पार्टी ने मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए यह भी कहा है कि है सभी मृतकों के आश्रितों को समुचित मुआवजा दिया जाए और घायलों के बेहतर इलाज की पूरी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

गरहां इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बोचहा प्रखंड के गरहां स्थित इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत भव्य पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री रामसूरत राय मुख्य रूप से उपस्थित हुए। उन्होंने विद्यालय परिसर में पौधा रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और इस मुहिम को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान किया। पौधारोपण करते हुए पूर्व मंत्री रामसूरत राय ने कहा, पेड़-पौधे हमारे जीवन का असली आधार हैं। ये हमें न सिर्फ शुद्ध वायु और स्वच्छ वातावरण देते हैं, बल्कि प्राकृतिक संतुलन भी बनाए रखते हैं। आज बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना और उनका संरक्षण करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने ह्यएक पेड़ मां के नामह्ल अभियान की सराहना करते हुए कहा कि यह मुहिम प्रकृति को बचाने के साथ-साथ अपनी मां के प्रति सम्मान, प्रेम और कृतज्ञता व्यक्त करने का एक बेहद सुंदर माध्यम है। हर व्यक्ति को अपनी मां के नाम पर एक पौधा जरूर लगाना चाहिए और उसकी देखभाल का संकल्प लेना चाहिए। इस मौके पर विद्यालय परिवार, शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं एवं स्थानीय गणमान्य लोगों ने भी पौधारोपण किया और हरित व स्वच्छ वातावरण के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया।

डायट, मुजफ्फरपुर में विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण कार्यक्रम

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। विश्व पर्यावरण दिवस पर आज जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान रामबाग मुजफ्फरपुर में वृक्षारोपण का कार्य किया गया। इस अवसर पर डायट मुजफ्फरपुर के सभी व्याख्याता और डी एल एड प्रथम और द्वितीय वर्ष के समस्त प्रशिक्षुओं ने प्रतिभाग किया। प्रथम वर्ष के प्रशिक्षु द्वारा डायट के दीवाल पर पर्यावरण से संबंधित रोचक जानकारियों और संदेशों के साथ चित्र बनाये गये। इस अवसर पर डायट प्राचार्या अनामिका कुमारी ने कहा कि इस धरती को बचाने में अन्य तत्वों के साथ-साथ वृक्षों का अमूल्य योगदान है। यदि धरती वृक्ष विहीन हो गई तो उसी क्षण धरती से जीवन समाप्त हो जाएगा। वृक्ष न केवल धरती के बल्कि मानव जाति समेत सम्पूर्ण जीव-जगत के लिए बहुमूल्य धरोहर हैं। यदि हम अपने इस धरोहरों को समय रहते नहीं बचाया तो विनाश निश्चित हैं। उन्होंने बताया कि इस साल का पर्यावरण दिवस का थीम है- इंस्पायर बाइ नेचर फार आवर क्लाइमेट, फार आवर फ्यूचर।इस अवसर पर डायट की वरीय व्याख्याता डॉ सरिता शर्मा, डॉ श्वेता सोनाली, मनीष पांडे, पंकज कुमार, डॉ मीरा कुमारी, डॉ निर्मल कुमार, डॉ संतोष राणा, राकेश सिन्हा, अर्जुन गिरी, सुजीत कुमार श्रीमती अपर्णा, श्रीमती दीपिन्ति कुमारी और माना के अश्विनी पांडे उपस्थित थे।

हॉस्पिटल अग्निकांड में एक और घायल की मौत परिजनों को मिली चार लाख रुपये की सहायता

मुजफ्फरपुर। प्रसाद हॉस्पिटल में हुई अग्निकांड की दुखद घटना में घायल एक और व्यक्ति वृजनंदन राय की मृत्यु हो गई है। इसके साथ ही इस हादसे में मृतकों की कुल संख्या बढ़कर 6 हो गई है। मृतक कुढनी प्रखंड के बाघी चौक, पकाही निवासी है। पोस्टमार्टम कराये जाने के उपरांत मृतक का शव उनके परिजन को सौंप दिया गया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर पीड़ित परिवार को आपदा प्रबंधन विभाग के प्रावधान के तहत मृतक की पत्नी ललिता देवी को चार लाख रुपये की अनुग्रह सहायता राशि उपलब्ध करा दी गई है। संबंधित अंचलाधिकारी द्वारा यह राशि प्रदान की गई। विदित हो कि 4 जून को भी पांच मृतक के निकटतम परिजनों को चार -चार लाख का अनुग्रह अनुदान मुख्यमंत्री के निर्देश पर दिया जा चुका है। जिलाधिकारी ने मृतक के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की है।

प्रसाद हास्पिटल हादसा: आयुक्त ने उठाए सख्त कदम

मुजफ्फरपुर ।शहर के प्रसाद हास्पिटल अग्नि कांड मामले में आयुक्त ने बड़ा सख्त कदम उठाया है। तिरहुत प्रमंडल के आयुक्त गिरिवर दयाल सिंह ने गुरुवार को अस्पताल पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। जांच के दौरान सुरक्षा व्यवस्था और अग्निशमन प्रबंधन से जुड़ी गंभीर खामियां सामने आने के बाद उन्होंने अस्पताल के मालिक और प्रबंधन के खिलाफ तत्काल प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया है। आयुक्त ने कहा कि मामले की तकनीकी जांच भी कराई जाएगी ताकि आग लगने के कारणों और जिम्मेदारियों को स्पष्ट किया जा सके।निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल भवन के उस हिस्से का भी जायजा लिया जहां आग लगी थी। उन्होंने अधिकारियों से फायर सेफ्टी सिस्टम, आपातकालीन निकास मार्ग, सुरक्षा उपकरणों और आवश्यक अनुमतियों की जानकारी मांगी। प्रारंभिक जांच में कई ऐसे बिंदु सामने आए जिन पर प्रशासन ने नाराजगी जताई। अस्पताल के दस्तावेजों और सुरक्षा मानकों की भी समीक्षा की गई।जांच के बाद आयुक्त ने अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि किसी संस्था की लापरवाही से लोगों की जान जोखिम में पड़ती है तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई होना स्वाभाविक है। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि पूरे मामले की विस्तृत तकनीकी रिपोर्ट तैयार की जाए और सभी पहलुओं की निष्पक्ष जांच की जाए।

होमगार्ड की नौकरी दिलाने के नाम पर 5 लाख रिश्वत मांगने के आरोप में 2 गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले में होमगार्ड भर्ती के नाम पर कथित ठगी और नौकरी दिलाने के फर्जी खेल का सनसनीखेज खुलासा हुआ है। पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का पदार्फाश किया है, जिसमें शामिल दो लोगों पर एक युवती को होमगार्ड में नौकरी दिलाने का झांसा देकर पांच लाख रुपये मांगने का आरोप है। गिरफ्तार आरोपियों में एक केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल का जवान और दूसरा वन विभाग का कर्मी बताया जा रहा है। मामला सिकंदरपुर ओपी थाना क्षेत्र के मरीन ड्राइव इलाके का है। पुलिस के अनुसार, होमगार्ड भर्ती प्रक्रिया के दौरान एक युवती को लगातार अलग-अलग मोबाइल नंबरों से फोन किए जा रहे थे। कॉल करने वाले खुद को प्रभावशाली व्यक्ति बताकर भर्ती में मदद करने का भरोसा दे रहे थे। आरोप है कि युवती से कहा गया कि यदि वह पांच लाख रुपये दे दे तो उसकी होमगार्ड में नियुक्ति सुनिश्चित कर दी जाएगी। युवती को कथित तौर पर कहा गया कि पहले दो लाख रुपये नकद देने होंगे, जबकि नियुक्ति होने के बाद तीन लाख रुपये और देने पड़ेंगे। कुल मिलाकर पांच लाख रुपये में नौकरी दिलाने का दावा किया जा रहा था। इसी बीच युवती के भाई, जो स्वयं होमगार्ड जवान हैं, को पूरे मामले पर संदेह हुआ। उन्होंने इसकी जानकारी तत्काल स्थानीय पुलिस को दी। सूचना मिलते ही सिकंदरपुर ओपी प्रभारी राकेश मोहन ने पुलिस टीम के साथ जाल बिछाया और मरीन ड्राइव के समीप छापेमारी की।इस दौरान एक नेक्सस कार में बैठे दो संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया गया। तलाशी के दौरान उनके पास से महंगे मोबाइल फोन और 12,200 रुपये नकद बरामद किए गए। जांच में दोनों की पहचान पानापुर करियात थाना क्षेत्र के रहने वाले व्यक्तियों के रूप में हुई। पुलिस का कहना है कि दोनों मिलकर कथित तौर पर नौकरी दिलाने के नाम पर युवती से ठगी की कोशिश कर रहे थे। सिटी एसपी मोहिबुल्लाह अंसारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि आरोपियों ने भर्ती प्रक्रिया का फायदा उठाकर अभ्यर्थी को गुमराह करने का प्रयास किया। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर पूछताछ की और बाद में न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

अग्निकांड पर अस्पताल प्रबंधन ने दी सफाई

मुजफ्फरपुर ।शहर के प्रसाद हास्पिटल के आईसीयू में आग लगने से पांच मरीजों की मौत पर अस्पताल ने सफाई दी है। अस्पताल की ओर से एक प्रेस नोट जारी किया गया है। प्रेस नोट के अनुसार, आग आईसीयू और सीसीयू वार्ड वाले फ्लोर पर लगी, जहां एयर कंडीशनर चलने के कारण आग तेजी से फैल गई। घटना के समय दोनों वार्डों में कुल 27 मरीज भर्ती थे। आग लगने की सूचना मिलते ही अस्पताल कर्मियों, सुरक्षा गार्डों और जिला प्रशासन की टीम ने संयुक्त रूप से रेस्क्यू अभियान चलाया। अस्पताल प्रबंधन के मुताबिक, रेस्क्यू ऑपरेशन में 18 मरीजों को सुरक्षित निकालकर अन्य अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। वहीं 4 मरीज पूरी तरह सुरक्षित हैं और अपने घर लौट चुके हैं। इस हादसे में 5 मरीजों की मौत हो गई। अस्पताल प्रशासन ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई है। प्रेस विज्ञप्ति में यह भी कहा गया है कि रेस्क्यू के दौरान कुछ असामाजिक तत्वों ने अस्पताल परिसर में तोड़फोड़ की, जिसके संबंध में ब्रह्मपुरा थाना में प्राथमिकी प्राथमिकी दर्ज कराई जा रही है। प्रबंधन ने बताया कि जांच में सहयोग के लिए सभी आवश्यक दस्तावेज, सीसीटीवी फुटेज और कर्मचारियों का विवरण प्रशासन को सौंप दिया गया है। जिला प्रशासन मामले की गहन जांच कर रहा है।

मुजफ्फरपुर में गैस आपूर्ति व्यवस्था संतोषजनक, पीएनजी कनेक्शन में तेजी

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले में घरेलू एवं व्यावसायिक गैस आपूर्ति तथा पाइप लाइन आधारित पीएनजी कनेक्शन की अद्यतन स्थिति को लेकर आज जिला प्रशासन द्वारा प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इसमें गैस स्टॉक, वितरण व्यवस्था एवं उपभोक्ता सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। घरेलू गैस की स्थिति के सम्बन्ध मे बताया गया कि विभिन्न गैस एजेंसियों के माध्यम से घरेलू गैस की आपूर्ति नियमित रूप से की जा रही है। आइओसीएल, एचपीसीएल एवं बीसीसीएल की कुल 91 वितरण एजेंसियां जिले में कार्यरत हैं। औसतन दैनिक बिक्री, स्टॉक एवं ट्रांजिट में सिलेंडरों की पर्याप्त उपलब्धता बताई गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जिले में घरेलू गैस का पर्याप्त भंडार मौजूद है और किसी प्रकार की कमी नहीं है।व्यावसायिक गैस आपूर्ति के तहत आइओसीएल, एचपीसीएल और बीसीसीएल द्वारा जिले में कुल 92 वितरण केंद्रों के माध्यम से आपूर्ति की जा रही है। बताया गया कि व्यावसायिक उपयोग हेतु गैस की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित है और औसत दैनिक बिक्री के अनुरूप पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है।मुजफ्फरपुर में पाइपलाइन आधारित पीएनजी गैस आपूर्ति का विस्तार तेजी से हो रहा है। नगर निगम क्षेत्र के 19 मोहल्लों में घरेलू पीएनजी आपूर्ति जारी है। अब तक 43,259 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 18,219 उपभोक्ताओं को गैस आपूर्ति शुरू की जा चुकी है।32 नए उपभोक्ताओं को 04 जून 2026 को आपूर्ति प्रारंभ की गई।30 वाणिज्यिक इकाइयों तथा बेला औद्योगिक क्षेत्र की 14 औद्योगिक इकाइयों को पीएनजी गैस आपूर्ति की जा रही है। जिले में कुल 7 डिस्ट्रीक्ट रेगुलेटिंग स्टेशन स्वीकृत हैं, जिनमें से 5 कार्यरत हैं, जबकि 2 का निर्माण विभिन्न संस्थानों के परिसर में प्रस्तावित है।प्रशासन ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि घरेलू गैस सिलेंडर की पर्याप्त उपलब्धता है। बुकिंग के बाद 2झ3 दिनों के भीतर घर पर डिलीवरी सुनिश्चित की जा रही है। लोगों को गैस एजेंसियों पर अनावश्यक भीड़ लगाने की आवश्यकता नहीं है तथा ऑनलाइन बुकिंग को प्राथमिकता देने की सलाह दी गई है। जिला प्रशासन ने कहा कि गैस आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह सामान्य और नियंत्रित है तथा उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी जाएगी।

प्रसाद हास्पिटल अग्नि कांड में मेनटेनेंस हेड सहित 3 गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। शहर के प्रसाद हॉस्पिटल अग्निकांड में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। मामले में पुलिस ने 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। जिसमें एक मेंटेनेंस हेड, एडमिन और एक डॉक्टर शामिल है। गुरुवार अहले सुबह ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र स्थित अस्पताल के आईसीयू वार्ड आग लग गई थी। इस घटना में 6 लोगों की मौत हो गई, बाकी का रेस्क्यू किया गया। कई मरीज शहर के अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती हैं। तिरहुत प्रमंडल के आयुक्त गिरिवर दयाल सिंह ने अस्पताल में निरीक्षण के बाद केस और कार्रवाई की बात कही थी। अब पुलिस ने 3 लोगों को अरेस्ट किया है। इन पर लापरवाही का आरोप है। सिटी एसपी मोहिबुल्लाह अंसारी ने बताया कि मामले में 177/26 केस दर्ज किया गया है। यह केस अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी के आवेदन पर दर्ज किया गया। घटना में 6 लोगों की मौत हो गई है। मामले में अभी तक तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है, उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। इनमें एक मेंटेनेंस हेड, एडमिन और एक डॉक्टर, जिनकी आईसीयू में ड्यूटी थी। सिटी एसपी के अनुसार इन तीन लोगों की लापरवाही के कारण कुछ लोगों की जान गई है। मामले में अस्पताल के डायरेक्टर की भी जांच चल रही है। बिल्डिंग में किसी तरह के कानून का उल्लंघन है या नहीं। इसके साथ ही बिल्डिंग का फायर ऑडिट भी कराया जा रहा है। इससे पहले फायर ऑडिट सही तरीके से हुआ था या नहीं। इसकी जांच चल रही है। अगर इन चीजों में लापरवाही पाई गई तो हॉस्पिटल के ऑनर को भी गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जाएगा।

आरडीएस कॉलेज में कर्मचारियों का हंगामा : वेतन कटौती, छंटनी और प्राचार्य पर मनमानी के आरोप

मुजफ्फरपुर। रामदयालु सिंह महाविद्यालय में कॉलेज प्रशासन और दैनिक वेतनभोगी गैर-शिक्षण कर्मचारियों के बीच विवाद गहराता जा रहा है। कर्मचारियों ने प्राचार्य पर मनमानी, आर्थिक शोषण और कर्मचारियों की समस्याओं की अनदेखी करने का गंभीर आरोप लगाया है। उनका कहना है कि कॉलेज में लिए जा रहे फैसलों से कार्य वातावरण प्रभावित हो रहा है और कर्मचारियों में भारी असंतोष व्याप्त है। कर्मचारियों के अनुसार हाल के दिनों में कुछ दैनिक वेतनभोगी कर्मियों का पदावनत किया गया, कुछ को सेवा से हटा दिया गया तथा परिसर में रहने वाले कुछ चतुर्थवर्गीय कर्मचारियों से आवास खाली करवाने के साथ आर्थिक दंड भी वसूला गया। इसके अलावा कर्मचारियों के मासिक पारिश्रमिक में 3,000 से 5,000 रुपये तक की कटौती कर दी गई, जबकि कटौती का कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया गया। कर्मचारियों का दावा है कि विश्वविद्यालय के पत्रांक बी/1222 दिनांक 18 जुलाई 2022 के अनुसार वर्ग-3 कर्मचारियों को 26,069 रुपये तथा वर्ग-4 कर्मचारियों को 20,657 रुपये पारिश्रमिक दिए जाने का प्रावधान है। इसके विपरीत वर्तमान में वर्ग-3 कर्मचारियों को 18,000 रुपये, वर्ग-4 कर्मचारियों को 15,000 रुपये तथा सफाई कर्मियों को मात्र 12,000 रुपये दिए जा रहे हैं। कर्मचारियों का कहना है कि बढ़ती महंगाई के बीच यह कटौती उनके परिवार के भरण-पोषण पर गंभीर असर डाल रही है। पीड़ित कर्मचारियों का आरोप है कि वेतन कटौती के संबंध में जब वे प्राचार्य से बातचीत करने पहुंचे तो उन्होंने किसी भी प्रकार की वार्ता से इनकार कर दिया। कर्मचारियों का कहना है कि उनकी बात सुनने के बजाय प्राचार्य बैठक छोड़कर चले गए, जिससे उनमें और अधिक आक्रोश बढ़ गया। कर्मचारियों ने यह भी आरोप लगाया कि करीब एक माह पूर्व सात सेवारत कर्मचारियों को अचानक सेवा से हटा दिया गया। इनमें एक ऐसा कर्मचारी भी शामिल था जो पिछले 14 वर्षों से महाविद्यालय में कार्यरत था। कर्मचारियों का आरोप है कि अनुभवी कर्मियों को हटाकर नए लोगों को नियुक्त करने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने यह भी दावा किया कि कुछ समय पूर्व एक आउटसोर्सिंग एजेंसी ने अपने कर्मियों की नियुक्ति के बदले कमीशन की पेशकश की थी, हालांकि उस समय इसे स्वीकार नहीं किया गया था। विवाद के बीच कर्मचारियों ने कॉलेज प्रशासन को अंतिम चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि हटाए गए सात कर्मचारियों की पुनर्नियुक्ति नहीं की गई, वेतन कटौती वापस नहीं ली गई और सम्मानजनक वार्ता शुरू नहीं हुई, तो वे कॉलेज परिसर में आमरण अनशन शुरू करेंगे।

करजा में किराना व्यवसायी से पिस्टल के बल पर साढ़े तीन लाख की लूट, जांच में जुटी पुलिस

मुजफ्फरपुर। करजा थाना क्षेत्र में गुरुवार रात अपराधियों ने एक किराना व्यवसायी को निशाना बनाते हुए पिस्टल के बल पर साढ़े तीन लाख रुपये लूट लिए। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पीड़ित व्यवसायी विकास कुमार ने बताया कि उनकी करजा बाजार में थोक किराना की दुकान है। गुरुवार रात दुकान बंद करने के बाद वह नकदी लेकर अपने घर प्रतापपुर लौट रहे थे। रात करीब साढ़े नौ बजे प्रतापपुर स्थित मंदिर से कुछ आगे एक मोड़ के पास बाइक सवार तीन बदमाशों ने उन्हें घेर लिया। उन्होंने बताया कि बदमाशों ने पिस्टल दिखाकर जान से मारने की धमकी दी और उनके पास मौजूद करीब साढ़े तीन लाख रुपये नकद लूटकर फरार हो गए। घटना इतनी अचानक हुई कि उन्हें संभलने का मौका भी नहीं मिला। वारदात की सूचना मिलते ही करजा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। आसपास के लोगों से पूछताछ के साथ-साथ अपराधियों की पहचान के लिए छानबीन शुरू कर दी गई है। करजा थानाध्यक्ष रामकृष्ण परमहंस ने बताया कि व्यवसायी द्वारा करीब साढ़े तीन लाख रुपये लूटे जाने की जानकारी दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद स्थानीय व्यवसायियों में चिंता का माहौल है। उन्होंने क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाने और अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपितों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।

गोविंद शर्मा हत्याकांड का नामजद आरोपित बाबुल चौधरी गिरफ्तार,दिल्ली भागने की थी तैयारी

मुजफ्फरपुर। चर्चित शूटर गोविंद शर्मा हत्याकांड में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। मामले के नामजद आरोपित बाबुल चौधरी को विशेष टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार वह दरभंगा एयरपोर्ट से विमान के जरिए दिल्ली भागने की तैयारी में था, लेकिन गुप्त सूचना के आधार पर एसटीएफ ने कार्रवाई करते हुए उसे दबोच लिया। सिटी एसपी मो. मोहिबुल्लाह अंसारी ने बाबुल चौधरी की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। हालांकि शहर में यह चर्चा भी रही कि लगातार पुलिस दबिश के कारण उसने एसटीएफ के समक्ष आत्मसमर्पण किया। फिलहाल पुलिस उसे हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है और हत्या से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी जुटा रही है। गोविंद शर्मा की हत्या के दूसरे दिन सोशल मीडिया पर एक ऑडियो तेजी से वायरल हुआ था। इस ऑडियो में बाबुल चौधरी के नाम से हत्या की जिम्मेदारी लेने का दावा किया गया था। पुलिस ने ऑडियो की सत्यता की जांच के लिए उसे फॉरेंसिक साइंस लैब भेज दिया है। रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि वायरल ऑडियो असली है या नहीं। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि हत्या की साजिश में बाबुल चौधरी की क्या भूमिका थी और घटना के पीछे कौन-कौन लोग शामिल थे। इस हत्याकांड में पुलिस ने एक दिन पहले हिस्ट्रीशीटर और गोविंद शर्मा के

सम्पादकीय

सत्ता के बिना तिनका-तिनका हुई टीएमसी

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

इंडिया गठबन्धन में ममता बैनर्जी को सबसे ताकतवर माना जाता था। वे अपने दम पर पिछले पन्द्रह साल से सत्ता पर काबिज थीं। उन्होंने बंगाल की शक्तिशाली पार्टी सीपीएम, जो लगातार पैंतीस साल से बंगाल पर एक छत्र राज कर रही थी, को पराजित किया था। कांग्रेस को बंगाल में धूल चटा दी थी। लेकिन 2026 के विधानसभा चुनाव में वे हार गईं। लेकिन हार का अर्थ यह नहीं कि सीपीएम और कांग्रेस की तरह वह शून्य पर सिमट गईं। विधानसभा में तृणमूल कांग्रेस को अस्सी सीटें प्राप्त हुईं। अभी भी संसद में उसके पास चालीस के आसपास सांसद हैं। लेकिन उसके पास इस बार केवल एक चीज छिन्न गई। ममता बैनर्जी इतने विधायक नहीं जिता पाईं कि वे चौथी बार मुख्यमंत्री बन सकें। यह भी कोई अनोखी बात नहीं है। राजनीति में हार-जीत लगी रहती है। इसलिए राजनीति में इसे सामान्य घटना ही माना जाता है। आखिर कांग्रेस ही कितने साल से लगातार हार रही है। चार प्रदेशों को छोड़ कर वह किसी भी प्रदेश में सत्ता में नहीं है। केरल में दस साल बाद सीपीएम सत्ता से बाहर हो गई है। लेकिन पार्टी सामान्य तरीके से काम-काज कर रही है। पर तृणमूल कांग्रेस के मामले में बिल्कुल उलटा हो रहा है। सत्ता की डोर टूटते ही मानो भूकम्प आ गया हो। तृणमूल की कायनात हिल गई हो। जगह जगह नगरपालिकाओं से, पंचायतों से, नगर निगमों से तृणमूल के सदस्य ममता को अपने इस्तीफे भेज रहे हैं। यहां तक कि कोलकाता नगर निगम के महापौर हकीम साहिब ने भी ममता से क्षमा मांग कर महापौर के पद से इस्तीफा दे दिया है, जबकि निगम में तृणमूल का बहुमत अभी भी है। तृणमूल के जिन नेताओं ने सरकारी स्कीमों का लाभ देने के लिए लाभार्थियों से कट मनी (रिश्वत) ली थी, वे लाउडस्पीकर लगा कर सार्वजनिक रूप से वह वापस कर रहे हैं। जिन भवनों पर तृणमूल के लोगों ने वर्षों से बलपूर्वक कब्जा कर रखा था, वे स्वयं खाली कर रहे हैं। कोलकाता में पार्टी के एक प्रवक्ता ने, जो मीडिया में गाली गलौज की भाषा में धमकाता रहता था, उसने यह कहते हुए क्षमा मांग ली कि यह उसे पार्टी के आदेश पर करना पड़ रहा था। ममता बैनर्जी को शायद इतने पर भी इस बात का अंदाजा नहीं हो पाया कि बंगाल की आम जनता उनके कितनी खिलाफ है। दो दिन पहले उसने ऐलान कर दिया कि वे विशाल विरोध प्रदर्शन करेंगी, जैसा कि वे मुख्यमंत्री रहते हुए प्रायः करती रहती थीं। लेकिन उनके इस विरोध प्रदर्शन में जनता तो क्या, पार्टी के सांसद व विधायक भी नहीं पहुंचे। मीडिया और सुरक्षा बलों के लोग ज्यादा थे, आम जनता कम थी। जनता के आक्रोश की स्थिति यह हो गई कि पार्टी के नेताओं का बाहर निकलना मुश्किल हो गया। ममता बैनर्जी खुद कोर्ट पहुंची तो लोगों ने चोर चोर के नारे लगाने शुरू कर दिए। इतना ही नहीं, ममता बैनर्जी ने विधानसभा अध्यक्ष को लिख कर दिया कि पार्टी की ओर से विधानसभा में विधायक दल का नेता सेवन देव चट्टोपाध्याय विपक्ष का नेता होगा। लेकिन पार्टी के अस्सी में से 58 विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष को लिख कर दिया कि कि उनका नेता ऋतब्रत होगा न कि चट्टोपाध्याय। विधानसभा अध्यक्ष ने बहुमत के आधार पर ऋतब्रत को विपक्ष के नेता के तौर पर मान्यता दे दी। ममता ने लोकसभा में कल्याण मुखर्जी को पार्टी का नेता मनोनीत किया, लेकिन पार्टी की ही एक महिला सांसद ने अध्यक्ष को लिखा कि मुखर्जी ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया है। लेकिन क्या कारण है कि पन्द्रह साल की सत्ता, संसद में चालीस सदस्य, विधानसभा में अस्सी विधायक, इस सबके बावजूद पार्टी ताश के पत्तों की तरह क्यों बिखर गई? दरअसल जब कोई पार्टी राजनीतिक न रह कर, सत्ता के बल पर केवल लूट-खसोट करने का गिरोह मात्र बन जाए, तो सत्ता का गोंद हटते ही उसका बिखरना स्वाभाविक ही है। किसी भी राजनीतिक दल में उसके सदस्य और समर्थक किसी विचारधारा के कारण संगठित होते हैं। उनके पास देश और समाज को लेकर एक दृष्टि होती है। वह दल उस विचारधारा को लेकर आगे बढ़ता है। इसलिए उसकी प्रेरणा का स्रोत उसकी विचारधारा होती है न कि सत्ता। सत्ता प्राप्ति की कामना और प्रयास राजनीतिक दल इसलिए करता है कि उसे अपनी विचारधारा के अनुरूप समाज का गठन करना है।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला विवाहित पुत्रियों को भी मिलेगा समान अधिकार

कांतिलाल मांडोत

भारत का संविधान सभी नागरिकों को समानता का अधिकार प्रदान करता है। समय के साथ न्यायपालिका ने अनेक ऐसे निर्णय दिए हैं जिन्होंने समाज में व्याप्त भेदभावपूर्ण व्यवस्थाओं को चुनौती दी है और समान अधिकारों की अवधारणा को मजबूत किया है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि केवल वैवाहिक स्थिति के आधार पर किसी पुत्री को अनुकंपा नियुक्ति अथवा अन्य कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं किया जा सकता। यह निर्णय न केवल महिलाओं के अधिकारों को सशक्त बनाता है बल्कि समाज में लंबे समय से चली आ रही रूढ़ियों को भी चुनौती देता है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उन फैसलों को रद्द कर दिया जिनमें कहा गया था कि अनुकंपा नियुक्ति के लिए परिवार की परिभाषा में विवाहित बेटी शामिल नहीं होती। न्यायालय ने कहा कि किसी भी कल्याणकारी योजना का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों को सहायता प्रदान करना होता है और यदि कोई पुत्री विवाह के बाद भी अपने परिवार की जिम्मेदारियां निभा रही है तो उसे केवल विवाहित होने के आधार पर योजना के लाभ से वंचित नहीं किया जा सकता। यह मामला एक विवाहित पुत्री से जुड़ा था जिसने उचित मूल्य की दुकान के लाइसेंस के लिए आवेदन किया था। उसने वर्ष 2019 के उस सरकारी आदेश को चुनौती दी थी जिसमें विवाहित बेटियों को परिवार की परिभाषा से बाहर रखा गया था। याचिकाकर्ता का कहना था कि वह विवाह के बाद भी अपने माता पिता के परिवार के साथ रह रही थी। वह अपनी विकलांग बहन की देखभाल करती थी और अपनी मां के साथ दुकान के संचालन में भी सहयोग करती थी। मां की मृत्यु के बाद जब उसने लाइसेंस के लिए आवेदन किया तो उसका आवेदन केवल इस आधार पर अस्वीकार कर दिया गया कि वह विवाहित है। मामले की सुनवाई के दौरान यह महत्वपूर्ण प्रश्न उठा कि जब विवाहित पुत्रों पर ऐसी कोई रोक नहीं है तो फिर विवाहित पुत्रियों को परिवार का सदस्य मानने से क्यों इंकार किया जाता है। यह प्रश्न केवल एक व्यक्ति के अधिकार का नहीं था बल्कि देश की लाखों महिलाओं से जुड़ा हुआ था जो विवाह के बाद भी अपने माता पिता और परिवार की जिम्मेदारियों का निर्वहन करती हैं। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वैवाहिक स्थिति किसी व्यक्ति के अधिकारों को निर्धारित करने का आधार नहीं हो सकती। यदि कोई महिला अपने परिवार के साथ जुड़ी हुई है और उनकी जिम्मेदारियां निभा रही है तो उसे केवल इसलिए योजनाओं से बाहर नहीं किया जा सकता क्योंकि उसका विवाह हो चुका है। न्यायालय ने यह भी कहा कि ऐसी सोच संविधान के समानता के सिद्धांत के विपरीत है। इस निर्णय का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि भारतीय समाज में लंबे समय तक यह धारणा रही है कि विवाह के बाद बेटी अपने मायके के परिवार का हिस्सा नहीं रहती। जबकि वास्तविकता यह है कि आज बड़ी संख्या में बेटियां अपने माता पिता की देखभाल करती हैं और आर्थिक तथा सामाजिक जिम्मेदारियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अनेक परिवारों में बेटियां ही माता पिता का सहारा होती हैं। ऐसे में उन्हें अधिकारों और योजनाओं से वंचित करना न्यायसंगत नहीं माना जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में बॉम्बे हाईकोर्ट और कर्नाटक हाईकोर्ट के उन निर्णयों का भी समर्थन किया जिनमें यह माना गया था कि किसी महिला को केवल उसकी वैवाहिक स्थिति के कारण कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं किया जा सकता। यह दृष्टिकोण आधुनिक भारत की सामाजिक वास्तविकताओं के अधिक अनुरूप है। अनुकंपा नियुक्ति का मूल उद्देश्य किसी कर्मचारी की मृत्यु के बाद उसके परिवार को आर्थिक संकट से उबारना होता है। यदि परिवार का कोई सदस्य वास्तव में आश्रित है और परिवार की जिम्मेदारियां संभाल रहा है तो उसके अधिकार का मूल्यांकन उसकी वैवाहिक स्थिति के आधार पर नहीं बल्कि उसकी वास्तविक परिस्थितियों के आधार पर होना चाहिए।

दवाओं पर महंगाई की मार बढ़ती कीमतों से मरीजों का बढ़ा आर्थिक बोझ

बाजार में पहुंच रहे नए स्टॉक की दवाएं 8 से 17 प्रतिशत तक महंगी हो चुकी हैं। इसका सीधा असर उन लाखों मरीजों पर पड़ रहा है जो नियमित रूप से दवाओं पर निर्भर हैं। भारत विश्व के प्रमुख दवा उत्पादक देशों में शामिल है, लेकिन दवा निर्माण में उपयोग होने वाले कई महत्वपूर्ण कच्चे पदार्थों और एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रेडिएंट्स की आपूर्ति अब भी बड़े पैमाने पर विदेशों से होती है। हाल के महीनों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़े तनाव और आपूर्ति श्रृंखला में आई बाधाओं के कारण इन कच्चे पदार्थों की उपलब्धता प्रभावित हुई है। पेट्रोकेमिकल आधारित कई आवश्यक रसायनों की कीमतों में तेज वृद्धि दर्ज की गई है। बेंजीन, टोल्यून और एथिलीन जैसे रसायन दवा उद्योग के लिए बेहद महत्वपूर्ण माने जाते हैं। इनका उपयोग पैरासिटामोल, पेनिसिलिन, एंटीबायोटिक्स और अन्य कई जीवनरक्षक दवाओं के निर्माण में किया जाता है। जब इनकी कीमत बढ़ती है तो उसका प्रभाव सीधे दवा उत्पादन लागत पर पड़ता है। दवा उद्योग केवल कच्चे रसायनों पर ही निर्भर नहीं होता बल्कि उसकी पैकेजिंग भी बड़ी चुनौती बनकर सामने आई है।

कांतिलाल मांडोत

लेखक

वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों और अंतरराष्ट्रीय तनाव का असर अब आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। विशेष रूप से स्वास्थ्य क्षेत्र में इसका प्रभाव चिंताजनक रूप में सामने आया है। दवाओं के निर्माण में उपयोग होने वाले कच्चे माल की कीमतों में तेजी से वृद्धि, समुद्री भाड़े में बढ़ोतरी, पैकेजिंग सामग्री के महंगे होने और परिवहन लागत बढ़ने के कारण दवा कंपनियों ने कई आवश्यक दवाओं के दाम बढ़ा दिए हैं। बाजार में पहुंच रहे नए स्टॉक की दवाएं 8 से 17 प्रतिशत तक महंगी हो चुकी हैं। इसका सीधा असर उन लाखों मरीजों पर पड़ रहा है जो नियमित रूप से दवाओं पर निर्भर हैं। भारत विश्व के प्रमुख दवा उत्पादक देशों में शामिल है, लेकिन दवा निर्माण में उपयोग होने वाले कई महत्वपूर्ण कच्चे पदार्थों और एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रेडिएंट्स की आपूर्ति अब भी बड़े पैमाने पर विदेशों से होती है। हाल के महीनों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़े तनाव और आपूर्ति श्रृंखला में आई बाधाओं के कारण इन कच्चे पदार्थों की उपलब्धता प्रभावित हुई है। पेट्रोकेमिकल आधारित कई आवश्यक रसायनों की कीमतों में तेज वृद्धि दर्ज की गई है। बेंजीन, टोल्यून और एथिलीन जैसे रसायन दवा उद्योग के लिए बेहद महत्वपूर्ण माने जाते हैं। इनका उपयोग पैरासिटामोल, पेनिसिलिन, एंटीबायोटिक्स और अन्य कई जीवनरक्षक दवाओं के निर्माण में किया जाता है। जब इनकी कीमत बढ़ती है तो उसका प्रभाव सीधे दवा उत्पादन लागत पर पड़ता है। दवा उद्योग केवल कच्चे रसायनों पर ही निर्भर नहीं होता बल्कि उसकी पैकेजिंग भी बड़ी चुनौती बनकर सामने आई है। टैबलेट की स्ट्रिप, सिरप की बोतल, इंजेक्शन की शीशियां, सिरिंज और मेडिकल उपकरणों में प्लास्टिक तथा एल्युमीनियम का व्यापक उपयोग किया जाता है। इन दोनों सामग्रियों की कीमतों में हाल के समय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके कारण उत्पादन लागत बढ़ी है और कंपनियों को अपने उत्पादों के दाम बढ़ाने पड़े हैं। पैकेजिंग लागत में बढ़ोतरी का असर विशेष रूप से उन दवाओं पर अधिक दिखाई दे रहा है जिनका उपयोग बड़े पैमाने पर होता है। समुद्री परिवहन की लागत में वृद्धि भी दवा उद्योग के लिए बड़ी समस्या बन गई है। अधिकांश कच्चा माल विदेशों से समुद्री मार्ग के जरिए भारत पहुंचता है। अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण जहाजरानी कंपनियों ने भाड़ा बढ़ा दिया है। साथ ही बीमा और लॉजिस्टिक्स लागत में भी वृद्धि हुई है। इसका असर आयातित कच्चे माल की कीमतों पर पड़ा है। जब उत्पादन की लागत बढ़ती है तो अंततः उसका बोझ उपभोक्ताओं पर ही पड़ता है। यही कारण है कि दवाओं की नई खेप पहले की तुलना में अधिक कीमत पर बाजार में पहुंच रही है। विशेषज्ञों के अनुसार सबसे अधिक असर उन दवाओं पर दिखाई दे रहा है जिनका उपयोग रोजमर्रा के उपचार में किया जाता है। बुखार, दर्द, संक्रमण, एलर्जी और पेट संबंधी बीमारियों की दवाएं पहले की तुलना में महंगी हो गई हैं। पैरासिटामोल जैसे सामान्य उपयोग के साल्ट के कच्चे माल की कीमत में एक महीने के भीतर लगभग 47 प्रतिशत तक वृद्धि दर्ज की गई है। दर्द निवारक दवाओं में उपयोग होने वाले डाइक्लोफेनाक और डाइक्लोफेनाक पोटेशियम की कीमतों में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। एंटीबायोटिक्स के क्षेत्र में अमॉक्सिसिलिन ट्राइहाइड्रेट और सिप्रोफ्लोक्सासिन जैसे प्रमुख साल्ट भी महंगे हो गए हैं। इससे संक्रमण संबंधी उपचार की लागत बढ़ने की आशंका है। दवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी का सबसे अधिक प्रभाव मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग के परिवारों पर पड़ रहा है। ऐसे परिवार जिनमें बुजुर्ग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग या अन्य दीर्घकालिक बीमारियों से पीड़ित सदस्य हैं, उन्हें हर महीने दवाओं पर निश्चित राशि खर्च करनी पड़ती है। जब दवाओं की कीमतों में लगातार वृद्धि होती है तो घरेलू बजट पर अतिरिक्त दबाव बनता है। कई बार मरीज आर्थिक कारणों से दवाओं की मात्रा कम कर देते हैं या उपचार बीच में ही छोड़ देते हैं, जिससे उनकी स्वास्थ्य स्थिति और गंभीर हो सकती है। चिंता की बात यह भी है कि बड़ी दवा कंपनियां आमतौर पर तीन से छह महीने तक का कच्चा माल अपने पास संग्रहित रखती हैं, इसलिए उन पर तत्काल असर अपेक्षाकृत कम पड़ता है। लेकिन छोटी और मध्यम स्तर की दवा कंपनियां सीमित मात्रा में ही कच्चा माल खरीद पाती हैं। जब सप्लाई चेन प्रभावित होती है तो इन कंपनियों के उत्पादन पर सीधा असर पड़ता है। कई कंपनियां नए ऑर्डर लेने में भी हिचकिचा रही हैं। इससे बाजार में दवाओं की उपलब्धता और कीमत दोनों प्रभावित हो सकती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि यदि कच्चे माल की कीमतों और परिवहन लागत में इसी तरह बढ़ोतरी जारी रही तो आने वाले महीनों में दवाओं के थोक और खुदरा दामों में और वृद्धि देखने को मिल सकती है। इसका असर केवल सामान्य दवाओं तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि सर्जिकल सामग्री, मेडिकल उपकरण और अस्पतालों में उपयोग होने वाली अन्य आवश्यक वस्तुएं भी महंगी हो सकती हैं। इससे स्वास्थ्य सेवाओं की कुल लागत बढ़ेगी और आम नागरिकों को अधिक आर्थिक बोझ उठाना पड़ेगा। वर्तमान परिस्थितियां यह संकेत देती हैं कि दवा उद्योग को कच्चे माल के लिए आयात पर निर्भरता कम करने की दिशा में तेजी से काम करना होगा। देश में ही आवश्यक रसायनों और एपीआई के उत्पादन को बढ़ावा देकर भविष्य में ऐसी परिस्थितियों के प्रभाव को कम किया जा सकता है। साथ ही सरकार और उद्योग जगत को मिलकर ऐसी रणनीति तैयार करनी होगी जिससे आवश्यक दवाओं की कीमतें नियंत्रण में रहें और मरीजों को राहत मिल सके। स्वास्थ्य किसी भी समाज की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है। ऐसे में दवाओं की बढ़ती कीमतें केवल आर्थिक मुद्दा नहीं बल्कि सामाजिक चिंता का विषय भी हैं। यदि समय रहते इस दिशा में प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले समय में लाखों मरीजों के लिए इलाज कराना और अधिक महंगा हो सकता है। इसलिए आवश्यक है कि दवा आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाया जाए, घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहन दिया जाए और मरीजों को सस्ती व सुलभ दवाएं उपलब्ध कराने के लिए ठोस प्रयास किए जाएं। तभी स्वास्थ्य सेवाओं पर बढ़ते आर्थिक दबाव को कम किया जा सकेगा।

कुर्सी की अस्थायी चमक और जीवन का शाश्वत सत्य - सत्ता, अहंकार और समय का न्याय

कि जो व्यक्ति कभी सत्ता के शिखर पर था, समय ने उसे उसी ऊंचाई से उतारकर सामान्य जन की भीड़ में खड़ा कर दिया। यही कारण है कि भारतीय दर्शन बार-बार यह चेतावनी देता है कि पद का नहीं, बल्कि व्यक्तित्व का सम्मान अर्जित करो, क्योंकि पद तो समय के साथ बदल जाता है, लेकिन व्यक्तित्व की छाप पीढ़ियों तक बनी रहती है। आज बिहार की राजनीतिक और प्रशासनिक परिस्थितियों को देखकर यह सत्य फिर से प्रासंगिक हो उठा है। सत्ता के गलियारों में चल रहे घटनाक्रम केवल राजनीतिक समीकरणों का विषय नहीं हैं, बल्कि वे इस बात का भी संकेत हैं कि समय किस प्रकार व्यक्ति के अहंकार को चुनौती देता है और उसे वास्तविकता से परिचित कराता है। कुर्सी स्वयं में कोई शक्ति नहीं होती है। शक्ति उस विश्वास से पैदा होती है जो समाज, व्यवस्था और संविधान उस पद को प्रदान करते हैं। लेकिन अक्सर पद पर बैठा व्यक्ति यह भूल जाता है कि लोग उसका सम्मान उसके व्यक्तित्व के कारण नहीं, बल्कि उस पद की गरिमा के कारण कर रहे हैं। जब कोई अधिकारी, नेता या प्रभावशाली व्यक्ति लंबे समय तक अधिकार के केंद्र में रहता है, तब उसके भीतर यह भ्रम पैदा हो जाता है कि व्यवस्था उसी के इर्द-गिर्द घूम रही है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

लेखक

मनुष्य का स्वभाव बड़ा विचित्र है। जब तक उसके पास पद, प्रतिष्ठा, अधिकार और शक्ति होती है, तब तक उसे लगता है कि यह सब स्थायी है। वह भूल जाता है कि संसार का सबसे बड़ा नियम परिवर्तन है। इतिहास इस बात का साक्षी है कि जो व्यक्ति कभी सत्ता के शिखर पर था, समय ने उसे उसी ऊंचाई से उतारकर सामान्य जन की भीड़ में खड़ा कर दिया। यही कारण है कि भारतीय दर्शन बार-बार यह चेतावनी देता है कि पद का नहीं, बल्कि व्यक्तित्व का सम्मान अर्जित करो, क्योंकि पद तो समय के साथ बदल जाता है, लेकिन व्यक्तित्व की छाप पीढ़ियों तक बनी रहती है। आज बिहार की राजनीतिक और प्रशासनिक परिस्थितियों को देखकर यह सत्य फिर से प्रासंगिक हो उठा है। सत्ता के गलियारों में चल रहे घटनाक्रम केवल राजनीतिक समीकरणों का विषय नहीं हैं, बल्कि वे इस बात का भी संकेत हैं कि समय किस प्रकार व्यक्ति के अहंकार को चुनौती देता है और उसे वास्तविकता से परिचित कराता है। कुर्सी स्वयं में कोई शक्ति नहीं होती है। शक्ति उस विश्वास से पैदा होती है जो समाज, व्यवस्था और संविधान उस पद को प्रदान करते हैं। लेकिन अक्सर पद पर बैठा व्यक्ति यह भूल जाता है कि लोग उसका सम्मान उसके व्यक्तित्व के कारण नहीं, बल्कि उस पद की गरिमा के कारण कर रहे हैं। जब कोई अधिकारी, नेता या प्रभावशाली व्यक्ति लंबे समय तक अधिकार के केंद्र में रहता है, तब उसके भीतर यह भ्रम पैदा हो जाता है कि व्यवस्था उसी के इर्द-गिर्द घूम रही है। उसके सामने झुकने वाले लोग, उसके आदेशों का पालन करने वाले अधीनस्थ और उसके आसपास घूमने वाले हितैषी उसे यह विश्वास दिला देते हैं कि उसकी स्थिति अटूट है। लेकिन जैसे ही वह पद समाप्त होता है, सच्चाई सामने आने लगती है। जिन लोगों की भीड़ कभी उसके आसपास दिखाई देती थी, वे धीरे-धीरे दूर होने लगते हैं। जिन दरवाजों पर उसकी गाड़ी के पहुंचते ही गतिविधि बढ़ जाती थी, वहां उसका आना-जाना सामान्य घटना बन जाता है। यही वह क्षण होता है जब व्यक्ति को समझ में आता है कि सम्मान और भय में कितना अंतर होता है। बिहार की राजनीति हमेशा से सत्ता और सामाजिक समीकरणों का रोचक संगम रही है। यहां राजनीतिक परिवर्तन केवल सरकार बदलने तक सीमित नहीं रहते हैं, बल्कि प्रशासनिक संरचना और नौकरशाही के व्यवहार पर भी उनका गहरा प्रभाव पड़ता है। 2025 के चुनावों के बाद गृह विभाग का भाजपा के पास जाना और उसके बाद सत्ता संरचना में आए बदलावों को कई लोगों ने सामान्य राजनीतिक प्रक्रिया माना। लेकिन पिछले कुछ समय की घटनाओं ने यह संकेत दिया है कि सत्ता के भीतर चल रहे समीकरण कहीं अधिक गहरे हैं। राजनीति में अक्सर कुछ व्यक्तित्व केवल व्यक्ति नहीं रहते हैं, बल्कि रणनीतिक प्रतीक बन जाते हैं। वे ऐसे मोहरे बनते हैं जिनके माध्यम से भविष्य की दिशा तय होती है। वर्तमान परिस्थितियों में भी ऐसा प्रतीत होता है कि कुछ चेहरे केवल तत्कालीन भूमिका नहीं निभा रहे हैं, बल्कि आने वाले वर्षों की राजनीतिक संरचना को आकार देने की क्षमता रखते हैं। यही कारण है कि राजनीतिक विश्लेषक वर्तमान घटनाओं को केवल प्रशासनिक निर्णयों के रूप में नहीं, बल्कि दीर्घकालिक रणनीति के संकेतों के रूप में देख रहे हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में नौकरशाही की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। प्रशासनिक अधिकारी सरकारों के बदलने के बावजूद व्यवस्था को निरंतरता प्रदान करते हैं। लेकिन जब नौकरशाही स्वयं को जनप्रतिनिधियों से ऊपर समझने लगती है, तब समस्या उत्पन्न होती है। भारतीय लोकतंत्र का मूल सिद्धांत यह है कि अंतिम उत्तरदायित्व जनता के प्रति निर्वाचित नेतृत्व का होता है। अधिकारी व्यवस्था के महत्वपूर्ण अंग हैं, लेकिन वे व्यवस्था के स्वामी नहीं हैं। कई बार लंबे समय तक प्रभावशाली पदों पर रहने वाले अधिकारियों के भीतर एक प्रकार का अभिजात्य भाव विकसित हो जाता है। उन्हें लगता है कि नीति निर्माण से लेकर क्रियान्वयन तक सब कुछ उन्हीं के हाथ में है। यह सोच धीरे-धीरे अहंकार का रूप ले लेती है। लेकिन समय का चक्र यहां भी वैसा ही काम करता है जैसा राजनीति में करता है। सेवा निवृत्ति के बाद वही अधिकारी अचानक स्वयं को उस दुनिया से बाहर पाते हैं जिसे वे कभी अपनी उपलब्धियों का केंद्र मानते थे। तब उन्हें समझ में आता है कि वास्तविक शक्ति पद में थी, व्यक्ति में नहीं। सेवानिवृत्ति केवल नौकरी का अंत नहीं होती है, बल्कि वह व्यक्ति के आत्मबोध की परीक्षा भी होती है। जो अधिकारी अपने कार्यकाल में विनम्र रहे, लोगों से जुड़े रहे और मानवीय संबंधों को महत्व देते रहे, उनके लिए सेवानिवृत्ति सम्मानजनक होती है। लोग उन्हें पद के कारण नहीं, बल्कि उनके व्यवहार के कारण याद रखते हैं। लेकिन जिनका पूरा व्यक्तित्व केवल अधिकार प्रदर्शन पर आधारित रहा, उनके लिए यह समय अक्सर कठिन साबित होता है। उन्हें लगता है कि दुनिया बदल गई है, जबकि वास्तविकता यह होती है कि दुनिया पहले जैसी ही है; केवल पद चला गया है। आज समाज में ऐसे अनेक उदाहरण देखने को मिलते हैं जहां कभी प्रभावशाली रहे लोग अपने पुराने परिचितों से संपर्क बनाए रखने के लिए प्रयासरत दिखाई देते हैं।

मालवीय नगर अग्निकांड : मुआवजे से नहीं जवाबदेही और सुधार से बचेगी ज़िंदगी

डॉ. सत्यवान सौरभ

दिल्ली के मालवीय नगर स्थित एक होटल में 3 जून 2026 को लगी भीषण आग ने पूरे देश को झकझोर दिया। इस दर्दनाक हादसे में इक्कीस लोगों की मौत और अनेक लोगों के घायल होने की खबर ने न केवल राजधानी बल्कि पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। आग की लपटों से बचने के लिए लोगों को ऊँची इमारत से कूदते हुए देखा गया। सोशल मीडिया और समाचार माध्यमों में प्रसारित हुए दृश्य किसी भी संवेदनशील व्यक्ति के लिए अत्यंत पीड़ादायक थे। यह केवल एक दुर्घटना नहीं थी; यह उस व्यवस्था की विफलता का भयावह प्रमाण थी जो नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई है। हर बड़ी दुर्घटना के बाद कुछ दिन तक शोक, संवेदना, जांच और मुआवजे की घोषणाएं होती हैं। फिर धीरे-धीरे मामला सार्वजनिक स्मृति से ओझल हो जाता है। लेकिन मालवीय नगर की यह त्रासदी केवल शोक व्यक्त करके भुला देने योग्य घटना नहीं है। यह उन गहरे संरचनात्मक दोषों की ओर संकेत करती है जो भारत के महानगरों में तेजी से बढ़ते शहरीकरण के साथ और अधिक खतरनाक रूप धारण कर चुके हैं। यह हादसा हमें मजबूर करता है कि हम पूछें-क्या हमारी इमारतें वास्तव में सुरक्षित हैं? क्या अग्नि सुरक्षा नियम केवल कागजों तक सीमित हैं? और क्या प्रशासन की भूमिका केवल दुर्घटना के बाद राहत बांटने तक सीमित रह गई है? किसी भी बहुमंजिला इमारत में आग लगने की स्थिति में सबसे महत्वपूर्ण तत्व होता है-सुरक्षित निकास, अग्निशमन उपकरण और समय पर बचाव। यदि किसी भवन में मौजूद लोगों को अपनी जान बचाने के लिए खिड़कियों और बालकनियों से छलांग लगानी पड़े, तो इसका अर्थ है कि सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह विफल हो चुकी थी। आग केवल भवन को नहीं जलाती, वह सुरक्षा संबंधी दावों और प्रशासनिक तैयारियों की वास्तविकता भी उजागर कर देती है। मालवीय नगर की घटना में यही हुआ। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, होटल में कई विदेशी नागरिक भी ठहरे हुए थे। यह तथ्य इस त्रासदी को और गंभीर बना देता है। भारत की राजधानी दुनिया भर के पर्यटकों, व्यापारियों और निवेशकों का स्वागत करती है। ऐसे में यदि राजधानी में ही सुरक्षा मानकों की स्थिति इतनी कमजोर हो कि विदेशी नागरिक भी असुरक्षित महसूस करें, तो यह केवल स्थानीय प्रशासन की विफलता नहीं बल्कि देश की अंतरराष्ट्रीय छवि पर भी प्रश्नचिह्न है। आधुनिक महानगर की पहचान केवल ऊँची इमारतों और चमकदार होटलों से नहीं होती, बल्कि वहाँ उपलब्ध सुरक्षा और आपदा प्रबंधन प्रणाली से होती है। इस घटना के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शोक व्यक्त किया तथा मृतकों और घायलों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की। ऐसी संवेदनाएं आवश्यक हैं और संकट की घड़ी में पीड़ित परिवारों को सहायता मिलनी भी चाहिए। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि मुआवजा किसी खोए हुए जीवन को वापस नहीं ला सकता। आर्थिक सहायता दुख की तीव्रता को कम नहीं कर सकती। किसी परिवार का सदस्य, किसी बच्चे का पिता, किसी माता-पिता की संतान या किसी व्यक्ति का जीवनसाथी एक रकम से प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता। इसलिए वास्तविक प्रश्न मुआवजे का नहीं, बल्कि रोकथाम का है। दिल्ली पुलिस द्वारा होटल मालिक के विरुद्ध गैर-इरादतन हत्या से संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज किया जाना यह संकेत देता है कि जांच एजेंसियां इस घटना को केवल दुर्घटना नहीं मान रही हैं। यदि सुरक्षा नियमों की अनदेखी हुई, अग्निशमन मानकों का पालन नहीं किया गया या भवन निर्माण में नियमों का उल्लंघन हुआ, तो यह केवल प्रशासनिक त्रुटि नहीं बल्कि आपराधिक लापरवाही है। ऐसे मामलों में जिम्मेदारी तय करना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि जवाबदेही के अभाव में नियम केवल औपचारिकता बनकर रह जाते हैं। लेकिन दोष केवल भवन मालिक का नहीं हो सकता। हमें यह भी देखना होगा कि निरीक्षण करने वाले अधिकारी कहाँ थे? क्या अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र समय-समय पर नवीनीकृत किए गए थे? क्या किसी निरीक्षण में कमियां सामने आई थीं? यदि आई थीं तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई? यदि नहीं आई थीं तो क्या निरीक्षण सही तरीके से हुए थे? इन प्रश्नों के उत्तर केवल इस मामले के लिए नहीं, बल्कि पूरे शहरी प्रशासन की कार्यप्रणाली को समझने के लिए आवश्यक हैं। भारत के अधिकांश महानगर आज अव्यवस्थित शहरीकरण की समस्या से जूझ रहे हैं। संकरी गलियां, अवैध निर्माण, क्षमता से अधिक भीड़, पार्किंग की अव्यवस्था और सुरक्षा मानकों की अनदेखी लगभग हर शहर में सामान्य दृश्य बन चुके हैं।

जनता दरबार में उमड़ी फरियादियों की भीड़, डीएम ने 90 मामलों पर त्वरित कार्रवाई के दिए निर्देश

- भूमि विवाद, अतिक्रमण और रास्ते की समस्याओं पर जिलाधिकारी गंभीर, संबंधित अधिकारियों को तत्काल समाधान का आदेश

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। सबका सम्मान, जीवन आसान के संकल्प के साथ आयोजित जनता के दरबार में जिलाधिकारीह्व कार्यक्रम के तहत आज जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने आमलोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा उनके त्वरित समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। यह कार्यक्रम प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार को आयोजित किया जा रहा है, जिसमें आम नागरिक सीधे जिलाधिकारी के समक्ष अपनी समस्याएं रख रहे हैं। आज आयोजित जनता दरबार में कुल 90 लोगों ने अपनी समस्याओं एवं शिकायतों को जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया। जिलाधिकारी ने सभी मामलों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को शीघ्र एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जनता दरबार में अधिकांश शिकायतें राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग से संबंधित थीं। गरखा प्रखंड के एक आवेदक ने शिकायत की कि सरकारी मापी एवं सीमांकन के बावजूद स्थानीय दबंग द्वारा उनकी जमीन पर अतिक्रमण का प्रयास किया जा रहा है। इस पर जिलाधिकारी ने भूमि सुधार उपसमाहर्त्ता सदर को बीएलडीआर एक्ट के तहत सुनवाई कर आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया। गरखा के श्रीपाल बसंत पंचायत के एक आवेदक ने बिना सहमति उनकी निजी जमीन पर पीसीसी सड़क निर्माण किए जाने की शिकायत की। जिलाधिकारी ने प्रखंड विकास पदाधिकारी, गरखा को जांच कर नियमानुसार कार्रवाई का आदेश दिया। सदर छपरा प्रखंड के छपरा हवाई अड्डा एवं रेलवे लाइन के बीच रह रहे एक व्यक्ति ने वैकल्पिक रास्ता उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। जिलाधिकारी ने भूमि सुधार उपसमाहर्त्ता सदर को स्थल जांच कर प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। मकेर प्रखंड के एक आवेदक ने शिकायत की कि गैरमजरूआ जमीन पर स्थित आम रास्ते पर अतिक्रमण कर सड़क के पक्कीकरण कार्य में बाधा उत्पन्न की जा रही है। इस पर जिलाधिकारी ने अंचलाधिकारी मकेर को मापी के अनुरूप अतिक्रमण हटाने एवं आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। अन्य प्राप्त आवेदनों के संबंध में भी जिलाधिकारी द्वारा संबंधित अधिकारियों को त्वरित निष्पादन एवं समस्या समाधान हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का समयबद्ध समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

लोक शिकायत मामलों के त्वरित निवारण पर जिलाधिकारी सख्त, 16 मामलों की सुनवाई कर दिए आवश्यक निर्देश

छपरा। जिलाधिकारी, वैभव श्रीवास्तव द्वारा आज कार्यालय कक्ष में बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम, 2015 के अंतर्गत द्वितीय अपील से संबंधित मामलों की सुनवाई की गई। सुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निवारण को लेकर संबंधित लोक प्राधिकारों को आवश्यक निर्देश दिए गए। जिला पदाधिकारी द्वारा आज कुल 16 लोक शिकायत मामलों की सुनवाई की गई, जिनमें 07 मामलों में अंतिम रूप से आदेश पारित किया गया। वहीं शेष 09 मामलों में पूर्ण प्रतिवेदन उपलब्ध कराने हेतु संबंधित लोक प्राधिकारों को अगली निर्धारित तिथि पर उपस्थित होने का निर्देश दिया गया। सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने कहा कि आमजन की शिकायतों का समयबद्ध एवं प्रभावी समाधान प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शिकायतों के निष्पादन में संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित की जाए, ताकि आम नागरिकों को त्वरित न्याय मिल सके। जिलाधिकारी ने कहा कि बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम, 2015 का सफल क्रियान्वयन प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी पदाधिकारी इस व्यवस्था के प्रति सजग, संवेदनशील एवं सक्रिय रहें तथा शिकायतों के निष्पादन में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान सरल, पारदर्शी एवं प्रभावी तरीके से हो, जिससे प्रशासन के प्रति जनता का विश्वास और मजबूत हो।

43वीं सारण जिला एथलेटिक्स प्रतियोगिता आज से, परसा हाई स्कूल स्टेडियम में जुटेंगे जिलेभर के खिलाड़ी

- राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए प्रतिभाओं का होगा चयन, आयोजन की सभी तैयारियां पूरी

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। 43वीं सारण जिला एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन शनिवार एवं रविवार को परसा हाई स्कूल स्टेडियम में किया जाएगा। प्रतियोगिता को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। आयोजन समिति एवं जिला एथलेटिक्स संघ के पदाधिकारियों ने शुक्रवार को स्थल निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा आयोजन को सफल बनाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला एथलेटिक्स संघ के कार्यकारी अध्यक्ष अजय सिंह ने बताया कि आयोजन सचिव सह त्रिशूल स्पोर्ट्स डिफेंस एकेडमी के निदेशक रोहित यादव के नेतृत्व में प्रतियोगिता की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता के सफल संचालन के लिए विभिन्न समितियों का गठन कर जिम्मेदारियां निर्धारित की गई हैं। संघ के सचिव गजेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि स्थानीय युवाओं में खेल भावना विकसित करने, खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने तथा खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन प्रत्येक वर्ष अलग-अलग स्थानों पर करने की परंपरा रही है।

सचिव नीलाभ गुंजन राका ने बताया कि प्रतियोगिता में जिलेभर के सब जूनियर, जूनियर एवं पुरुष-महिला वर्ग के लगभग 300 एथलीट भाग लेंगे। प्रतिभागी अपने-अपने यूनिट के माध्यम से अथवा स्वतंत्र रूप से भी प्रतियोगिता में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों का पंजीयन शनिवार सुबह तक जारी रहेगा। प्रतियोगिता का संचालन जिला एवं राज्य स्तरीय तकनीकी अधिकारियों की देखरेख में किया जाएगा। आयोजन सचिव रोहित यादव ने बताया कि ब्रजेश सर के संयोजकत्व में विभिन्न उप समितियों का गठन किया गया है। चंदन यादव, शैलेन्द्र राय, अमित शाह, प्रतीक सिंह, राहुल सिंह, नीरज यादव, अवधेश राय एवं कन्हैया शर्मा के नेतृत्व में भोजन, आवासन, पंजीयन, ट्रैक, फिल्ड, मंच एवं विक्ट्री स्टैंड निर्माण सहित अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। शुक्रवार को कार्यकारी अध्यक्ष अजय सिंह, सचिव गजेंद्र कुमार सिंह, वरीय ऑफिशियल निर्मल ठाकुर एवं संजय कुमार सिंह सहित अन्य पदाधिकारियों ने प्रतियोगिता स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों की समीक्षा की। उल्लेखनीय है कि प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के तत्वावधान में बिहार राज्य एथलेटिक्स संघ द्वारा 10 से 13 जून तक पाटलिपुत्र खेल परिसर में आयोजित राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता के लिए किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

विश्व पर्यावरण दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

इसुआपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को प्रखंड के चकहन पंचायत सरकार भवन परिसर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस मौके पर बीडीओ इंजीनियर सत्यम सिंह, सीओ सतीश कुमार सिंह ,बीएओ अनीश कुमार पांडेय पंचायत सचिव वीर बहादुर राम, स्वच्छताग्रही एवं अन्य कर्मी मौजूद थे। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं हरियाली बढ़ाने के महत्व पर विस्तार से चर्चा करते हुए बीडीओ इं. सत्यम सिंह ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण तथा प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण आवश्यक है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने और अधिकाधिक पेड़ लगाने का आह्वान किया। इस अवसर पर पौधरोपण भी किया गया तथा लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। वहीं सीओ सतीश कुमार सिंह ने कहा कि स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य के लिए पर्यावरण संरक्षण जन-जन की जिम्मेवारी है। मौके परिसर मुकेश कुमार, आलोक कुमार, रानी कुमारी, सुनील राय तथा अन्य लोगों के द्वारा भी पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

परसा में शिक्षक के घर पर हुई गोलीबारी

परसा।थाना क्षेत्र के चकसहबाज गांव में गुरुवार रात करीब 2 बजे एक शिक्षा सेवा कर्मी के घर पर अज्ञात लोगों ने फायरिंग कर दी। घटना से पूरा परिवार दहशत में है। पीड़ित ने परसा थाना में आवेदन देकर तीन लोगों पर घटना को अंजाम देने का शक जताया है।प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय चकसहबाज बालक में कार्यरत शिक्षा सेवा कर्मी मो. कौशर अली ने बताया कि 5 जून की रात वे अपने घर की छत पर सोए हुए थे। रात करीब 2 बजे दो लोगों के चिल्लाने की आवाज सुनकर उनकी नींद खुली। उन्होंने देखा कि एक मोटरसाइकिल पर सवार दो अज्ञात लोग जाती सूचक शब्दों के साथ गाली-गलौज कर रहे थे।आवेदन के अनुसार, गाली-गलौज करते-करते आरोपियों ने बंदूक से फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुई फायरिंग से कौशर अली और उनका पूरा परिवार बुरी तरह डर गया। घटना के तुरंत बाद पीड़ित ने डायल 112 पर सूचना दी। सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और जांच के बाद थानाध्यक्ष को सूचना दी।जानकारी मिलने पर थानाध्यक्ष ओम प्रकाश भी घटनास्थल पर पहुंचे और कार्रवाई शुरू की।मो. कौशर अली ने अपने आवेदन में लालबहादुर कुमार पिता शिवकुमार राय,इशरत अली पिता कयामुद्दीन मियां उर्फ दशाई मियां और पिंटू अली पिता मोहम्मद मोसाहेब,सभी चकसहबाज के निवासी है।

गोवंश संरक्षण और डिजिटल पहचान प्रणाली की मांग पर सरकार ने लिया संज्ञान

- मो. सुल्तान हुसैन इदरीसी ने गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की उठाई मांग

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। सामाजिक कार्यकर्ता, आरटीआई एक्टिविस्ट एवं ह्लन्याय फाइटिंग फॉर द पीपुलह्व के संस्थापक महासचिव मो. सुल्तान हुसैन इदरीसी द्वारा गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने, गोवंश संरक्षण हेतु राष्ट्रीय नीति लागू करने तथा गोवंश के लिए यूनिक डिजिटल आईडी प्रणाली लागू करने की मांग पर सरकार ने संज्ञान लिया है। मो. इदरीसी ने भारत सरकार के सहयोग पोर्टल के माध्यम से भेजे गए मांग पत्र में कहा था कि गाय भारतीय कृषि, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, दुग्ध उत्पादन, जैविक खेती एवं पर्यावरण संरक्षण का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में गोवंश के बेसहारा छोड़े जाने, अवैध तस्करी तथा संदेह के आधार पर होने वाली हिंसक घटनाओं को रोकने के लिए पारदर्शी व्यवस्था आवश्यक है। उन्होंने मांग की कि देशभर में गोवंश संरक्षण के लिए समान एवं प्रभावी कानून लागू किया जाए तथा प्रत्येक गोवंश के लिए डिजिटल पहचान एवं रजिस्ट्रेशन प्रणाली शुरू की जाए, जिससे पशुओं के स्वामित्व की स्पष्ट जानकारी उपलब्ध हो सके। साथ ही गो तस्करी एवं अवैध वध पर नियंत्रण हेतु राष्ट्रीय स्तर की निगरानी व्यवस्था विकसित करने की भी मांग की गई।

सरकारी जवाब के अनुसार, मामले को आवश्यक कार्रवाई हेतु संबंधित शाखा को अग्रसारित किया गया है तथा अंतिम निर्णय प्रचलित नियमों एवं व्यापक जनहित को ध्यान में रखते हुए लिया जाएगा। मो. सुल्तान हुसैन इदरीसी ने कहा कि उन्होंने यह मांग पशु संरक्षण, सामाजिक सौहार्द, कानून व्यवस्था एवं राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखते हुए उठाई है। उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकारों से इस विषय पर गंभीरतापूर्वक विचार कर ठोस निर्णय लेने की अपील की है।

विश्व साइकिल दिवस पर सारण में निकलेगी फिटनेस और पर्यावरण जागरूकता की साइकिल रैली

- संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम में युवाओं, विद्यार्थियों और आमजन से बढ़-चढ़कर भागीदारी की अपील

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर आगामी 07 जून 2026 को सारण जिले में 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य आमजन, विशेषकर युवाओं एवं विद्यार्थियों के बीच साइकिल चलाने की संस्कृति को प्रोत्साहित करना, स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता फैलाना तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को प्रेरित करना है। जिला प्रशासन एवं जिला खेल कार्यालय द्वारा जिले के नागरिकों, विद्यार्थियों, खिलाड़ियों, खेल प्रेमियों, सरकारी कर्मियों तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों से इस अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लेने की अपील की गई है।

कार्यक्रम के माध्यम से फिटनेस, स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

जिला खेल पदाधिकारी ने कहा कि साइकिल न केवल स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है, बल्कि यह प्रदूषण नियंत्रण एवं सतत परिवहन को बढ़ावा देने का प्रभावी माध्यम भी है। ह्लसंडे ऑन साइकिलह्व कार्यक्रम लोगों को नियमित व्यायाम एवं स्वस्थ दिनचर्या अपनाने के लिए प्रेरित करेगा। कार्यक्रम में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागियों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य किया गया है। इच्छुक प्रतिभागी भारत सरकार के फिट इंडिया अभियान के निर्धारित पोर्टल पर जाकर अपना पंजीकरण करा सकते हैं।

ऑनलाइन पंजीकरण हेतु पोर्टलः https://fitindia.gov.in/world-bicycle-day-जिला खेल कार्यालय ने जिले के सभी विद्यालयों, महाविद्यालयों, खेल संस्थाओं, साइकिलिंग क्लबों एवं आम नागरिकों से अधिकाधिक संख्या में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है। प्रशासन ने कहा कि यह आयोजन स्वास्थ्य संवर्धन, पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छ भारत के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण जन-अभियान साबित होगा। जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से निर्धारित पोर्टल पर शीघ्र पंजीकरण कर इस प्रेरणादायक अभियान का हिस्सा बनने का अनुरोध किया है।

रक्तदान महाअभियान में आगे आए कोपा नगर पंचायत चेयरमैन प्रतिनिधि

- मैंने रक्तदान किया, अब आपकी बारी : लोगों से रक्तदान की अपील

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा । रक्तदान महाअभियान के तहत नगर पंचायत कोपा की चेयरमैन रोकसाना खातुन के प्रतिनिधि रक्तदान कर लोगों को मानव सेवा का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने आमजन, विशेषकर युवाओं से आगे आकर रक्तदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद की जिंदगी बचा सकता है। चेयरमैन प्रतिनिधि बुस्तामी खान ने भी लोगों से इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा मानव धर्म है और समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान करना चाहिए।

विश्व पर्यावरण दिवस पर जय प्रकाश विश्वविद्यालय में किया गया पौधारोपण

- 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत कुलपति ने किया पौधारोपण

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर। शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा में राष्ट्रीय सेवा योजना की पी.जी. इकाई द्वारा एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रमेन्द्र बाजपेयी द्वारा पौधारोपण कर किया गया। इस अवसर पर कुलपति ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रकृति हमारी माँ है और उसकी रक्षा करना हम सभी का नैतिक दायित्व है। एक पेड़ लगाना केवल पर्यावरण संरक्षण का कार्य नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने का संकल्प भी है। एक पेड़ माँ के नाम अभियान मातृत्व के सम्मान और प्रकृति के संरक्षण का सुंदर संदेश देता हैकार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. नारायण दास, प्रो. अजीत तिवारी, प्रो. राणा विक्रम, प्रो. हरिश्चंद्र यादव, प्रो. आशा रानी, प्रो. उदय शंकर ओझा, प्रो. कमल, डॉ. धनंजय आजाद, डॉ. जया कुमारी पाण्डेय एवं डॉ. बिंदी कुमारी सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के बहुद्देशीय भवन के समीप आयोजित इस कार्यक्रम में देशी एवं जलवायु-अनुकूल पौधों का रोपण किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना की चारों इकाइयों के स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए पौधारोपण के साथ-साथ पर्यावरण जागरूकता संबंधी गतिविधियों का भी संचालन किया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस का अभियान नहीं, बल्कि सतत जीवन-शैली का हिस्सा होना चाहिए। पौधारोपण के साथ-साथ उनकी नियमित देखभाल और संरक्षण भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

उल्लेखनीय है कि यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रारंभ किए गए एक पेड़ माँ के नाम 2026झ 27 अभियान तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निदेर्शों के अनुरूप आयोजित किया गया। जय प्रकाश विश्वविद्यालय ने इस राष्ट्रीय अभियान में सक्रिय भागीदारी करते हुए परिसर को अधिक हरित एवं पर्यावरण-अनुकूल बनाने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण तथा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल का सामूहिक संकल्प लिया।

आरोग्य दिवस व टीकाकरण सुदृढ़ीकरण को लेकर एएनएम व एएफ को दिया गया प्रशिक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

इसुआपुर । आरोग्य दिवस एवं नियमित टीकाकरण कार्यक्रम को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से गुरुवार को सीएचसी इसुआपुर में एएनएम एवं एएफ कर्मियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुई। प्रशिक्षण में सक्षम कार्य योजना के निर्माण एवं उसके प्रभावी क्रियान्वयन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। कार्यक्रम का संचालन डब्ल्यूएचओ की टीम के सहयोग से किया गया। इस दौरान डब्ल्यूएचओ के एसएमओ डॉ. रंजीतेश कुमार ने प्रतिभागियों को आरोग्य दिवस के सफल आयोजन, टीकाकरण कवरेज बढ़ाने, छूटे हुए बच्चों की पहचान तथा माइक्रोप्लान तैयार करने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सुदृढ़ कार्य योजना के माध्यम से टीकाकरण कार्यक्रम को अधिक प्रभावी बनाकर शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। प्रशिक्षण में उपस्थित स्वास्थ्यकर्मियों ने भी अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। इस मौके पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ तुलिका कुमारी, स्वास्थ्य प्रबंधक नबाब अख्तर जिलानी, डब्लूएचओ मॉनिटर अनिमेष कुमार सिंह, रंजन कुमार सिंह,अरविंद श्रीवास्तव, एएनएम प्रियंवदा कुमारी, प्रमिला कुमारी, रूबी मिश्रा, सुषमा कुमारी, प्रियंका कुमारी, नित्या कुमारी व अन्य स्वास्थ्यकर्मी थे।

अमनौर में फ्लावर मिल में काम कर रहे वेल्डर को लगा करंट, हालत गंभीर, पटना रेफर

प्रात : किरण संवाददाता

अमनौर। प्रखंड के एसएच-73 अमनौर-सोनहो मुख्य मार्ग पर खोरी पाकर खड्ग गांव के पास निमार्णाधीन फ्लावर मिल में वेल्डिंग का काम कर रहे 35 वर्षीय युवक को अचानक करंट लग गया। करंट लगते ही युवक अचेत होकर गिर पड़ा। स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। घायल युवक की पहचान खोरी पाकर खड्ग गांव निवासी राम लग्न साह के 35 वर्षीय पुत्र रंजय कुमार के रूप में हुई है। पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि सुरजीत कुमार सिंह ने बताया कि गांव में नया फ्लावर मिल का निर्माण हो रहा है। रंजय कुमार वहां वेल्डर का काम कर रहा था। काम के दौरान उसका हाथ पंखे से छू गया। पंखे में करंट प्रवाहित होने के कारण वह बुरी तरह झुलसकर अचेत हो गया। शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर दौड़े और घायल मिस्त्री को तुरंत अमनौर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया। युवक की स्थिति दयनीय बताई जा रही है।.

उर्दू भाषा के संरक्षण और संवर्धन को लेकर प्रशासन गंभीर

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। सारण जिला उर्दू भाषा कोषांग की मासिक समीक्षा बैठक शुक्रवार को प्रभारी पदाधिकारी सह उप निर्वाचन पदाधिकारी जावेद इकबाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में जिला, अनुमंडल, प्रखंड एवं अंचल स्तर पर कार्यरत उर्दू अनुवादकों, लिपिकों एवं उर्दू कर्मियों ने भाग लिया। बैठक में उर्दू भाषा के संरक्षण, विद्यालयों में उर्दू शिक्षा की स्थिति तथा विभागीय कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए प्रभारी पदाधिकारी जावेद इकबाल ने सभी कर्मियों को निर्देश दिया कि वे प्रत्येक माह किए गए कार्यों का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि निदेशक, मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग, उर्दू निदेशालय, बिहार के निदेर्शानुसार सभी कार्यालयों में पदस्थापित उर्दू कर्मी सप्ताह में एक दिन अपने-अपने क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों का भ्रमण करेंगे। भ्रमण के दौरान उर्दू भाषी छात्रों की संख्या, उर्दू में प्रश्न पत्रों की उपलब्धता, विद्यालयों में उर्दू पुस्तकों की स्थिति, कार्यरत उर्दू शिक्षकों की संख्या एवं रिक्त पदों से संबंधित प्रतिवेदन निर्धारित प्रपत्र में तैयार कर नियंत्री पदाधिकारी के माध्यम से जिला कार्यालय को उपलब्ध कराया जाएगा। जावेद इकबाल ने बताया कि बैठक में उर्दू भाषी छात्रों की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की भी समीक्षा की गई तथा अगली जिला उदूर्नामा पत्रिका के प्रकाशन की तैयारियों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में मो. हारून रशीद, के.एम. रेशमा तबस्सुम, मुहम्मद तारिक, शिशुपाल कुमार, मो. सैफुर रहमान, मो. मुमताज अली अंसारी, मो. फिरोज आलम, धीरज कुमार, अफसाना परवीन, शाहनवाज खान सहित अन्य कर्मी उपस्थित थे। जिलाधिकारी अमन समीर के आदेशानुसार जिला उर्दू भाषा कोषांग सहित अनुमंडल, प्रखंड एवं अंचल कार्यालयों में कार्यरत सभी उर्दू कर्मी प्रत्येक सप्ताह बुधवार अथवा अवकाश की स्थिति में अगले कार्य दिवस को अपने क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों का निरीक्षण करेंगे तथा उसकी रिपोर्ट जिला उर्दू भाषा कोषांग, सारण को उपलब्ध कराएंगे, ताकि विभाग को समय पर प्रतिवेदन भेजा जा सके।

राष्ट्रीय युवा प्रेरक मनीष कुमार के आगमन को लेकर तैयारियाँ पूरी, सैकड़ों युवाओं को मिलेगा प्रेरणा का संदेश

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार की स्थानीय युवा इकाई प्रज्ञा युवा प्रकोष्ठ सारण के द्वारा युवाओं के सर्वांगीण विकास एवं सकारात्मक जीवन- दृष्टि के निर्माण के लिए एक भव्य निःशुल्क मोटिवेशनल सेमिनार का आयोजन 06 जून को शहर के शिल्पी चौक स्थित गायत्री शक्तिपीठ परिसर में किया गया है। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्तर के युवा मार्गदर्शक एवं विगत 33 वर्षों से युवाओं को प्रेरित करने वाले मनीष कुमार मुख्य वक्ता के रूप में शामिल होंगे। साथ ही युवाओं को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। कार्यक्रम के संबंध में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान शिक्षाविद सह समाजसेवियों में अभिनंदन कुमार शर्मा, शिक्षक विकास कुमार सिंह, शिक्षक कुंदन कुमार, बीएसएफ के जवान निरंजन कुमार तथा रजनीश राज के द्वारा संयुक्त रूप से बताया गया कि वर्तमान समय में युवा वर्ग अनेक प्रकार की चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे में सही मार्गदर्शन और सकारात्मक प्रेरणा की अत्यंत आवश्यकता है। वक्ताओं ने यह भी बताया कि सेमिनार में युवाओं को आत्मविश्वास बढ़ाने, विद्यार्थी जीवन को सफल बनाने, नकारात्मक विचारों से मुक्ति पाने, नशा मुक्त जीवन अपनाने तथा मोबाइल, सोशल मीडिया साइट्स, ऑनलाइन गेम्स और अनावश्यक डिजिटल लत से बचने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यावहारिक मार्गदर्शन दिया जाएगा।

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान को मिला जनसमर्थन, भोजपुरी कलाकारों ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

प्रात : किरण संवाददाता

परसा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर परसा में एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया.शिक्षक जियाउलहल के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भोजपुरी सिंगर निशा उपाध्याय तथा भोजपुरी कॉमेडी कलाकार बीआईपी बिजेंद्र सिंह शामिल हुए. निशा उपाध्याय ने खुद अपने हाथों से माँ के नाम एक पौधा लगाकर अभियान की शुरूआत की। उन्होंने कहा, जिस तरह माँ हमें जीवन देती है, उसी तरह पेड़ भी हमें प्राणवायु देते हैं। इसलिए हर व्यक्ति को माँ के नाम एक पेड़ जरूर लगाना चाहिए.आयोजक कासिम चाचा दुकान के संचालक जियाउल्हक ने बताया कि एक पेड़ माँ के नाम प्रधानमंत्री के आह्वान पर शुरू किया गया राष्ट्रव्यापी अभियान है। कार्यक्रम में मौजूद सैकड़ों लोगों को पर्यावरण बचाने और ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने की शपथ दिलाई गई. इस दौरान आम, नीम, पीपल और अशोक के सैकड़ों से अधिक पौधे लगाए गए।मौके पर मौजूद भोजपुरी कलाकारों ने युवाओं से अपील की कि वे जन्मदिन, शादी की सालगिरह जैसे खास मौकों पर पेड़ लगाएं. कार्यक्रम में डॉ नागेश्वर प्रसाद यादव,वार्ड पार्षद प्रतिनिधि आमोद शर्मा,हैपी यादव,मो क्यामुदिन,पप्पू यादव शामिल हुए.समाजसेवी चांद तारा ने कहा कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा और पूरे परसा प्रखंड को हरा-भरा बनाने का लक्ष्य है।

सर्वोच्च न्यायालय न्यायाधीश न्यायमूर्ति से न्यायालय कर्मचारी संघ के नेताओं ने की मुलाकात

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। अखिल भारतीय न्यायिक कर्मचारी संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नरेश चौहान, राष्ट्रीय संगठन सचिव राजेश्वर तिवारी तथा डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस कोर्ट्स एम्प्लॉइज वेलफेयर एसोसिएशन के महासचिव अरुण यादव ने भारत के सर्वोच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश न्यायमूर्ति पंकज मित्तल से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने माननीय न्यायमूर्ति महोदय को भारतीय न्यायपालिका के प्रति उनके उत्कृष्ट, अनुकरणीय एवं अविस्मरणीय योगदान के लिए शॉल, मिथिला पाग (पगड़ी), स्मृति चिन्ह (मोमेंटो) एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। प्रतिनिधिमंडल ने न्यायपालिका की गरिमा, निष्पक्षता तथा न्याय के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए उनके प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की।

भेंटवार्ता के दौरान सौहार्दपूर्ण वातावरण में ह्यहाई टीह्व के साथ न्यायिक कर्मचारियों के कल्याण, सेवा शर्तों, कार्य परिस्थितियों तथा न्यायिक कर्मचारियों से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत एवं सकारात्मक चर्चा हुई। मानन

संक्षिप्त खबरें

पांडेयपुर पंचायत में पौधारोपण पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

दरौंदा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को प्रखंड की पांडेयपुर पंचायत में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी राजीव रंजन ने किया। इस दौरान पंचायत क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर पौधे लगाए गए तथा लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। पौधारोपण कार्यक्रम में पंचायत के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकताओं एवं ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी ने मिलकर पौधे लगाए और उनके संरक्षण का संकल्प भी लिया। उपस्थित लोगों ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और घटते वन क्षेत्र को देखते हुए प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है कि वह अधिक से अधिक पौधे लगाए और उनकी देखभाल भी करे।कार्यक्रम में मुखिया निरंजन सिंह, देवेन्द्र सिंह, वीरेंद्र सिंह, जनार्दन सिंह, मोहन सिंह, आत्मा सिंह, नीतेश सिंह, मुरारी सिंह, लाल बाबू पटेल, चंदन भारती, राम बाबू सिंह, शंकर यादव तथा भुलेटन साह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने पर्यावरण को स्वच्छ एवं सुरक्षित रखने के लिए सामूहिक प्रयास करने का संकल्प लिया।इस अवसर पर पीओ राजीव रंजन ने कहा कि पौधे पृथ्वी के जीवन का आधार हैं। वृक्ष न केवल हमें शुद्ध ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने लोगों से अपने घरों, खेतों और सार्वजनिक स्थानों पर पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने की अपील की।

विश्व पर्यावरण दिवस पर भाजयुमो ने चलाया पौधारोपण अभियान

सिवान। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत गुरुवार को सिसवन ढाला स्थित माँ शीतला भवानी मंदिर प्रांगण में भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व भाजयुमो सिवान नगर अध्यक्ष धीरज गुप्ता ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित भाजयुमो जिला अध्यक्ष डॉ. अजीत कुमार ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस तक सीमित रहने वाला कार्यक्रम नहीं है, बल्कि इसे हमारी जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा। उन्होंने कहा कि वृक्ष मानव जीवन के आधार हैं, जो हमें शुद्ध वायु, स्वच्छ पर्यावरण तथा प्राकृतिक संतुलन प्रदान करते हैं। डॉ. कुमार ने कहा कि ह्लएक पेड़ माँ के नामह्व अभियान मातृशक्ति के सम्मान, भारतीय संस्कृति और प्रकृति संरक्षण का अनूठा संगम है। उन्होंने सभी लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया, ताकि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित, स्वच्छ और हरित वातावरण मिल सके। उन्होंने युवाओं से पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने तथा प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी नियमित देखभाल करने की अपील की। पौधारोपण कार्यक्रम में जिला मंत्री प्रत्यूष शेखर, नगर महामंत्री राहुल गुप्ता, नगर उपाध्यक्ष श्याम कुमार, नगर मंत्री विकास कुमार, सोशल मीडिया प्रभारी सुमित कुमार सहित बड़ी संख्या में भाजपा एवं भाजयुमो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बीपीएम अमित प्रीतम को भावभीनी विदाई, कार्यों की सराहना

सीवान/दारौंदा। प्रखंड मुख्यालय स्थित जीविका कार्यालय परिसर में शुक्रवार को प्रखंड परियोजना प्रबंधक (बीपीएम) अमित प्रीतम के स्थानांतरण के अवसर पर सम्मान सह विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान जीविका दीदियों एवं कर्मियों ने उन्हें अंगवस्त्र, स्मृति चिह्न तथा उपहार भेंट कर सम्मानित किया और उनके चार वर्षों के कार्यकाल को याद करते हुए भावभीनी विदाई दी। समारोह को संबोधित करते हुए जीविका दीदियों और कर्मियों ने कहा कि अमित प्रीतम के नेतृत्व में प्रखंड में जीविका की गतिविधियों को नई पहचान मिली। स्वयं सहायता समूहों के सशक्तीकरण, महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनकी कार्यशैली, सहज व्यवहार और समस्याओं के त्वरित समाधान की क्षमता ने उन्हें जीविका दीदियों के बीच काफी लोकप्रिय बनाया। वक्ताओं ने कहा कि उनके कार्यकाल में जीविका से जुड़ी महिलाओं का आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तीकरण हुआ। कई स्वयं सहायता समूहों ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए नई उपलब्धियां हासिल कीं तथा आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूत कदम बढ़ाए। उन्होंने महिलाओं को संगठित कर आजीविका के नए अवसर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। अपने संबोधन में अमित प्रीतम ने सभी जीविका दीदियों, कर्मियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें दरौंदा में कार्य करने के दौरान सभी का भरपूर सहयोग और स्नेह मिला। उन्होंने विश्वास जताया कि जीविका की टीम आगे भी महिलाओं के विकास और सशक्तीकरण के लिए इसी समर्पण के साथ कार्य करती रहेगी।

नए राजकीय डिग्री कॉलेजों में बर्सर नियुक्त प्रशासनिक कार्यों को मिलेगी गति

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के अंतर्गत नवस्थापित राजकीय डिग्री कॉलेजों में प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से बर्सर (अर्थपाल) की नियुक्ति की गई है।विश्वविद्यालय प्रशासन ने संबंधित कॉलेजों के प्राचार्यों और प्रभारी प्राचार्यों की अनुशंसा पर यह निर्णय लिया है। जारी आदेश के अनुसार ये नियुक्तियां अगले आदेश तक प्रभावी रहेंगी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव द्वारा जारी अधिसूचना के तहत नवस्वीकृत राजकीय डिग्री कॉलेजों में कार्यरत शिक्षकों को बर्सर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन कॉलेजों में आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 से पढ़ाई शुरू होने की संभावना है। ऐसे में कॉलेजों की प्रशासनिक और वित्तीय तैयारियों को समय पर पूरा करने के लिए बर्सरों की नियुक्ति आवश्यक मानी गई है।बर्सर नियुक्त किए गए शिक्षक कॉलेजों के प्रशासनिक एवं वित्तीय कार्यों में प्राचार्यों का सहयोग करेंगे। खाते के संचालन, वित्तीय अभिलेखों के रखरखाव तथा अन्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी।विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि इससे नए कॉलेजों में आधारभूत सुविधाओं के विकास, संसाधनों की व्यवस्था और शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन में तेजी आएगी। भोजपुर, बक्सर, रोहतास और कैमूर जिलों के विभिन्न नवस्थापित राजकीय डिग्री कॉलेजों में अलग-अलग शिक्षकों को यह दायित्व सौंपा गया है। इनमें राजनीति विज्ञान, इतिहास, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान तथा अन्य विषयों के शिक्षक शामिल हैं। संबंधित शिक्षकों को अपने-अपने कॉलेजों में प्रशासनिक समन्वय स्थापित करने और आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई है। इन नए राजकीय डिग्री कॉलेजों के अधिकांश भवन निमार्णाधीन हैं तथा कई स्थानों पर आधारभूत संसाधनों की व्यवस्था अभी पूरी नहीं हो सकी है। ऐसे में बर्सरों की नियुक्ति को कॉलेजों के सुचारु संचालन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। विश्वविद्यालय प्रशासन को उम्मीद है कि इससे शैक्षणिक सत्र शुरू होने से पहले आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूरी हो सकेंगी और विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

तेज बारिश के दौरान बालू घाट पर गिरा ठनका, छह मजदूर झुलसे

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। जिले के संदेश थाना क्षेत्र स्थित रेपुरा गांव के बालू घाट संख्या-15 (ए) पर शुक्रवार की दोपहर तेज बारिश के दौरान ठनका गिरने से वहां कार्यरत छह मजदूर घायल हो गए. घटना के बाद बालू घाट पर अफरा-तफरी मच गई। घायलों को स्थानीय लोगों की सहायता से उपचार के लिए संदेश रेफरल अस्पताल पहुंचाया गया। इनमें से चार मजदूरों को बेहतर इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल रेफर किया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद एक की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे पटना रेफर कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार घायल मजदूरों में रेपुरा गांव निवासी रामदेव चौधरी के 40 वर्षीय पुत्र हरेंद्र चौधरी, वीरेंद्र चौधरी के 44 वर्षीय पुत्र अमित चौधरी, देवनंदन चौधरी के 45 वर्षीय पुत्र अमलेश चौधरी, बीजू चौधरी के 42 वर्षीय पुत्र कंचन चौधरी समेत दो अन्य मजदूर शामिल हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोपहर में अचानक मौसम खराब होने के साथ तेज बारिश शुरू हो गई। इसी दौरान बालू घाट पर काम कर रहे मजदूरों के समीप ठनका गिर गया, जिसकी चपेट में आने से छह लोग झुलसकर घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही परिजन एवं स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया। वर्तमान में तीन घायलों का इलाज आरा सदर अस्पताल तथा दो का उपचार संदेश रेफरल अस्पताल में चल रहा है. वहीं गंभीर रूप से घायल एक मजदूर को बेहतर चिकित्सा के लिए पटना भेजा गया है।

वर्तमान सत्र में समर्थ पोर्टल से ही होगा वोकेशनल कोर्स में नामांकन

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के अंगीभूत एवं संबद्ध महाविद्यालयों में संचालित स्नातक स्तरीय वोकेशनल कोर्सों में अब नए शैक्षणिक सत्र से नामांकन केवल समर्थ पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस संबंध में सभी कॉलेजों को आवश्यक निर्देश जारी करने की तैयारी शुरू कर दी है। इस निर्णय का उद्देश्य नामांकन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, व्यवस्थित और छात्र हितैषी बनाना है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. रामकृष्ण ठाकुर ने बताया कि सभी कॉलेजों से उनके यहां संचालित वोकेशनल पाठ्यक्रमों तथा स्वीकृत सीटों की विस्तृत जानकारी मांगी गई है। प्राप्त आंकड़ों को समर्थ पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा, जिसके बाद इच्छुक विद्यार्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि केवल एआईसीटीई (अक्ळ्ळए) से मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रमों और स्वीकृत सीटों पर ही नामांकन की अनुमति होगी।प्रशासन ने सभी कॉलेजों को आवश्यक सूचनाएं समय पर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है ताकि नामांकन प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा न आए। माना जा रहा है कि बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा इंटरमीडिएट परीक्षा का परिणाम जारी होने के बाद बड़ी संख्या में विद्यार्थी उच्च शिक्षा में प्रवेश की तैयारी करेंगे। ऐसे में समर्थ पोर्टल के माध्यम से केंद्रीकृत नामांकन व्यवस्था विद्यार्थियों के लिए काफी सुविधाजनक साबित होगी। हाल के वर्षों में नियमित स्नातक पाठ्यक्रमों के साथ-साथ रोजगारोन्मुखी वोकेशनल कोर्सों के प्रति छात्रों की रुचि लगातार बढ़ी है। इसी को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय ने नामांकन प्रक्रिया को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ने का निर्णय लिया है। इससे विद्यार्थियों को घर बैठे आवेदन करने की सुविधा मिलेगी और सीटों के आवंटन में पारदर्शिता भी सुनिश्चित होगी।वीकेएसयू के अंतर्गत विभिन्न कॉलेजों में बायोटेक्नोलॉजी, इंडस्ट्रियल माइक्रोबायोलॉजी, क्लिनिकल न्यूट्रिशन एंड डायटेटिक्स, ऑफिस मैनेजमेंट सहित कई व्यावसायिक पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, ।विश्वविद्यालय के इस फैसले को विद्यार्थियों के लिए राहतभरा और आधुनिक शिक्षा व्यवस्था की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

विश्वविद्यालय में पीएचडी थीसिस की जांच होगी सख्त, नकल मिलने पर होगी कार्रवाई

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के बढ़ते उपयोग और शोध कार्यों में इसके संभावित दुरुपयोग को देखते हुए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने पीएचडी शोध प्रबंध (थीसिस) की जांच को लेकर नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन निदेर्शों के तहत शोध कार्यों में साहित्यिक चोरी (प्लेजरिज्म) पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय (वीकेएसयू), आरा में भी इन नियमों को लागू करने की तैयारी शुरू कर दी गई है।यूजीसी के अनुसार यदि किसी शोधार्थी की थीसिस में 10 से 40 प्रतिशत तक नकल पाई जाती है, तो शोध प्रबंध को संशोधन के लिए वापस कर दिया जाएगा। शोधार्थी को निर्धारित समय के भीतर सुधार कर पुनः थीसिस जमा करनी होगी। वहीं 40 से 60 प्रतिशत तक प्लेजरिज्म मिलने पर शोधार्थी को एक वर्ष तक थीसिस जमा करने से प्रतिबंधित किया जा सकता है। यदि नकल की मात्रा 60 प्रतिशत से अधिक पाई जाती है, तो शोधार्थी का पंजीकरण (रजिस्ट्रेशन) तक रद्द किया जा सकता है। नए नियमों के अनुसार केवल शोधार्थी ही नहीं, बल्कि उनके शोध निर्देशक (सुपरवाइजर) भी जवाबदेह होंगे। यदि किसी शोध में बड़े स्तर पर साहित्यिक चोरी पाई जाती है या बार-बार ऐसी घटनाएं सामने आती हैं, तो संबंधित सुपरवाइजर को नए शोधार्थियों का मार्गदर्शन करने से रोका जा सकता है। गंभीर मामलों में उनकी मान्यता पर भी प्रभाव पड़ सकता है।यूजीसी ने यह भी स्पष्ट किया है कि शोध कार्यों में एआई आधारित उपकरणों का उपयोग केवल भाषा, व्याकरण, संपादन और तकनीकी सुधार के लिए स्वीकार्य होगा। शोध के निष्कर्ष, विश्लेषण, डेटा की व्याख्या अथवा मौलिक सामग्री तैयार करने के लिए एआई का उपयोग मान्य नहीं माना जाएगा। यदि एआई का किसी प्रकार से उपयोग किया गया है, तो उसका स्पष्ट उल्लेख शोधार्थी को अपनी थीसिस में करना होगा।वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के अधिकारियों के अनुसार यूजीसी के दिशा-निदेर्शों का पालन करते हुए शोध प्रबंधों की जांच को और अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाया जाएगा। विश्वविद्यालय स्तर पर प्लेजरिज्म जांच की प्रक्रिया को सुदृढ़ किया जा रहा है ताकि शोध की गुणवत्ता और विश्वसनीयता बनी रहे।इन नए नियमों से शोध कार्यों में मौलिकता को बढ़ावा मिलेगा और उच्च शिक्षा संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान की संस्कृति मजबूत होगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने शोधार्थियों को समय रहते इन नियमों की जानकारी देने तथा उनका पालन सुनिश्चित कराने की दिशा में आवश्यक कदम उठाने की बात कही है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

पेरहाप/सहार (भोजपुर)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गुरुवार को सहार प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में पौधारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।पेरहाप पंचायत के मुखिया महेंद्र प्रसाद के नेतृत्व में महादलित टोला में सैकड़ों पौधे लगाए गए। इस दौरान ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अधिक से अधिक पेड़ लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील की गई। कार्यक्रम के दौरान महादलित टोला के बच्चों के बीच टॉफियों का वितरण भी किया गया, जिससे बच्चों में विशेष उत्साह देखा गया। वहीं दूसरी ओर, दक्षिण बिहार मगध भाग आंचल, आरा शाखा सहार द्वारा भी विश्व पर्यावरण दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और हरियाली बढ़ाने को लेकर लोगों को जागरूक किया गया तथा पौधारोपण किया गया।इस अवसर पर आंचल गतिविधि प्रमुख राम रहेश कुमार, शाखा प्रशिक्षक आमोद प्रसाद सहित ग्राम समिति के महिला-पुरुष, बालक एवं बालिकाएं उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसकी देखभाल करनी चाहिए।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पथ निर्माण विभाग में हुआ पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पथ निर्माण विभाग, भोजपुर परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने का संदेश देते हुए विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया।कार्यक्रम की शुरूआत पथ निर्माण विभाग के एग्जीक्यूटिव असिस्टेंट सिकंदर पासवान ने पौधारोपण कर की। उन्होंने उपस्थित कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण सबसे महत्वपूर्ण विषय बन गया है। बढ़ते प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों का सामना करने के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल और संरक्षण भी उतना ही जरूरी है।इस अवसर पर विभाग के कर्मचारी विवेक कुमार, संजय कुमार, पंकज प्रियदर्शी एवं अमरिया कुमारी सहित अन्य कर्मियों ने भी परिसर में पौधे लगाए। सभी कर्मचारियों ने पर्यावरण को स्वच्छ, सुरक्षित और हरा-भरा बनाए रखने के लिए निरंतर वृक्षारोपण करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में मौजूद कर्मियों ने कहा कि वृक्ष मानव जीवन के लिए अमूल्य हैं। पौधे वातावरण में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ाने, प्रदूषण को कम करने और प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि आज के समय में पर्यावरण संरक्षण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी बन गई है।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण देने के उद्देश्य से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा लगाए गए पौधों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। अंत में पौधों के नियमित संरक्षण और देखरेख के प्रति जागरूकता का संदेश देते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर भाजपा किसान मोर्चा का पौधारोपण अभियान

आरा। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) किसान मोर्चा के कार्यकताओं ने एक सराहनीय पहल करते हुए व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। जिले के विभिन्न मंडलों और बूथों पर भाजपा किसान मोर्चा के कार्यकताओं ने बड़ी संख्या में पौधे लगाए और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अभियान के दौरान कार्यकताओं ने ह्यएक पेड़ भारत माता के नामह्व के मंत्र को अपनाते हुए वृक्षारोपण किया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य तेजी से प्रदूषित हो रहे वातावरण को स्वच्छ और सुरक्षित बनाना है। बढ़ते ग्लोबल वार्मिंग के खतरों और धरती के बढ़ते तापमान पर चिंता व्यक्त करते हुए, वक्ताओं ने कहा कि आज के समय में पर्यावरण की सुरक्षा के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाना सबसे आवश्यक और प्रभावशाली कदम है। भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष विद्या सागर पांडे ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि पर्यावरण को सुरक्षित रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से न केवल पौधे लगाने का कार्य किया गया है, बल्कि लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने का प्रयास भी किया गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जिस तरह से जलवायु परिवर्तन (ऋ्ङ्ङ् हंश्ल्लें) के कारण पृथ्वी पर संकट मंडरा रहा है, उसे कम करने का सबसे बेहतर और सरल साधन वृक्षारोपण ही है। वहां मौजूद लोगों में किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष विवेक कुशवाहा विनय मिश्रा अर्जुन प्रसाद आदित्य कुमार माधव केसरी कृपा शंकर पांडे हरेंद्र सिंह सहित कई कार्यकर्ता भाजपा किसान मोर्चा के स्थानीय पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खैरा बाजार से स्प्लेंडर मोटरसाइकिल चोरी

प्रात : किरण संवाददाता

पेरहाप/सहार (भोजपुर)। स्थानीय प्रखंड के पेरहाप गांव निवासी हरि ओम कुमार की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल शुक्रवार को दिनदहाड़े चोरी हो जाने का मामला सामने आया है। बम पंडित के पुत्र हरि ओम कुमार ने बताया कि उनकी मोटरसाइकिल खैरा बाजार स्थित मनीष मेडिकल के ठीक सामने एवं दिनेश साव की किराना दुकान के सामने खड़ी थी।जानकारी के अनुसार, शुक्रवार दोपहर करीब 2 बजे अज्ञात चोर मोटरसाइकिल लेकर फरार हो गए। काफी खोजबीन के बाद भी वाहन का कोई सुराग नहीं मिल सका। घटना के बाद पीड़ित एवं उनके परिजनों में चिंता का माहौल है।स्थानीय लोगों का कहना है कि खैरा बाजार में दिनदहाड़े हुई इस चोरी की घटना से व्यापारियों एवं आम लोगों में भय का माहौल है। पीड़ित ने प्रशासन से मोटरसाइकिल की बरामदगी एवं चोरों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है।पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है तथा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जाने की संभावना है।

एकवारी के 2 नंबर वार्ड मे बिजली के 11 हजार वोल्ट के झुक कर जमीन के नजदीक पहुंचा

बिजली के तार बड़ी दुर्घटना की आशंका

कौलौडिहरी/ सहार। सहार प्रखंड के एकवारी पंचायत के वार्ड नंबर 2 में बिजली का 11 हजार का तार झुक कर जमीन के नजदीक सट गया है। ग्यारह हजार का तार झुकने से मानव सहित पशुओ को भी भारी खतरा दिखाई दे रहा है। अनहोनी घटना से आम ग्रामीण जनता उधर से आने जाने से डर रहा है। स्थानीय ग्रामीणों ने कहा कि अगर बरसात से पहले 11 हजार के तार को टाईट कर ठीक नहीं किया गया तो बडी घटना की आशंका रहेगी। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि बिजली विभाग के लोगों को फोन से एकवारी दो नंबर वार्ड का तार ठीक करने को सूचना दिया गया। इस संबंध में बिजली जे ई चंदन कुमार से बात करने पर उन्होंने कहा कि सुचना मिली है जल्द ही उसे ठीक कराने को मिस्त्री को कहा गया है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत हुआ पौधारोपण

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिला गंगा समिति भोजपुर द्वारा महाराजा महाविद्यालय परिसर में एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत फलदार, छायादार एवं औषधीय पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर जिला जल एवं स्वच्छता समिति भोजपुर के जिला समन्वयक, जिला गंगा समिति भोजपुर के जिला परियोजना पदाधिकारी, महाराजा महाविद्यालय के कैंपस एम्बेसडर तथा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के दर्जनों स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला परियोजना पदाधिकारी अमित कुमार सिंह ने कहा कि वृक्ष पृथ्वी का श्रृंगार हैं और लगातार बढ़ता तापमान अंधाधुंध वृक्षों की कटाई का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यदि अभी भी बड़े पैमाने पर पौधारोपण नहीं किया गया तो आने वाले समय में पृथ्वी पर जीवन-यापन कठिन हो जाएगा। उन्होंने बताया कि ह्यएक पेड़ मां के नामह्व अभियान लोगों को पौधों को मां के स्वरूप से जोड़कर उनके संरक्षण के प्रति जागरूक करने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिला गंगा समिति भोजपुर द्वारा विभिन्न गंगा घाटों पर भी पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों तक यह संदेश पहुंचाना है कि वृक्ष मानव जीवन के लिए अमूल्य धरोहर हैं और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण एवं अधिकाधिक पौधारोपण करने का संकल्प लिया।

सीवान रेलवे स्टेशन पर लावारिस बैग से 12.45 किलो गांजा बरामद

सीवानः रेलवे स्टेशन पर जीआरपी, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) एवं सीपीडीएस टीम की संयुक्त कार्रवाई में लावारिस हालत में रखे दो बैगों से 12.450 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। बरामद गांजे की अनुमानित कीमत करीब दो लाख रुपये बताई गई है। मामले में अज्ञात के विरुद्ध एनडीपीएस अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त वाराणसी के निर्देश पर शुक्रवार को प्रभारी निरीक्षक जीआरपी सीवान विकास आजाद तथा आरपीएफ पोस्ट सीवान के प्रभारी निरीक्षक सुबाष चंद्र यादव के नेतृत्व में जीआरपी, सीपीडीएस टीम और आरपीएफ द्वारा प्लेटफार्म संख्या एक पर अपराध नियंत्रण एवं निगरानी अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान प्लेटफार्म संख्या एक के पूर्वी छोर पर बने नए फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) के पास दो लावारिस पिट्ठू बैग पड़े मिले। संदेह होने पर मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में दोनों बैगों की तलाशी ली गई। जांच के दौरान प्रत्येक बैग में भूरे रंग के टेप से लिपटे तीन-तीन पैकेट मिले। परीक्षण में पैकेटों में गांजा पाया गया। सभी पैकेटों से कुल 12.450 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग दो लाख रुपये आंकी गई है। इस संबंध में जीआरपी सीवान थाना में कांड संख्या 93/26 दर्ज करते हुए एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/20 (बी)(ृ)(बी) के तहत अज्ञात के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच पुअनि अनमोल कुमार द्वारा की जा रही है। कार्रवाई में जीआरपी निरीक्षक विकास कुमार आजाद, आरपीएफ के सउनि राजेंद्र सिंह, सीपीडीएस टीम के सउनि शैलेन्द्र कुमार पांडेय, कांस्टेबल विजय कुमार यादव, बलवीर सिंह यादव, आरपीएफ के कांस्टेबल सुबाष यादव तथा जीआरपी के सिपाही श्रवण कुमार और भूपेंद्र कुमार शामिल रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर कोइलवर प्रखंड और थाना परिसर में पौधारोपण

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गुरुवार को कोइलवर प्रखंड और थाना परिसर में बजरंग दल के तत्वावधान में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न प्रजातियों के 10 पौधे लगाए गए। बजरंग दल के जिला सह संयोजक रितिक ओझा ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना समय की आवश्यकता है। पौधे न केवल पर्यावरण को संतुलित रखते हैं, बल्कि मानव जीवन के लिए आवश्यक शुद्ध ऑक्सीजन भी प्रदान करते हैं। उन्होंने लोगों से पौधारोपण के साथ-साथ लगाए गए पौधों के संरक्षण का भी संकल्प लेने का आह्वान किया। बजरंग दल के कार्यकताओं ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसकी देखभाल की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बजरंग दल के कार्यकर्ता, स्थानीय नागरिक एवं प्रखंड और थाना परिसर के कर्मी उपस्थित रहे। सभी ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए क्षेत्र को हरा-भरा बनाने का संदेश दिया।

अम्हरूहां में फ्रेंडशिप वॉलीबॉल मैच का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। सहार, प्रखंड के अम्हरूहां गांव स्थित आदर्श युवा क्लब के तत्वावधान में फ्रेंडशिप फुटबाल मैच का आयोजन किया गया। इस दौरान क्लब की ओर से खिलाड़ियों को नया फुटबॉल भी उपलब्ध कराया गया।जिसका उद्घाटन क्लब के अध्यक्ष अंजीत कुमार उर्फ राज वीर प्रताप सिंह (समाजिक युवा समाज सेवी) ने किया। मैच अपने गांव की ही दो टीमों के बीच खेला गया। जिसमें खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खेल भावना का परिचय दिया। रोमांचक मुकाबले में टीम के कप्तान मंजी कुमार और नन्दन कुमार के बीच मुकाबला हुआ टीम ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए जीत हासिल की।कार्यक्रम के दौरान युवा क्लब के सदस्य राजू यादव, लाला यादव,उमेश्वर कुमार, शैलेश, रोहित

संक्षिप्त खबरें

भाजपा कला प्रकोष्ठ गया जी जिला का हुआ विस्तार

गया जी। भाजपा कला प्रकोष्ठ जिला संगठन को और मजबूत बनाने के लिए गया जिला पुर्वी कला प्रकोष्ठ का विस्तार करते हुए शम्भू सुमन को सह संयोजक,ऋषभ राज सह संयोजक, कमलकांत आनंद विक्की बिंदु को सह संयोजक, धीरज कुमार सह संयोजक, सुनिल कुमार सदस्य,मनोज कुमार सदस्य, सुरेश आरट,बब्लु मिलन, सानिया कुमारी,जोनी केशरी, डा मनोज कुमार मंडल, रंजन कुमार यादव,राज कुमार मंडल,संजीत कुमार साहु मिडिया प्रभारी, अनिल कुमार पटवा, सुमित कुमार, दयानंद कुमार,ललन कुमार,निशात कुमार,पिटु कुमार,राजन गुप्ता को सदस्य बनाया गया है।

पृथ्वीराज चौहान ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष विकास कुमार सिंह किए गए सम्मानित

औरंगाबाद। जिला मुख्यालय औरंगाबाद की महत्वपूर्ण सामाजिक संस्था पृथ्वीराज चौहान चैरिटेबल ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष विकास कुमार सिंह के द्वारा बेहतरीन कार्य करने के निमित ट्रस्ट परिवार द्वारा पुष्पहार अंग वस्त्र एवं संस्था का प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप नारायण सिंह की अध्यक्षता में आयोजित समान समारोह में बताया गया कि पिछले 5 वर्षों से लगातार विकास कुमार सिंह ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष पद पर रहते हुए सभी कार्यक्रमों में पारदर्शिता पूर्ण खर्च का विवरण देते हैं।सभी कार्यक्रमों में उपस्थित रहकर अपने विशिष्ट भूमिका निभाते हैं।साथ ही साथ कार्यक्रम में किस तरह से समायोजन करना है इसकी बखूबी भूमिका निभाते हैं। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व सांसद गोपाल नारायण सिंह के हाथों सम्मानित होने पर ट्रस्ट के सभी सदस्यों ने उन्हें बधाई दी और कहा कि वे निरंतर ऊजार्वान होकर इसी तरह कार्य करते रहें।

विश्व पर्यावरण दिवस पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया पौधारोपण

औरंगाबाद। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर भारतीय जनता पार्टी कार्यकताओं के द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधा रोपण किया। यह कार्यक्रम भाजपा के मंडल अध्यक्ष संजय मालाकार के नेतृत्व में आयोजित की। पौधा रोपण कार्य वृन्दावन वाटिका परिसर एवम डॉक्टर उपेंद्र प्रसाद वर्मा की आवास परिसर मे पौधा रोपण किया। मंडल अध्यक्ष संजय मालाकार एवम पूर्व प्रखंड अध्यक्ष पप्पू अग्रवाल ने कहा कि पौधा रोपण मानव जीवन के लिए जरूरी है। पौधे से गांव मे हरियाली आएगी। पार्टी द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत स्तर पर पौधा रोपण कार्यक्रम चलाया जाएगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चलने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस दौरान पौधा रोपण जनसंपर्क अभियान स्वच्छता अभियान योग कार्यक्रम सहित विभिन्न गतिविधियों पर विस्तृत चर्चा की। साथ ही उन्होंने हजार छायादार पौधा का वितरण किया और अपने अपने क्षेत्रों में पौधा रोपण करने को आहवान किया। मौके पर भाजपा नेता अतुल आनंद, शिवशंकर प्रसाद, डॉक्टर उपेंद्र प्रसाद वर्मा, कौशिक दुबे समेत बड़ी संख्या मे कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भरूब जाने वाली सड़क गड्ढों मे तब्दील

औरंगाबाद। राष्ट्रीय राज्यमार्ग 139 भरूब मोड से गोड़तारा सड़क बत से बतर हो गई है। इन सड़कों पर वाहन तो दूर पैदल चलना मुश्किल हो गया है। इन सड़कों पर उभरे गढ़ों से लोग परेशान है। ग्रामीणों का मानना है कि बरसात के दिनों मे इन सड़कों का क्या हाल होगा। जब बरसात की पानी से उभरे गढ़ों मे पानी भर जाने पर झील का नजारा दिखेगा। ऐसे भी इन सड़कों पर चलना मुश्किल हो गया है। आए दिन वाहन चालक हिचकोले खाके अपनी यात्र करते है। सड़क का यह हाल भरूब होते हुए मलवा मोड़ से पोकठा जाने वाली हाल बत से बतर हो गया है। मध्य विद्यालय भरूब के प्रधानाध्यापक नागेंद्र सिंह पैक्स अध्यक्ष मनीष कुमार शिक्षक कौशल किशोर ने बताया कि सड़क की मरम्मती को लेकर कई बार संबंधित पदाधिकारियों को कहते कहते थक गए, परंतु सड़क का मरम्मती कार्य नहीं हो सका। वही ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल दाउदनगर के कार्यपालक अभियंता ई अशोक कुमार आर्या ने बताया कि मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क उन्नयन योजना के तहत सड़क निर्माण कार्य की स्वीकृति मिली है।

पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी : जिला जज

प्रत्येक व्यक्ति एक-एक पौधा लगाएं तो बना रहेगा पर्यावरण संतुलन : सचिव

■ सिविल कोर्ट कैंपस में आयोजित किया गया पौधारोपण कार्यक्रम

प्रातः किरण संवाददाता

औरंगाबाद। औरंगाबाद में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष राजीव रंजन कुमार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार या किसी संस्था का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण और मानव जीवन का गहरा एवं अटूट संबंध है। यदि पर्यावरण सुरक्षित रहेगा तो मानव जीवन भी सुरक्षित रहेगा। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों की ओर से लगाए गए वृक्ष आज हमें छाया, शुद्ध वायु और प्राकृतिक संतुलन प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब यह दायित्व हमारी पीढ़ी का है कि हम भी अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण तैयार करें। उन्होंने कहा कि वर्षा में लगातार कमी, भूजल स्तर का गिरना और तापमान में लगातार वृद्धि जैसी समस्याएं पर्यावरण असंतुलन का परिणाम हैं। यदि समय रहते इन चुनौतियों पर ध्यान नहीं दिया गया तो भविष्य में स्थिति और गंभीर हो सकती है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार, औरंगाबाद के तत्वावधान में व्यवहार न्यायालय परिसर में वृहत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना, अधिक से अधिक वृक्ष लगाने के लिए प्रेरित करना था। इस अवसर पर न्यायिक पदाधिकारियों ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजीव रंजन कुमार ने कहा कि दिव्यांगजन समाज के अन्य लोगों से किसी भी रूप में कम नहीं हैं। वे मानसिक रूप से अधिक मजबूत और आत्मविश्वासी होते हैं तथा समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उनके इस संदेश की उपस्थित लोगों ने सराहना की। जिला विधिक सेवा प्राधिकार की सचिव तान्या पटेल ने कहा कि वृक्षारोपण पर्यावरण को स्वच्छ बनाने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कोरोना काल का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय लोगों ने ऑक्सीजन की महत्ता को करीब से महसूस किया था। वृक्ष ही प्राकृतिक रूप से ऑक्सीजन उपलब्ध कराते हैं और मानव जीवन की रक्षा करते हैं। उन्होंने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग और पर्यावरण प्रदूषण जैसी समस्याओं से निपटने के लिए बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण आवश्यक है। उन्होंने लोगों से अपील की कि प्रत्येक व्यक्ति कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं और उसके बड़े होने तक उसकी देखभाल करे। उन्होंने कहा कि जब लगाया गया पौधा एक विशाल वृक्ष का रूप लेता है तो उसे देखकर आत्मिक संतोष की अनुभूति होती है। यदि हर व्यक्ति इस संकल्प को अपनाए तो आने वाले समय में चारों ओर हरियाली और स्वच्छ वातावरण का निर्माण संभव हो सकेगा।

मुजफ्फरपुर हादसे के बाद औरंगाबाद अस्पताल प्रबंधन अलर्ट

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। मुजफ्फरपुर के एक प्राइवेट अस्पताल के आईसीयू में आग लगने से छह लोगों की मौत के घटना के बाद पूरे बिहार में स्वास्थ्य संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ गई है। इस हादसे ने अस्पतालों में अग्नि सुरक्षा, विद्युत व्यवस्था और आपदा प्रबंधन की तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हादसे के बाद औरंगाबाद सदर अस्पताल प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क हो गया है। आईसीयू की सुरक्षा व्यवस्था की विशेष समीक्षा की जा रही है। अस्पताल उपाधीक्षक आशुतोष कुमार, प्रबंधक उषा कुमारी समेत अन्य चिकित्साकर्मियों ने आईसीयू वार्ड का निरीक्षण किया। इस दौरान पाया कि सभी पांचों बेड पर मरीज थे। उनकी देखभाल में नर्सिंग स्टाफ पूरी तत्परता से जुटा हुआ था। प्रबंधन ने दावा किया कि मरीजों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक इंतजाम किए गए हैं। प्रबंधक उषा ने बताया कि सदर अस्पताल का आईसीयू अपेक्षाकृत छोटा है और यहां केवल पांच बेड की व्यवस्था है। यहां मुजफ्फरपुर जैसी घटना होने की संभावना काफी कम है, क्योंकि सुरक्षा मानकों का नियमित रूप से पालन किया जाता है। फिर भी किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए अस्पताल प्रशासन पूरी तरह तैयार है। अगर कभी आग लगने जैसी आपात स्थिति उत्पन्न होती है तो सबसे पहले अस्पताल कर्मियों और सुरक्षा गार्डों की मदद से मरीजों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जाएगा। इसके साथ ही अस्पताल परिसर में उपलब्ध अग्निशमन यंत्रों का उपयोग कर आग पर तत्काल काबू पाने का प्रयास किया जाएगा। कर्मियों को भी आपदा की स्थिति में त्वरित कार्रवाई के लिए समय-समय पर आवश्यक निर्देश दिए जाते हैं। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की नियमित जांच कराई जाती है। एयर कंडीशनिंग, मॉनिटर, वेंटिलेटर और अन्य महत्वपूर्ण मशीनों की कार्य क्षमता पर लगातार नजर रखी जाती है। किसी भी उपकरण में मामूली खराबी या तकनीकी समस्या सामने आने पर उसे तत्काल बदलने या मरम्मत कराने की व्यवस्था की जाती है, ताकि मरीजों की चिकित्सा सेवाएं प्रभावित न हों। मुजफ्फरपुर की घटना ने अस्पतालों में सुरक्षा मानकों की आवश्यकता को एक बार फिर रेखांकित किया है। ऐसे में औरंगाबाद सदर अस्पताल प्रशासन का कहना है कि मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। भविष्य में भी सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाया जाएगा, ताकि किसी भी आपदा की स्थिति में जान-माल की क्षति को रोका जा सके।मुजफ्फरपुर की घटना ने अस्पतालों में सुरक्षा मानकों की आवश्यकता को एक बार फिर रेखांकित किया है। ऐसे में औरंगाबाद सदर अस्पताल प्रशासन का कहना है कि मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। भविष्य में भी सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाया जाएगा, ताकि किसी भी आपदा की स्थिति में जान-माल की क्षति को रोका जा सके।

न्यायालय परिसर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार परिसर,गया में विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

गयाजी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर व्यवहार न्यायालय, गया एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गया के तत्वावधान में न्यायालय परिसर तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकार कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

इस कार्यक्रम का नेतृत्व प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गया प्रदीप कुमार मलिक ने किया है। इस अवसर पर परिवार न्यायालय के न्यायाधीश श्री सुनील कुमार वर्मा, एडीजे-1 श्री शशिकांत ओझा, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव श्री अरविंद कुमार दास, वन क्षेत्र पदाधिकारी श्री निरंजन कुमार सहित अन्य न्यायिक पदाधिकारीगण, न्यायालय कर्मी एवं वन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे हैं।इस कार्यक्रम के दौरान पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कहा कि विश्व स्तर पर हो रहे जलवायु परिवर्तन का प्रभाव अब जनजीवन पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। उन्होंने लोगों से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक होने तथा प्रत्येक वर्ष कम-से-कम पाँच वृक्ष लगाकर उनके संरक्षण का दायित्व निभाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठाए गए तो आने वाली पीढ़ियों के साथ-साथ वर्तमान पीढ़ी को भी गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

इसके अतिरिक्त जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गया के कार्यालय परिसर में भी वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया है, जिसमें सचिव अरविंद कुमार दास, स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष श्री लोलार्क दुबे तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सभी कर्मचारियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम में उपस्थित सभी न्यायिक पदाधिकारियों, न्यायालय कर्मियों, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कर्मचारियों एवं वन विभाग के अधिकारियों ने पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के निर्माण का संकल्प लिया है।

पुलिस ने औरंगाबाद में फरार चल रहे वारंटी को किया गिरफ्तार

क्षेत्र में लंबित वारंटों के निष्पादन के लिए छापेमारी रहेगी जारी: एसएचओ

प्रातः किरण संवाददाता

औरंगाबाद। जिले के देवजरा थाने की पुलिस ने फरार वारंटियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने देवजरा थाना क्षेत्र के रसलपुर गांव में छापेमारी कर न्यायालय से जारी गैर-जमानती वारंट के आरोपी अमित कुमार उर्फ रोशन कुमार को गिरफ्तार किया है। जिले के देवजरा थाने की पुलिस ने न्यायालय से जारी गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) के एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। यह पूरी कार्रवाई जिले में फरार चल रहे वारंटियों और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे एक विशेष अभियान के तहत की गई है। मिली जानकारी के अनुसार, गुरुवार की रात को देवजरा थाना पुलिस की एक टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के रसलपुर गांव में अचानक छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने मौके से आरोपी अमित कुमार उर्फ रौशन कुमार को धर-दबोचा। गिरफ्तार आरोपी स्थानीय निवासी स्वर्गीय जुगल किशोर सिंह का पुत्र बताया जाता है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, पकड़े गए आरोपी अमित कुमार के खिलाफ काफी समय से औरंगाबाद व्यवहार न्यायालय से एक मामले में गैर-जमानती वारंट जारी था। वारंट जारी होने के बाद से ही वह पुलिस की नजरों से बचकर लगातार फरार चल रहा था. पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार संभावित ठिकानों पर नजर रख रही थी। गुरुवार की रात जैसे ही उसके गांव में होने की पुख्ता सूचना मिली, पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घेराबंदी की और उसे गिरफ्तार कर लिया। देवजरा एसएचओ कुशो कुमार ने इस गिरफ्तारी की आधिकारिक पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और फरार चल रहे वारंटियों व शातिर अपराधियों की धर-पकड़ के लिए पुलिस द्वारा लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कड़े लहजे में कहा कि अपराधियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा और आगे भी इस तरह के छापेमारी अभियानों को पूरी तत्परता के साथ जारी रखा जाएगा। एसएचओ ने आगे बताया कि रसलपुर गांव से गिरफ्तारी के बाद पुलिस टीम आरोपी को लेकर थाने पहुंची। इसके बाद पुलिस द्वारा आवश्यक कागजी और कानूनी प्रक्रिया को तेजी से पूरा किया गया। कागजी कार्रवाई संपन्न होने के बाद आरोपी अमित कुमार उर्फ रौशन कुमार को औरंगाबाद न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। इधर, पुलिस ने बताया कि क्षेत्र में लंबित पड़े अन्य वारंटों के त्वरित निष्पादन के लिए भी अलग-अलग टीमें लगातार छापेमारी कर रही हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना, गया कॉलेज, गया द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण एवं जागरूकता अभियान का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी।विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई, गया कॉलेज, गया द्वारा प्राचार्य प्रो० सतीश सिंह चंद्र के निदेर्शानुसार महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, वृक्षारोपण तथा प्रकृति को स्वस्थ एवं संतुलित बनाए रखने के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को रोकने की आवश्यकता पर विस्तार से विचार व्यक्त किए गए हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य प्रो० सतीश सिंह चंद्र द्वारा वृक्षारोपण कर किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है तथा प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर उनके संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए।

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ० राजेश कुमार मिश्र ने स्वयंसेवकों के साथ मिलकर पर्यावरण जागरूकता अभियान चलाया है। उन्होंने लोगों से अधिकाधिक वृक्ष लगाने तथा उनकी देखभाल करने का आह्वान करते हुए कहा कि ह्लयदि पृथ्वी सुरक्षित रहेगी, तभी मानव जीवन सुरक्षित रह पाएगा।ह्व उन्होंने जल संरक्षण, जैव विविधता के संरक्षण तथा प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया है।

इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के बर्सर डॉ० मारकंडे पांडे, गया कॉलेज एथलेटिक सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ० आनंद कुमार, वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ० पन्नालाल तथा प्रधान सहायक (बड़े बाबू) श्री संतोष कुमार सिंह सहित अनेक शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे हैं।वृक्षारोपण कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रमुख स्वयंसेवकों में सौरव कुमार, प्रेम कुमार, सृष्टि कुमारी, खुशबू कुमारी, रंजना वैभव, मोनू कुमार, ट्विंकल कुमारी सहित अन्य स्वयंसेवक उपस्थित थे।इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा समाज को हरित एवं स्वच्छ भविष्य के निर्माण हेतु प्रेरित करना था।

नागेंद्र नाथ त्रिपाठी को नई जिम्मेदारी मिलने पर डॉ मनीष ने विष्णु चरण चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया

प्रात : किरण संवाददाता

गया। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने बिहार-झारखंड भाजपा के पूर्व क्षेत्रीय संगठन महामंत्री एवं वर्तमान राष्ट्रीय संगठन (वरिष्ठ कार्यकर्ता संपर्क) नागेंद्र नाथ त्रिपाठी को नई जिम्मेदारी मिलने पर अंगवस्त्र, विष्णु चरण चिन्ह एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं है।इस अवसर पर डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने कहा कि नागेंद्र नाथ त्रिपाठी एक कुशल संगठनकर्ता, समर्पित कार्यकर्ता एवं राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानने वाले व्यक्तित्व हैं। उन्होंने लंबे समय तक उत्तर प्रदेश,बिहार एवं झारखंड में संगठन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके नेतृत्व, अनुभव एवं कार्यशैली सेहजारोंकार्यकताओं को प्रेरणा मिली है तथा संगठन को नई दिशा प्राप्त हुई है।डॉ. मिश्रा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने उनके अनुभव, निष्ठा एवं संगठनात्मक क्षमता को देखते हुए उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है। यह न केवल उनके प्रति पार्टी नेतृत्व के विश्वास का प्रतीक है, बल्कि देशभर के कार्यकताओं के लिए भी गौरव का विषय है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि त्रिपाठी अपने नवीन दायित्व का सफलतापूर्वक निर्वहन करते हुए संगठन को और अधिक सशक्त एवं गतिशील बनाने का कार्य करेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि नागेंद्र नाथ त्रिपाठी का दीर्घ संगठनात्मक अनुभव, समर्पण, कार्यकुशलता एवं राष्ट्रसेवा की भावना भारतीय जनता पार्टी को नई ऊर्जा और मजबूती प्रदान करेगी। उनके मार्गदर्शन में संगठन निरंतर प्रगति के नए आयाम स्थापित करेगा तथा कार्यकताओं का मनोबल और अधिक सुदृढ़ होगा।डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने ईश्वर से नागेंद्र नाथ त्रिपाठी के उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु एवं सफल कार्यकाल की कामना किया ।

जदयू महानगर के जिला अध्यक्ष राजू बरनवाल के नेतृत्व में ब्रह्मयोनी पहाड़ पर पीपल और नीम के पौधे लगाए गए

गया जी।विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को गया महानगर जनता दल (यूनाइटेड) द्वारा पर्यावरण संरक्षण को लेकर विशेष वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस दौरान जदयू महानगर के जिला अध्यक्ष राजू बरनवाल के नेतृत्व में ब्रह्मयोनी पहाड़ पर पीपल और नीम के पौधे लगाए गए तथा प्रकृति संरक्षण का संकल्प लिया गया है।

इस कार्यक्रम में जदयू महानगर के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। सभी ने पर्यावरण संतुलन बनाए रखने और अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का संदेश दिया। इस अवसर पर राजू बरनवाल ने कहा कि वृक्ष मानव जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। वृक्ष न केवल शुद्ध वायु, छाया और प्राकृतिक सौंदर्य प्रदान करते हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और पृथ्वी पर जीवन के संतुलन को बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

भारत विकास परिषद द्वारा पौधारोपण एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित

प्रातः किरण संवाददाता

गया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारत विकास परिषद, गया नगर शाखा द्वारा गांधी मैदान, गया में वृक्षारोपण सह पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में बिहार सरकार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए हैं।अपने जन्मदिवस के अवसर पर मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने सर्वप्रथम भारत माता एवं स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस का विषय नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने, जल संरक्षण करने तथा पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया है।इस कार्यक्रम की अध्यक्षता भारत विकास परिषद, गया नगर शाखा के अध्यक्ष डॉ० पी० के० सिन्हा ने की।

इस अवसर पर शाखा सचिव प्राण मित्तल, क्षेत्रीय सह सचिव श्री मुकेश कुमार, पर्यावरण संयोजक श्री अनिल कुमार लोहानी, महिला एवं बाल विकास संयोजिका डॉ० संगीता सिन्हा, सेवा संयोजक श्री रौनक सिंह सेठ, पूर्व शाखा अध्यक्ष सबल कुमार एवं श्री संजय प्रकाश, शुभम श्रीवास्तव, संपर्क संयोजक शैलेश श्रीवास्तव, नीरज वर्मा, मनोज कुमार सिन्हा, महेन्द्र बरनवाल, मिथलेश शर्मा, मुकेश कुमार सहित भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता मुकेश कुमार, संजीत कुमार, संतोष सिंह तथा अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।इस कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने पर्यावरण सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए सामूहिक रूप से संकल्प लिया। सभी ने जल संरक्षण, वायु संरक्षण तथा भूमि संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने और अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का संकल्प दोहराया है।

जीबीएम कॉलेज की एनएनएस स्वयंसेवकों ने एमयू परिसर में किया पौधरोपण

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गौतम बुद्ध महिला कॉलेज की एनएसएस स्वयंसेवक वैष्णवी कुमारी, अंजली मिश्रा, कशिश सिंह, अंजली कुमारी, श्रुति वर्मा, अनीषा कुमारी, गीतांजलि, सिमरन, व अन्य ने मगध विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित प्रभात फेरी एवं पौधरोपण कार्यक्रम में बढ़चढ़कर भाग लिया। एनएसएस स्वयंसेवकों ने मिलजुलकर मगध विश्वविद्यालय, परिसर में आम, अमरूद, लीची, जामुन, आदि के फलदार वृक्षों के पौधे लगाए। प्रभात फेरी में एक पेड़, एक जीवन, जल बचाओ, जीवन बचाओ, स्वच्छ पर्यावरण, स्वस्थ भविष्य, प्रकृति से प्रेरणा, जलवायु के लिए समाधान जैसे नारे लगाकर स्वयंसेवकों ने समाज को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित भी किया है।जीबीएम कॉलेज की एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर डॉ कुमारी रश्मि प्रियदर्शनी ने बतलाया कि प्रधानाचार्या डॉ सीमा पटेल से प्राप्त निदेर्शानुसार, महाविद्यालय की एनएसएस इकाई द्वारा 5 जून से 4 जुलाई तक चलाए जा रहे विश्व पर्यावरण माह-सह-पौधारोपण अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत कॉलेज की स्वयंसेवक फलों के बीजों को गोबर तथा मिट्टी में लपेट कर सीड बॉल्स बनाएंगी। डीएफओ एवं वन विभाग के संबंधित अधिकारियों से अनुमति प्राप्त करके छात्राएँ उपजाऊ खाली पड़े स्थानों पर जैसे सीताकुंड, गायत्री घाट, ब्राह्मणी घाट, आजाद पार्क, गाँधी मैदान परिसर में, सीड बॉल्स फेंककर पेलेटिंग द्वारा पौधरोपण अभियान का हिस्सा बनेंगी। सीड बॉल्स द्वारा पौधरोपण की प्रक्रिया पर प्रकाश डालते हुए डॉ रश्मि ने बतलाया कि बीजों को गोबर और मिट्टी में मिलाकर फेंकने की इस प्रक्रिया को सीड बॉल मेकिंग, सीड बॉम्बिंग या पेलेटिंग कहा जाता है। गुरिल्ला गार्डेनिंग स्टाइल में सीड बॉल्स अथवा बीज गोलों द्वारा पौधारोपण की प्रक्रिया वनों की कटाई रोकने और अनुर्वर जमीन पर हरियाली लाने का एक सरल, सुलभ और सफल पारंपरिक तरीका है। गोबर और मिट्टी में मौजूद प्राकृतिक पोषक तत्व बीजों को ऊर्जस्वित रखने में सहायक होते हैं।

जिले के मुख्य समस्याओं को लेकर कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

अरवल। रेलवे संघर्ष समिति एवं अरवल विकास मंच के तत्वाधान में मुख्य संयोजक रेल आंदोलन के सूत्रधार मनोज सिंह यादव के नेतृत्व में अरवल के मुख्य समस्या पर जिला कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया गया, मुख्य मांग में बिहटा अरवल औरंगाबाद रेल लाइन में अतिशीघ्र निर्माण कार्य जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया चालू किया जाए जिससे अरवल जिला रेलवे लाइन से जुड़ सके अरवल जिला के नेशनल हाईवे 139 प्रतिदिन मौत का कुआं बना हुआ है इससे निजात पाने के लिए फोरलेन बनना चाहिए जिला मुख्यालय अरवल शहर से सट्टे बाईपास का निर्माण अति शीघ्र होना चाहिए देश की आजादी के बाद हमीद नगर पुनपुन बराज परियोजना लंबित है इसे पूरी करने के लिए संघर्ष लगातार जारी है इसे पूरा किया जाए सिंचाई सोन नहर के सवाल पर का कदवन जलाशय परियोजना को पूरा किया जाए ।

अरवल में जल संकट के सवाल पर नल जल के सवाल पर उच्च स्तरीय जांच कराई जाए अवैध बालू खनन पर रोक लगाई जाए भ्रष्टाचार पर लगाम लगाई जाए एवं अन्य मुद्दा पर अरवल जिला बस स्टैंड से कलेक्ट्रेट के मुख्य द्वार तक आक्रोश मार्च निकाला गया वक्ताओं ने कहा कि जब तक हमारी मांगे पूरी नहीं होगी जन आंदोलन जारी रहेगा आंदोलन के नेतृत्व अरे आंदोलन के सूत्रधार मनोज सिंह यादव कर रहे थे आक्रोश मार्च में आंदोलन के प्रमुख साथी धनंजय कुमार सिंह रजनीश कुमार सुरेंद्र कुमार सिंह मंटू कुमार यादव ओमप्रकाश पप्पू चंद्रकांत कुमार नरेश राजवंशी छोटू कुमार रजनीश कुमार गजेंद्र कुमार उपेंद्र कुमार एवं सैकड़ो लोग उपस्थित थे

विश्व पर्यावरण दिवस पर स्कूल में पौधरोपण

प्रातः किरण संवाददाता

औरंगाबाद। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के अवसर पर औरंगाबाद जिले के अंबा प्रखंड स्थित सोनबरसा के संत जोसेफ पब्लिक स्कूल में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संडा वन प्रक्षेत्र के रेंजर अविनाश कुमार ने पौधा लगाकर किया। इस दौरान विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के 50 पौधे लगाए गए तथा पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया गया। रेंज

विश्व पर्यावरण दिवस पर बेतिया पर्यवेक्षण गृह में हुआ पौधारोपण

■ बच्चों को दिया गया प्रकृति संरक्षण का संदेश

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। विश्व पर्यावरण दिवस के शुभ अवसर पर पश्चिम चंपारण (बेतिया) स्थित बाल देखरेख संस्थान (पर्यवेक्षण गृह) में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संस्थान के परिसर को हरा-भरा बनाना और यहाँ रह रहे किशोरों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि माननीय प्रधान दंडाधिकारी /सदस्यगण किशोर न्याय परिषद पश्चिम चंपारण के द्वारा सामूहिक रूप से पौधा लगाकर की गई। इसके बाद परिसर के विभिन्न हिस्सों में फलदार, छायादार और औषधीय पौधे रोपे गए। इस खास मौके पर उपस्थित माननीय प्रधान दंडाधिकारी (किशोर न्याय परिषद, पश्चिम चंपारण) ने पर्यावरण की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहाः प्रकृति और मनुष्य का रिश्ता बेहद गहरा है। आज के समय में बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन से निपटने का एकमात्र तरीका बड़े पैमाने पर पौधारोपण करना है। बाल देखरेख संस्थान में इस कार्यक्रम को आयोजित करने का मकसद यह है कि यहाँ रह रहे बच्चे पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी लें। जब ये बच्चे एक पौधे को बढ़ते हुए देखेंगे, तो उनके भीतर संवेदनशीलता, धैर्य और समाज के प्रति सकारात्मक सोच का विकास होगा। वृक्ष लगाना सिर्फ आज की जरूरत नहीं, बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित भविष्य की नींव है। कार्यक्रम की देखरेख कर रहे पर्यवेक्षण गृह के प्रभारी अधीक्षक श्री प्रमोद सिंह लोधी ने संस्थान की इस पहल की सराहना की और अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहाः हमारे संस्थान का हमेशा यह प्रयास रहता है कि यहाँ बच्चों को एक सकारात्मक और सुधारात्मक माहौल मिले। आज विश्व पर्यावरण दिवस पर लगाए गए ये पौधे न केवल परिसर को सुंदर बनाएंगे, बल्कि बच्चों को प्रकृति से जोड़ेंगे। संस्थान का स्टाफ और बच्चे मिलकर इन पौधों की नियमित देखभाल करेंगे ताकि ये सुरक्षित रह सकें। हम माननीय प्रधान दंडाधिकारी महोदय और परिषद के सदस्यों के आभारी हैं, जिन्होंने यहाँ आकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

इस गरिमामयी अवसर पर संस्थान के समर्पित शिक्षक गण– श्री अंबुज अनुपम, श्री शुभम सर्राफ और श्री प्रभात कुमार झा भी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। शिक्षकों ने बच्चों को पर्यावरण दिवस के इतिहास और वर्तमान में इसकी प्रासंगिकता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान संस्थान के कर्मियों और उपस्थित बच्चों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और रोपे गए पौधों को जीवित रखने तथा उनकी सुरक्षा करने का सामूहिक संकल्प लिया।

जनसुनवाई में जिला पदाधिकारी ने सुनीं 118 शिकायतें

■ कई मामलों का तत्काल हुआ निपटारा

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। जिला मुख्यालय स्थित समाहरणालय परिसर में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में जिलाधिकारी तरनजोत सिंह ने आम नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों से पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन के समक्ष रखीं। जनसुनवाई के दौरान कुल 118 मामलों की सुनवाई की गई। प्राप्त शिकायतों में भूमि विवाद, राजस्व संबंधी समस्याएं, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, बिजली आपूर्ति, पेयजल संकट, सड़क निर्माण एवं मरम्मत तथा राशन कार्ड से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रहीं। जिलाधिकारी ने प्रत्येक मामले की विस्तार से समीक्षा करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कार्यक्रम के दौरान कई मामलों का समाधान मौके पर ही कर दिया गया, जिससे फरियादियों को तत्काल राहत मिली। जनसुनवाई में हरिहर राम, विजय कुमार वर्मा, अरूण कुमार मुखिया, रूदल पंडित, योगेन्द्र साह, हीरामती देवी, प्रेम कुमार अग्रवाल, हरेन्द्र राम, राधिका देवी, बसंती देवी, सुनिता देवी, कृष्णा साह, मुन्ना कुमार, केशव राव, शिव कुमार श्रीवास्तव, अंकित कुमार, म0 आलमगीर, प्यारेलाल चौधरी सहित बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी शिकायतें प्रशासन के समक्ष रखीं। यह जनसुनवाई कार्यक्रम राज्य सरकार के सात निश्चय-3 के अंतर्गत संचालित ह्लसबका सम्मान-जीवन आसानह्व अभियान के तहत आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान कर उन्हें बेहतर एवं सुगम प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर अपर समाहर्ता राजीव रंजन सिन्हा, अपर समाहर्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अमरेन्द्र कुमार, वरीय उप समाहर्ता अहमद अली, पीजीआरवओ, बेतिया मासूम अंसारी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

नेपाल के 14 जिलों में हीट वेव का अलर्ट

बगहा। नेपाल के तराई-मधेश क्षेत्र में बढ़ती भीषण गर्मी को देखते हुए जल तथा मौसम विज्ञान विभाग ने 14 जिलों में हीट वेव (लू) की चेतावनी जारी की है। विभाग ने प्रभावित क्षेत्रों के नागरिकों से अगले तीन दिनों तक विशेष सतर्कता बरतने और स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों का पालन करने की अपील की है। विभाग के अनुसार मधेश और तराई क्षेत्र के विभिन्न जिलों में अत्यधिक गर्मी पड़ने की संभावना है। इसके अलावा सात अन्य जिलों में भी गर्मी को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी गई है। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि कोसी, बागमती, गंडकी, लुम्बिनी तथा सुदूर पश्चिम प्रदेश के तराई क्षेत्रों में अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक दर्ज किया जा सकता है। जल तथा मौसम विज्ञान विभाग ने लोगों को दोपहर के समय अनावश्यक रूप से घर से बाहर नहीं निकलने, पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, हल्के एवं सूती कपड़े पहनने तथा बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी है। विभाग ने बताया कि हीट वेव की स्थिति अगले तीन दिनों तक बने रहने की संभावना है। इसे देखते हुए स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य संस्थानों को भी आवश्यक तैयारी रखने के निर्देश दिए गए हैं। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि लगातार बढ़ती गर्मी के कारण जनजीवन प्रभावित हो सकता है तथा स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं।

वीटीआर के जंगल में अवैध शराब निर्माण का वीडियो वायरल

बगहा। वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वीटीआर) के मदनपुर वन क्षेत्र में अवैध कच्ची शराब निर्माण का मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। गंडक नदी के किनारे जंगल क्षेत्र में भारी मात्रा में कच्ची शराब बनाए जाने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। वीडियो में जंगल के भीतर शराब निर्माण से जुड़ी गतिविधियां स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही हैं, जिसके बाद वन विभाग और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मदनपुर वन क्षेत्र में अवैध शराब निर्माण का यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी कई बार जंगलों में संचालित शराब भट्टियों का खुलासा हो चुका है। वन विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने पूर्व में कई अभियानों के दौरान हजारों लीटर कच्ची शराब, गुड़, महुआ और शराब बनाने में प्रयुक्त अन्य सामग्रियों को नष्ट किया है। इसके बावजूद अवैध कारोबार पूरी तरह समाप्त नहीं हो सका है।

इनामी और वांटेड ड्रग तस्कर बाबूलाल यादव चढ़ा पुलिस के हत्थे

रक्सौल। पूर्वी चंपारण जिले की नकरदेई थाना पुलिस को नशे के काले कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान में एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। थाना अध्यक्ष भरत कुमार के कुशल नेतृत्व में पुलिस टीम ने जाल बिछाकर एनडीपीएस एक्ट के तहत वांछित और इनामी तस्कर बाबूलाल यादव को धर दबोचा है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तारी के दौरान तलाशी लेने पर आरोपी के पास से भारी मात्रा में मादक पदार्थ और नकदी बरामद की गई है। पुलिस ने मौके 36.45 ग्राम स्मैक बरामद की है। इस दौरान 25,000 भारतीय रुपये और 14,500 नेपाली रुपये भी बरामद हुए। आरोपी बाबूलाल यादव लंबे समय से सीमावर्ती इलाकों में मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध सिंडिकेट चलाने में संलिप्त था। उसके खिलाफ पहले से भी एनडीपीएस एक्ट के तहत कई गंभीर मामले दर्ज हैं।

घरेलू गैस के 31503 एवं वाणिज्यिक गैस के 1361 सिलेंडर उपलब्ध

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। जिले में घरेलू एवं वाणिज्यिक गैस सिलेंडरों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित है और उपभोक्ताओं को निर्बाध आपूर्ति प्रदान की जा रही है। अपर समाहर्ता-सह-जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्री अनिल कुमार सिन्हा ने बताया कि वर्तमान में जिले में 14.2 किलोग्राम के 31503 घरेलू गैस सिलेंडर तथा 19 किलोग्राम के 1361 वाणिज्यिक गैस सिलेंडर उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि 4 जून को जिलेभर में कुल 12194 गैस सिलेंडरों की सफलतापूर्वक होम डिलीवरी कराई गई। जिला प्रशासन का लगातार प्रयास है कि उपभोक्ताओं को बिना किसी अनावश्यक विलंब के उनके घर तक गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जाए, जिससे आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। श्री सिन्हा ने बताया कि गैस आपूर्ति एवं वितरण से संबंधित प्राप्त 13 शिकायतों को संबंधित अनुमंडल पदाधिकारियों को अग्रसारित करते हुए त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही शिकायतों के निष्पादन की नियमित मॉनिटरिंग भी की जा रही है, ताकि उपभोक्ताओं की समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जा सके। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि गैस बुकिंग, डिलीवरी अथवा आपूर्ति से संबंधित किसी भी प्रकार की देरी, अनियमितता या अन्य शिकायत होने पर जिला नियंत्रण कक्ष के दूरभाष संख्या 06254-247002 एवं 06254-247003 पर संपर्क कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

जलवायु संरक्षण हेतु युवा सहभागिता थीम पर संत लौरेंस स्कूल चुहड़ी में कार्यक्रम का किया गया आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। माय भारत के तत्वावधान में दिनांक 05 जून 2026 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर संत लौरेंस स्कूल चुहड़ी में पर्यावरण संरक्षण एवं जागरूकता से संबंधित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि शशांक मित्तल, जिला युवा अधिकारी, माय भारत, प० चम्पारण तथा आदित्य कुमार मधुकर और प्राचार्य रोनाल्ड कुँअर सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन करके किया। उसके बाद विद्यालय के प्रधानाचार्य ने बुके और अंगवस्त्र से अतिथियों का स्वागत किया और विद्यालय की छात्राओं ने स्वागत गान प्रस्तुत करके अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि शशांक मित्तल, युवा अधिकारी, माय भारत, प०चम्पारण ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 द्वारा प्रदत्त जीवन के अधिकार तथा माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा प्रतिपादित इस सिद्धांत को स्वीकार करते हुए कि स्वच्छ, स्वस्थ एवं सुरक्षित पर्यावरण प्रत्येक व्यक्ति का मौलिक मानवाधिकार है, सभी को शपथ ग्रहण कराई इसी उपलक्ष्य में संत लौरेंस स्कूल, चुहड़ी में शपथ, पेंटिंग, चित्रांकन, भाषण प्रतियोगिता और एक छात्र - एक पौधा अभियान आदि कार्यक्रम आयोजित किये गए। इसी क्रम में मुख्य अतिथि शशांक मित्तल ने विद्यालय के छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा पर्यावरण संरक्षण करना हरेक व्यक्ति का दायित्व है, प्रत्येक व्यक्ति को एक पौधा अवश्य लगानी चाहिए और उसका संरक्षण करना चाहिए। वही विद्यालय के प्रधानाचार्य कार्यक्रम को संबोधित करते हुए छात्र-छात्राओं को कहा कि आज के समय में जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण के कारण जन जीवन काफी प्रभावित हो रहा है, जल संकट, प्रदूषित वातावरण कई बीमारियां फैल रही है। ऐसे में हम सभी का कर्तव्य है लोगों को जागरूक करें, पेड़ लगाएं और पानी का दुरूपयोग नहीं करें। एक व्यक्ति एक पेड़ लगाएगा तो कई जीवन सुरक्षित होगा। इसलिए सभी छात्र- छात्रा एक पौधा जरूर लगाएं और उसे पेड़ बनाने के लिए सुरक्षित करें। कार्यक्रम में उपस्थित यूथ ऑइकन बिहार आदित्य मधुकर ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा आज युवा शक्ति अपने कार्यों से हरेक क्षेत्र में न सिर्फ अपनी पहचान बनाये है बल्कि देश, समाज में बेहतर कार्य के लिए परिवर्तन के लिए बढ़चढ़ कर आगे आ रहे है। इसलिए हम युवाओं का फर्ज बनता है कुछ ऐसा कार्य कर जाए जिससे खुद का नाम रौशन हो साथ ही देश की प्रगति में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सके। मैं आप सभी से यही कहना चाहूंगा आइये हम सब मिलकर पेड़ लगाए जीवन बचाये साथ ही प्लास्टिक मुक्त वातावरण बनाएं। इसी क्रम में भाषण प्रतियोगिता में मेरा भारत, ग्रीन भारत :जलवायु संरक्षण हेतु युवा सहभागिता पर शानदार प्रस्तुति देते हुए छात्र- छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण की महत्ता को बताया। उसके बाद अतिथियों ने विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण थीम पर बनाई गई चित्रकला, पेंटिंग, पोस्टर प्रदर्शनी का अवलोकन किया। पेंटिंग प्रतियोगिता के विजेता अर्जुन कुमार, शालू कुमारी, आदेश कुमार, सत्यम कुमार, शिवानी कुमारी और भाषण प्रतियोगिता के विजेता शाहिल कुमार, शिधार्थ कुमार और समीर गुप्ता को युवा अधिकारी श्री शशांक मित्तल ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। विद्यालय के सौ विद्यार्थियों के बीच पौधा वितरण किया गया अंत में सभी अतिथियों और प्रधानाचार्य संयुक्त रूप से पौधा रोपण किये। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक आकाश सेंसिल ने किया, प्रियंका कुमारी, सोनाली राजेश सहित अन्य शिक्षकगण ने कार्यक्रम की सफल बनाने में अपनी महती योगदान दिया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर वीटीआर और वन विभाग का हरित अभियान

■ मंगूराहा, मदनपुर, बगहा, हरनाटांड़, गौनौली समेत वाल्मीकिनगर के विभिन्न क्षेत्रों में हुआ पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिलाया संकल्प

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वीटीआर) रेंजर सत्यम कुमार, एसीएफ सत्यम कुमार के नेतृत्व मे वन विभाग द्वारा शुक्रवार को वन क्षेत्रों और सीमावर्ती गांवों रहुआ टोला व वाल्मीकिनगर में व्यापक पौधरोपण एवं जागरूकता अभियान चलाया गया। वहीं, मंगूराहा, मदनपुर, बगहा, हरनाटांड़, गौनौली, भवानीपुर, रुपौलिया के विभिन्न वन परिसरों में आयोजित कार्यक्रमों में वन अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, एसएसबी जवानों और ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।बगहा, मदनपुर में जनप्रतिनिधियों और वन अधिकारियों ने लगाए पौधे बगहा, मदनपुर वन प्रक्षेत्र के वन परिसर अंतर्गत वन कक्ष संख्या एम-1 में आयोजित कार्यक्रम में रेंजर नसीम अहमद, रेंजर मलाकार, एसीएफ, अन्य वन अधिकारियों, स्थानीय विधायक, वनरक्षियों, सरपंच एवं ग्रामीणों ने संयुक्त रूप से पौधरोपण किया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण एवं हरित क्षेत्र बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया गया। मंगूराहा में वन विभाग और एसएसबी ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेशः मंगूराहा क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम में रेंजर अंशुमन कुमार, वनपाल उदित शर्मा, एसएसबी के सहायक कमांडेंट पी.के. मंडल, ईडीसी अध्यक्ष विजय कुमार, गौनाहा थाना प्रभारी संतु कुमार तथा स्थानीय मुखिया बिंद्रा प्रसाद यादव की उपस्थिति में पौधरोपण किया गया। अधिकारियों ने लोगों को वृक्षों के महत्व और वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूक किया। भवानीपुर एवं रुपौलिया क्षेत्रों में डीएफओ शिखर प्रधान के मार्गदर्शन में रेंजर अंशुमन कुमार, वनपाल राहुल कुमार झा, वनपाल हिमांशु कुमार।

व्यवसायिक समागम एवं सम्मान समारोह का होगा भव्य आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल। रक्सौल चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा दिनांक 08/06/26 को पंकज वाटिका रक्सौल मे व्यापारिक हितार्थ कार्यों को प्राथमिकता देते हुए संगठन की एकजुटता प्रदर्शित करने एवं सभी को सम्मानित करने के उद्देश्य से भव्य व्यवसायिक समागम एवं सम्मान समारोह का आयोजन होना सुनिश्चित है। समारोह के मुख्य अतिथि माननीय सांसद श्री डॉ. संजय जायसवाल जी एवं विशेष अतिथि विधायक प्रमोद कुमार सिन्हा के द्वारा चैंबर के सभी सम्मानित सदस्यों को सम्मानित किया जाएगा। समारोह में बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज, बीरगंज उद्योग वाणिज्य संघ, सहित भारत-नेपाल उद्योग जगत की जानी-मानी हस्तियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं बैंक प्रबंधकों के साथ साथ अनन्य सम्मानित स्थानीय गणमान्य बुद्धिजीवी वरिष्ठ नागरिकों की गरिमामई उपस्थिति रहेगी। जिसकी जानकारी चैंबर के अध्यक्ष राकेश कुमार कुशवाहा एवं महासचिव सह मिडिया प्रभारी शम्भु प्रसाद चौरसिया ने देते हुए बताया कि कार्यक्रम की भव्यता एवं अधिकतम लोगों तक रक्सौल चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा आयोजित समारोह की जानकारी पहुंचे शहर के विभिन्न जगहों पर बड़े बड़े बैनर लगाए गए हैं।

सुनियोजित अपराध और मनी लाउंड्रिंग मामले में टिक-टॉकर तुलशा जेल भेजी गई

प्रात : किरण संवाददाता

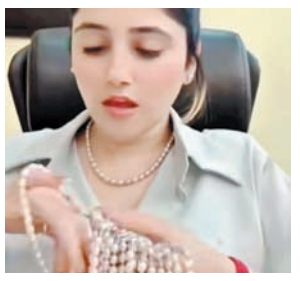

बगहा। सुनियोजित अपराध एवं मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले में चर्चित टिक-टॉकर तुलशा (तुलसी) को अदालत के आदेश के बाद जेल भेज दिया गया। इस कार्रवाई के बाद सोशल मीडिया और आम लोगों के बीच मामले को लेकर व्यापक चर्चा शुरू हो गई है। जांच एजेंसियों के अनुसार, तुलशा पर सुनियोजित अपराध से जुड़े व्यक्तियों के साथ कथित संबंध रखने तथा अवैध गतिविधियों से अर्जित संपत्ति के लेन-देन में संलिप्तता के आरोप लगाए गए हैं। मामले की जांच के दौरान जुटाए गए साक्ष्यों और दस्तावेजों के आधार पर अदालत में आरोप प्रस्तुत किए गए थे।

लंबे समय से चल रही थी जांचः अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच पिछले कई महीनों से चल रही थी। वित्तीय लेन-देन, बैंक खातों और अन्य आर्थिक गतिविधियों की जांच के बाद संबंधित एजेंसियों ने कानूनी कार्रवाई आगे बढ़ाई।

अदालत ने सुनवाई के बाद दिया आदेशः मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने आरोपों के समर्थन में विभिन्न दस्तावेज और साक्ष्य प्रस्तुत किए। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने तुलशा को न्यायिक हिरासत में जेल भेजने का आदेश जारी किया।

जांच जारी जांच एजेंसियों का कहना है कि मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। यदि जांच में अन्य व्यक्तियों की संलिप्तता सामने आती है तो उनके विरुद्ध भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस बीच, मामले को लेकर सोशल मीडिया पर विभिन्न प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। अधिकारियों ने कहा है कि जांच निष्पक्ष और कानून के दायरे में रह

नौरंगिया दरदरी व वाल्मीकिनगर में पेयजल संकट गहराया

■ एक माह से बंद पड़ा जलापूर्ति सिस्टम, भीषण गर्मी में पानी के लिए भटक रहे ग्रामीण

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। भीषण गर्मी के बीच प्रखंड क्षेत्र के नौरंगिया दरदरी पंचायत और वाल्मीकिनगर पंचायत में पेयजल संकट गहरा गया है। नल-जल योजना का संचालन ठप होने से हजारों ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पानी की समस्या को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

सूत्र बताते हैं की, नौरंगिया दरदरी पंचायत के वार्ड संख्या-12 में पिछले एक माह से नल-जल योजना पूरी तरह बंद पड़ी है।

जलनल प्लांट का सिस्टम फेल होने के कारण घरों तक पेयजल की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। थारू बाहुल्य इस क्षेत्र के लोग भीषण गर्मी में पानी के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि जलापूर्ति बहाल कराने के लिए कई बार संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से शिकायत की गई, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हो सका है। नतीजतन लोगों को दूर-दराज के चापाकलों और अन्य स्त्रोतों से पानी लाना पड़ रहा है। वाल्मीकिनगर पंचायत के दो वार्डों में भी ठप हुई जलापूर्तिः वहीं, वाल्मीकिनगर पंचायत के वार्ड संख्या-13 और 14 में भी पिछले एक सप्ताह से पेयजल आपूर्ति बंद है।

ग्रामीणों के अनुसार जलनल प्लांट का स्टेबलाइजर जल जाने के कारण पूरे क्षेत्र में पानी की सप्लाई ठप हो गई है। इससे दोनों वार्डों के लोगों के सामने पेयजल का गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि यह इलाका छोटी पहाड़ियों पर बसा हुआ है, जहां गर्मी के मौसम में पहले से ही पानी की समस्या बनी रहती है।

ऐसे में नल-जल योजना बंद होने से संकट और गहरा गया है। महिलाओं और बच्चों को पानी के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर व्यवहार न्यायालय परिसर में हुआ पौधारोपण

प्रात : किरण संवाददाता

मोतिहारी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पूर्वी चम्पारण, मोतिहारी के बैनर तले व्यवहार न्यायालय परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस की थीम ह्ल इंस्पायर्ड बाय नेचर, फॉर क्लाइमेट, फॉर और फ्यूचर के अनुरूप पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के निर्माण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ व्यवहार न्यायालय परिसर में पौधरोपण कर किया गया। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री अभिषेक कुमार दास, प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय श्री इसरार अहमद, एडीजे-प्रथम श्री सुरेन्द्र प्रसाद, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार श्री नितिन त्रिपाठी तथा जिला वन प्रमंडल पदाधिकारी श्री राजकुमार शर्मा ने एक-एक पौधा लगाकर पर्यावरण को प्रदूषणमुक्त बनाने तथा अधिकाधिक वृक्षारोपण करने का संकल्प लिया। साथ ही उपस्थित सभी लोगों ने पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन हेतु शपथ भी ग्रहण की। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री अभिषेक कुमार दास ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण के साथ-साथ लगाए गए पौधों का संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पूर्वी चम्पारण, मोतिहारी श्री नितिन त्रिपाठी ने अपने संबोधन में कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस मनाने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इसे जनआंदोलन का रूप देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है कि वह वृक्षारोपण करे तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में सक्रिय योगदान दे। उन्होंने उपस्थित लोगों से अपील की कि वे अपने जीवन में अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनकी देखभाल करें तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि स्वच्छ एवं हरित पर्यावरण ही आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य प्रदान कर सकता है। जिला वन प्रमंडल पदाधिकारी श्री राजकुमार शर्मा ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण समय की आवश्यकता है। उन्होंने न्यायिक पदाधिकारियों को पौधा भेंट कर सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में न्यायिक पदाधिकारीगण श्री विद्या प्रसाद, श्री कमलेश चंद्र मिश्रा, श्री बृजेश कुमार, श्री राकेश कुमार तिवारी, श्रीमती रेशमा वर्मा सहित अन्य न्यायिक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

आइए हम सब मिलकर वृक्ष लगाएं, धरती माता का ऋण चुकाएं की गूंज से गुंजायमान हुआ विद्यालय परिसर

■ विश्व पर्यावरण दिवस पर भारत विकास परिषद ने किया पौधारोपण, जलवायु संरक्षण का दिया संदेश

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल। शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारत विकास परिषद, शाखा-रक्सौल द्वारा शहर के विवेकानन्दपुरी स्थित सरस्वती विद्या मंदिर परिसर में वृक्षारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर ह्लआइए हम सब मिलकर वृक्ष लगाएं, धरती माता का ऋण चुकाएंह्व जैसे प्रेरणादायी नारों से गुंजायमान हो उठा। कार्यक्रम का आरंभ भारत माता एवं स्वामी विवेकानंद जी के तैल चित्र पर पुष्पांजलि के उपरांत वन्दे मातरम के गायन से हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता संरक्षक अवधेश सिंह ने जबकी संचालन उमेश सिकारिया ने की। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष रजनीश प्रियदर्शी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में प्रकृति को सदैव माता के समान पूजनीय माना गया है। हमारे ऋषि-मुनियों ने वृक्षों, नदियों, पर्वतों एवं समस्त प्राकृतिक संसाधनों को जीवन का आधार मानते हुए उनके संरक्षण का संदेश दिया है। आज बढ़ते प्रदूषण एवं जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है। कार्यक्रम में पर्यावरण संयोजक विजय कुमार साह ने कहा कि एक वृक्ष केवल पौधा नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वायु, शीतल छाया, जल संरक्षण और स्वस्थ जीवन का अमूल्य उपहार है। उन्होंने परिषद के सभी सदस्यों से ह्लएक सदस्यझ्रएक वृक्षह्व का संकल्प लेने तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। वहीं संरक्षक अवधेश सिंह, सचिव नरेश कुमार एवं सेवा संयोजक सह मीडिया प्रभारी बिमल कुमार सर्राफ ने संयुक्त रूप से कहा कि पृथ्वी हमें जीवन प्रदान करती है, इसलिए उसका संरक्षण करना हम सभी का नैतिक दायित्व है। जलवायु परिवर्तन की बढ़ती चुनौती से मुकाबला करने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को कम-से-कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए तथा प्राकृतिक संसाधनों का संयमित और जिम्मेदार उपयोग करना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान औषधीय, ऑक्सीजन उत्सर्जित करने वाले, फलदार एवं छायादार पौधों का जाली सहित रोपण किया गया। विद्यालय के प्राचार्य प्रेमरंजन पटेल ने भी भाविप रक्सौल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अपने संबोधन में पर्यावरण संरक्षण को वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से वृक्षारोपण को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर विद्यालय के आचार्य-आचायार्एं, महिला सहभागिता प्रमुख एवं परिषद के सम्मानित सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में अवधेश सिंह, श्रीमती मेनका गुप्ता, रजनीश प्रियदर्शी, नरेश कुमार, सुनील कुमार, उमेश सिकारिया, राकेश कुशवाहा, विनोद कुमार, बिमल कुमार सर्राफ, अजय कुमार, विजय कुमार साह, सुनील कुमार, सुरेश धानोठिया, अरविंद जायसवाल, जीतेन्द्र चौरसिया, दिनेश प्रसाद, विनोद रौनियार, विवेक कुमार चौरसिया, विधा मंदिर के प्राचार्य प्रेमरंजन पटेल, चैतन्य कुमार, आशुतोष कुमार, ममता चौबे, सोनी कुमारी, विन्दु कुमारी, खुशी कुमारी, श्रुति बानिया सहित बड़ी संख्या में परिषद सदस्य उपस्थित रहे।

विधायक और डीएफओ ने पौधारोपण कर पर्यावरण रथ को दिखाई हरी झंडी

औरंगाबाद। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को औरंगाबाद वन प्रक्षेत्र अंतर्गत स्थित जैव विविधता उद्यान, भरकुर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, विद्यार्थियों एवं वन विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण और जैव विविधता के महत्व पर विशेष बल दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि औरंगाबाद विधायक त्रिविक्रम नारायण सिंह तथा वन प्रमंडल पदाधिकारी रूचि सिंह ने संयुक्त रूप से पौधारोपण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। दोनों अतिथियों ने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए निरंतर चलने वाला जनआंदोलन है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राजकीयकृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय, भरकुर के विद्यार्थियों के बीच चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर सुल्तानगंज नगर परिषद की अनूठी पहल ,किया गया पौधारोपण

प्रात : किरण संवाददाता

सुल्तानगंज। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सुल्तानगंज नगर परिषद सभागार में कार्यपालक पदाधिकारी अभिषेक आनंद की अध्यक्षता में एक विशेष जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में नगर परिषद क्षेत्र के विभिन्न वार्डों से पहुंचे वार्ड पार्षदों, स्वच्छता कर्मियों एवं नगर परिषद कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और ठोस कचरा प्रबंधन को लेकर जन-जागरूकता बढ़ाना था।

बैठक के दौरान कार्यपालक पदाधिकारी अभिषेक आनंद ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं स्वच्छता कर्मियों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने सभी से कम से कम एक पौधा लगाने तथा उसकी देखभाल करने का संकल्प लेने की अपील की। साथ ही पुराने कपड़े, किताबें एवं अन्य उपयोगी वस्तुओं को रीसाइक्लिंग सेंटर में जमा करने की सलाह दी, ताकि संसाधनों का पुनः उपयोग हो सके और कचरे में कमी लाई जा सके। स्वच्छता पदाधिकारी ज्ञानेंद्र कुमार ने कचरा पृथक्करण की जानकारी देते हुए बताया कि नीले डस्टबिन में सूखा कचरा, हरे डस्टबिन में गीला कचरा, शीशा एवं कांच को अलग तथा भूरे डस्टबिन में नैपकिन जैसे अपशिष्ट डालने चाहिए। उन्होंने कहा कि कचरे का सही तरीके से निपटान स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण के लिए आवश्यक है। बैठक के बाद कार्यपालक पदाधिकारी अभिषेक आनंद, वार्ड पार्षदों एवं नगर परिषद कर्मियों ने नगर परिषद कार्यालय परिसर के बाहर सामूहिक वृक्षारोपण किया। इस दौरान विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए और उनके संरक्षण का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में सहायक अभियंता रुचिका कुमारी, सशक्त स्थायी समिति सदस्य नवीन कुमार बानी, वार्ड पार्षद संजय चौधरी, रूबी कुमारी, सुभाष मंडल, विनोद कुमार रजक सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। सभी ने मिलकर स्वच्छ, हरित और पर्यावरण-अनुकूल सुल्तानगंज के निर्माण का संकल्प दोहराया।

लोदीपुर से गुरहट्टा चौंक के बीच बन रही पुल निर्माण कार्य को ले निगम सुस्त

■ नगर निगम की लापरवाही से जनता हो रहे परेशान

प्रात : किरण संवाददाता

भागलपुर। नगर निगम अंतर्गत वार्ड 48 एवं कई अन्य वार्डों को पुल निगम द्वारा चल रहे निर्माण कार्यों के कारण से कभी उड़ती धूल और नालियों की जमी पानियाँ कुम्हार टोली प्रजापति नगर जो दक्षिणी क्षेत्रीय से उत्तरी क्षेत्रीय तक जाने वाले जनता को वार्ड 48 से होकर अपनी जरूरत की कई छोटी छोटी समस्याओं का समाधान करने हेतु शहरों के मुख्य बाजारों ,कचहरी,स्कूल, सब्जी मंडी, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन जैसे मुख्य आपातकालीन इमरजेंसी सेवाओं से बंचित होना पड़ रहा है। सप्ताह दिन पूर्व जब साइक्लोन तूफान आई तो घरों में धूल का भंडार हो गया यूं कहें तो रास्ते दिख नहीं रहे थे।स्थानीय लोगों ने बताया रोड पर जल जमाव के कारण कीचड़ हो जाता है नाले में गाद भरा हुआ है जिसके कारण आम जनता एवं हम परिवार को घरों से निकलना दुर्लभ हो रहा है जेसीबी भी नहीं आती है अगर आई तो नाला की चौड़ाई से ज्यादा बड़ा बकेट वाला आता है जिसके कारण नाला का गाद नहीं निकला नहीं जा रहा है। नाला को उखाड़ कर तितिर बीतिर करके चला गया है नगर निगम वाला भी इस पर ध्यान नहीं दे रहा है।कई बार वार्ड 48 के वार्ड पार्षद कल्पना को मौखिक रूप से कहा गया लेकिन ढाक का वही तीन पात वाली कहानी हो रही है कुछ भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है वार्ड 47 का नाला का पानी यहाँ आ रहा इस पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है हम सभी परेशान हो गए हैं।वहीं पप्पू कुमार मंडल ने कहा सतन भईया का कथन बिल्कुल सही है क्योंकि 26 तारीख के रोज जब वार्ड 48 की पार्षद को फोन लगाकर बताया तो उन्होंने नहीं सुना।

जब से पुल का निर्माण काम चल रहा है तब से जनता को परेशानिया झेलनी पड़ रही है साइकिल को भी टपना मुश्किल हो रहा जबकि पैदल चलना भी दूभर हो गया है,पानी पड़ने के बाद लोग छोटी बड़ी समस्याओं से जूझ रहे हैं जब बारिश हुई तो बारिशों का पानी अन्य वार्ड 47 से हमारे वार्ड 48 में आ गया

डीएम के जनता दरबार में पहुंचे 24 फरियादियों की सुनी गई फरियाद

प्रात : किरण संवाददाता

अरवल। जिला पदाधिकारी अरवल अमृषा बैस द्वारा कार्यालय प्रकोष्ट में जनता से साक्षात्कार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनता से साक्षात्कार में लगभग 24 नागरिकों के द्वारा अपनी समस्याओं से जिला पदाधिकारी को अवगत कराया गया। समस्याएँ मुख्य रूप से भूमि विवाद, अतिक्रमण, दाखिल खारिज, परिमार्जन, बंटबारा, कब्जा, नाली निर्माण, भूमि सुधार उप समाहर्ता, अंचलाधिकारी कार्यालय, थाना प्रभारी कार्यालय, पंचायत शाखा, अनुमंडल कार्यालय, विद्युत विभाग एवं अन्य विभाग से संबंधित थे। जनता से साक्षात्कार में विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी समस्याएं रखीं, जिनमें से अधिकांश का मौके पर ही निष्पादन कर दिया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निदेश दिया गया कि जनता की समस्याओं का समाधान त्वरित और पारदर्शी तरीके से करें। करपी प्रखण्ड स्थित ग्राम कुतुबपुर तेर्रा निवासी मंजु देवी द्वारा बताया गया कि मैं अत्यंत गरीब परिवार के सदस्य एवं विकलांग हूँ। मुझे आवास योजना का दो लाभ प्राप्त हुआ है, जिसमें राशि वापस करने हेतु निदेशित किया जा रहा है। आवास योजना की राशि वापस करने में बिल्कूल अस्मर्थ हूँ मुझे क्षमा करने की कृपा प्रदान की जाए। इस पर जिला पदाधिकारी द्वारा उप विकास आयुक्त अरवल एवं अंचलाधिकरी अरवल को आवश्यश्क कार्रवाई करने हेतु निदेशित किया गया। कलेर प्रखण्ड स्थित ग्राम टेरी निवासी कारू दास द्वारा बताया गया कि सिविल कोर्ट द्वारा जमीन की दाखिल खारिज एवं रसीद काटने हेतु अंचलाधिकरी को निदेशित किया गया था, पर दाखिल खारिज एवं रसीद काटने में टाल मटोल एवं लापरवाही की जा रही है।

आखिर कब तक पेड़ लगाने की खाना पूर्ति होता रहेगा : रवि मोहन पर्यावरण संरक्षक सह मुंगेर विचार ने पर्यावरण दिवस मनाया

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। पर्यावरण संरक्षक सह मुंगेर विचार मंच के जिलाध्यक्ष रवि मोहन उर्फ रवि भगत ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा की 5 जून 1974 को पहला पर्यावरण दिवस मनाया गया था जो संयुक्त राष्ट्र संघ ने विश्व पर्यावरण के बारे में चेतना फैलाने का प्रयास 1972 में ही शुरू कर दिया था पर्यावरण दिवस मनाने के पीछे हमारा यही उद्देश होता है कि हम पृथ्वी पर प्राकृतिक पर्यावरण की हरसंभव रक्षा करें। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक के साथ खेलवाड नहीं करना चाहिए ताकि मनुष्य के स्वस्थ जीवन की संभावना पृथ्वी पर हमेशा बनी रहे क्योंकि प्रकृति के बिना हमारा कोई अस्तित्व नहीं है। उन्होंने कहा कि विगत दो साल पूर्व में पूरे मुंगेर नगर निगम क्षैत्र मे पर्यावरण संरक्षण के नाम पर वृक्षारोपण के साथ ही उसकी घेरा बंदी बांस के लकड़ी से किया गया था जिसमें लाखो रूपया खर्च विभाग ने किया था।

इसके नाम पर कमाने वाले लोग खुब कमाई किये परन्तु हुआ क्या आज धरातल में एक भी वृक्ष नहीं दिख रहा है ओर न ही उस वृक्ष की घेरेबंदी भी नहीं दिख रहा है आखिर प जनता का रूपया का बंदरबांट पर्यावरण संरक्षण वृक्षारोपण के नाम पर लाखों-लाख रूपया की लूट-खसोट कब तक चलता रहेगा।आज इसका सुध कोई स्वयंसेवी संस्था के लोग न ही ले रहा है। इस क्षैत्र के जनप्रतिनिधि न ही राजनीतिक लोग भी इसकी जबावदेही नही ले रहे हैं उन्होंने कहा कि उच्च स्तरीय अधिकारी को भी इस पर कड़ाई से संज्ञान लेकर इस लूट-खसोट का उद्भेदन करना चाहिए। एक ओर डेवलपमेंट के नाम पर गंगा नदी को छोटा कर के विलुप्त करने का काम किया जा रहा है दुसरी और विश्व पर्यावरण दिवस के नाम पर खानापूर्ति किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण के दिन ही पौधा लगाने, वृक्षदान, वृक्षारोपण किजिए पूरे जोर-शोर से प्रचार-प्रसार किजिए फोटो खिचा कर अपना नाम चेहरा चमकाएं और दुसरे दिन से उस वृक्ष को मरने के लिए छोड़ दिजिए आज तक यही तो होते आ रहा है।

आखिर कब तक मुंगेर सहित पूरे बिहार के लोगो के पैसा को बर्बाद किया जाएगा।पर्यावरण से जीवन है इसे अपना दोस्त बनाते हैं चलो मिलकर पेड़ लगाते हैं आखिर कब तक इसके नाम पर लूट-खसोट खानापूर्ति होते रहेगा आप सभी से मेरा निवेदन है कि एक पेड अगर लगाते है तो आप लोग उसका संरक्षण जरूर करें वरना बिल्कुल भी वृक्षारोपण का ढोंग नही करना चाहिए।

वैसे तो बिहार सरकार मरीन ड्राइव, सिक्स लेन, फोर लेन, हाईवे, पुल के सुविधा डबरा मेंटल के नाम पर पर्यावरण, गंगा, खेत खलिहान जमीन आदि को अतिक्रमण करते हुए पूरी तरह से नष्ट प्रातः करने का कार्य तो कर ही रहे है।

पेड़ लगाना जितना आसान है उसका संरक्षण उतना ही कठिन है जो कोई पदाधिकारीगण हो राजनीतिक लोग या आम जनता नहीं करता है आने वाले दिनो में इसका दुष्प्रभाव परिणाम सभी लोगो को देखना होगा न पेड़ बचेगा न जल बचेगा और न ही जीवन बचेंगे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर खड़गपुर थाना परिसर में पौधारोपण

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हवेली खड़गपुर थाना परिसर में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित वातावरण के संदेश को लेकर पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान सर्किल इंस्पेक्टर अरविंद कुमार एवं हवेली खड़गपुर थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में उपस्थित पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने पौधारोपण कर लोगों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने तथा उनकी देखभाल करने की अपील की। अधिकारियों ने कहा कि पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है। बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में पेड़-पौधों की महत्वपूर्ण भूमिका है। मौके पर खड़गपुर थाना के कई पुलिस पदाधिकारी एवं जवान मौजूद रहे।

आंगनबाड़ी केंद्र में135 बच्चों के बीच पोशाक का किया गया वितरण

मुंगेर। शुक्रवार को सदर प्रखंड अंतर्गत नौवागढी दक्षिणी पंचायत के बजरंगबली नगर गांव में आंगनबाड़ी केंद्र में नामांकित बच्चों के बीच पोशाक वितरण किया गया। बाल विकास परियोजना पदाधिकारी मुंगेर ग्रामीण प्रियदर्शनी ने आंगनबाड़ी केंद्र पर पहुंचकर 135 बच्चों के अभिभावकों को पोशाक सौंपी। अपने संबोधन में प्रियदर्शनी ने अभिभावकों से अनुरोध किया कि वे बच्चों को ड्रेस में समय पर आंगनबाड़ी केंद्र भेजें। विभाग द्वारा पोशाक वितरण का उद्देश्य यही है कि बच्चे निर्धारित ड्रेस में केंद्र आएं, जिससे अनुशासन और पहचान बनी रहे। मौके पर महिला पर्यवेक्षिका अलका सिन्हा, आंगनबाड़ी सेविका सीता कुमारी, सहायिका सुलेखा कुमारी और बच्चों के अभिभावक उपस्थित रहे।

जनता दरबार में प्राप्त आवेदन पर जल्द करें करवाई : आयुक्त के सचिव

मुंगेर। आयुक्त के सचिव सुधीर कुमार के द्वारा शुक्रवार को जनता दरबार लगाया गया। इस में आए हुए आवेदकों के आवेदन पर सुनवाई की गई। जिसमें करीब सात आवेदन परसों भाई की गई।आयुक्त के सचिव श्री कुमार ने बताया कि मुंगेर जिला से चार,बेगुसराय जिला से एक , खगड़िया जिला से एक एवं लखीसराय जिला से एक आवेदन प्राप्त हुआ हैं। सभी प्राप्त आवेदन मे भूमि विवाद,पर्चा, बेदखली का मामला, पीडुडीडुएसडु, सेवा से संबंधित एवं अन्य जनहित से जुड़े मुद्दे शामिल थे। जिन पर आयुक्त के सचिव के द्वारा गंभीरता एवं विस्तार से सुनवाई के उपरांत सभी संबंधित पदाधिकारियों को आवेदन पत्र पर त्वरित कारवाई करते हुए, विभागीय नियमो के अनुपालन सहित, निष्पादन करने एवं प्रतिवेदन देने को कहा गया हैं।

ओबरा मे निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर मे उमड़ी भीड़

औरंगाबाद। जिले के ओबरा मुख्यालय के एनएवी परिसर मे डॉक्टर उमंग नारायण के द्वारा मरीजों को जांचों उपरांत निशुल्क दवाइयां का वितरण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व विधायक इंजीनियर सत्यनारायण सिंह ने की। सर्व प्रथम उन्होंने पर्यावरण दिवस के मौके पर सबों को बधाई दी और सबों पांच पांच वृक्ष लगाने को आहवान किया। डॉक्टर उमंग नारायण ने लोगों की प्रारंभिक व्यवस्था के रोकथाम पर निर्देशित किया। उन्होंने मिर्गी नींद मे कमी यादाश्त मे कमजोरी समेत अन्य रोगों का के बारे बताया और उसे समाधान कैसे हो जिसकी जानकारी दी। इस मौके पर मिहिर सिंह ओम प्रकाश कुमार अजय कुमार अजय विश्वकर्मा पंकज कुमार समेत बड़ी संख्या मे लोग उपस्थित थे।

नाबालिगों द्वारा परिचालित कुल 12 ई-रिक्शा जब्त, 47,500 रुपये का वसूला गया जुमार्ना

औरंगाबाद। जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा के निर्देश के आलोक में आज सुनंदा कुमारी, जिला परिवहन पदाधिकारी, औरंगाबाद के नेतृत्व में रमेश चौक के समीप हेलमेट जांच, नो पार्किंग जोन में खड़े वाहनों एवं नाबालिगों द्वारा वाहन परिचालन के विरुद्ध विशेष जांच अभियान संचालित किया गया। अभियान का उद्देश्य सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देना एवं यातायात नियमों के प्रति आमजन में जागरूकता सुनिश्चित करना था।अभियान के क्रम में बिना पंजीकरण एवं नाबालिगों द्वारा परिचालित कुल 12 ई-रिक्शा को जब्त किया ।

विश्व पर्यावरण दिवस को लेकर मानवाधिकार संगठन ने आयोजित किया प्रेस मीट

■ संगठन द्वारा आनंद कश्यप को सौंपा गया जिले का कमान

भागलपुर। राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं आर टी आई जागरूकता संगठन भारत अनवरत 6 वर्षों से बिहार में गरीब असहाय व लाचार व्यक्तियों की निस्वार्थ सहायता करती आ रही है।आज विश्व पर्यावरण दिवस को लेकर संगठन के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष आनंद कश्यप जी ने प्रेस कांफ्रेंस आयोजित किया और आगामी कार्य योजना को लेकर विस्तार से परिचर्चा की। उन्होंने कहा कि अपने संगठन के बैनर तले स्वास्थ्य,शिक्षा और अवैध नशें के खिलाफ जागरूकता पर विशेष ध्यान रहेगा।साथ ही सरकार द्वारा जो भी योजनाएं चलाई जाती है उसके प्रति लोगों में जागरूकता लाया जाएगा।संगठन के कार्यकताओं द्वारा तमाम उपस्थित लोगों के बीच पौधा वितरण किया गया। मौके पर बतौर विशिष्ट अतिथि के रूप में संगठन के मीडिया प्रकोष्ठ राष्ट्रीय सचिव विभूति सिंह, सुबोध कुमार भारती, सुंदरलाल हजारी,मंजू रानी सिंह ने शिरकत किया। वहीं संगठन के मीडिया प्रकोष्ठ राष्ट्रीय सचिव विभूति सिंह ने बताया कि अब भागलपुर को एक उजार्वान और कर्मठ जिला अध्यक्ष मिला है शीघ्र ही तमाम प्रकोष्ठ का विस्तार होगा और धरातल पर संगठन के बैनर तले कार्य दिखाई देगी।वहीं संगठन के पदाधिकारियों में रवि कुमार, संजीव कुमार, नवीन कुमार सिंह,निबराज आलम, रंजीत कुमार सिंह, धर्मवीर कुमार सिंह, रौशन चौधरी व अन्य कार्यकताओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

सुल्तानगंज डबल मर्डर केस में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, फरार उपसभापति नीलम देवी और बेटों के घर चिपकाया इश्तेहार

प्रात : किरण संवाददाता

सुल्तानगंज (नगर परिषद कार्यालय में हुए चर्चित दोहरे हत्याकांड के मामले में पुलिस ने फरार आरोपियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए उनके घरों पर इश्तेहार चिपकाया है। नगर सभापति राजकुमार गुड्डू और कार्यपालक पदाधिकारी कृष्ण भूषण कुमार की हत्या के मामले में नामजद आरोपी उपसभापति नीलम देवी तथा उनके दो पुत्र मनीष कुमार और अंकित कुमार पिछले कई दिनों से फरार चल रहे हैं। शुक्रवार को न्यायालय के निर्देश पर सुल्तानगंज थाना अध्यक्ष मृत्युंजय कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बायपास रोड स्थित उनके आवास पर ढोल-नगाड़े के साथ पहुंचकर इश्तेहार चिपकाया।

गौरतलब है कि 28 अप्रैल की शाम नगर परिषद कार्यालय परिसर में हुई गोलीबारी में कार्यपालक पदाधिकारी कृष्ण भूषण कुमार की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि गंभीर रूप से घायल नगर सभापति राजकुमार गुड्डू ने इलाज के दौरान पटना में दम तोड़ दिया था। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई थी।

पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी रामधनी यादव को एनकाउंटर में मार गिराया था। वहीं सन्नी यादव, अमित यादव, मंटूकी मंडल, विपिन कुमार समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

मृतक के परिजनों के बयान पर दर्ज प्राथमिकी के आधार पर लगातार छापेमारी की जा रही है, लेकिन नीलम देवी और उनके दोनों पुत्र अब तक पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। पुलिस ने इन फरार आरोपियों पर इनाम की घोषणा भी की है। थाना अध्यक्ष मृत्युंजय कुमार ने चेतावनी दी है कि यदि आरोपी 6 जुलाई तक न्यायालय में आत्मसमर्पण नहीं करते हैं तो उनके खिलाफ आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जानकी नगर में विश्व पर्यावरण दिवस पर किया गया पौधारोपण

पर्यावरण बचाव की दी गई जानकारी

● प्रोग्राम ऑफिसर अजय ठाकुर बोले—पर्यावरण बचाना हर नागरिक का कर्तव्य, प्लास्टिक घटाएं, पेड़ बढ़ाएं

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। विश्व पर्यावरण दिवस के शुभ अवसर पर सदर प्रखंड के जानकी नगर गांव में किसानों और जन समुदाय के साथ आईटीसी मिशन सुनहरा कल प्रवाह द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रवाह के प्रोग्राम ऑफिसर अजय कुमार ठाकुर ने कहा कि सभी लोगों को अधिक से अधिक पेड़ लगाने, जल संरक्षण करने, प्लास्टिक के उपयोग को कम करने और जैव विविधता बचाने पर ध्यान देना चाहिए। पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है।

वहीं उपस्थित लोगों ने दैनिक जीवन में पर्यावरण अनुकूल व्यवहार अपनाने का संकल्प लिया और कार्यक्रम स्थल पर पौधारोपण भी किया।

इस अवसर पर प्रवाह के फील्ड स्टाफ श्रवण पंडित और अरुण कुमार , आत्मा प्रतिनिधि भवानी भूषण, रजनीश कुमार उपस्थित थे।

विराट क्लासेस के 44 विद्यार्थियों ने बिहार पुलिस में पाई सफलता

औरंगाबाद। शहर के शाहपुर टिकरी रोड स्थित प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान विराट क्लासेस के 44 छात्र-छात्राओं ने बिहार पुलिस भर्ती परीक्षा में सफलता हासिल कर संस्थान और जिले का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में संस्थान परिसर में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर परिषद अध्यक्ष उदय गुप्ता, रेड क्रॉस चेयरमैन सतीश कुमार सिंह, सच्चिदानंद सिन्हा कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुधीर मिश्रा, समाजसेवी मुकेश लाल गुप्ता तथा वार्ड पार्षद प्रतिनिधि अमित गुप्ता सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। संस्थान के निदेशक अमित कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों की सफलता ही संस्थान की सबसे बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को भी संस्थान की ओर से निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराई जाती है और उनकी सफलता से विशेष संतोष मिलता है। रेड क्रॉस चेयरमैन सतीश कुमार सिंह ने सफल अभ्यर्थियों को ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ सेवा करने की सलाह देते हुए कहा।

रोजगार योजनाओं में युवाओं को जागरूक करने के लिए कार्यशाला का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर (मुंगेर)। युवा रोजगार एवं कौशल विकास विभाग, बिहार, पटना के तत्वाधान में जिला नियोजनालय, मुंगेर के द्वारा मुंगेर संग्रहालय में रोजगार योजनाओं में विभिन्न रोजगार योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना राष्ट्रीय प्रशिक्षुता प्रोत्साहन योजना तथा मुख्यमंत्री प्रतिज्ञा योजना आदि के बारे में जागरूक करने हेतु जागरूकता कार्यक्रम-सह-कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन आलोक कुमार उपनिदेशक (प्रशिक्षण) चंदन राय बीएसडीएम राणा अमितेश जिला नियोजन पदाधिकारी,मुंगेर एवं अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्जवलित कर किया गया। इस मौके पर चंदन राय (

द्वारा मुख्यमंत्री प्रतिज्ञा योजना पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण एवं सुमित जैसवाल द्वारा योजना की विस्तृत प्रस्तुतीकरण दी गई। वहीं आलोक कुमार, उपनिदेशक (प्रशिक्षण) ने सभी उद्योग एवं शैक्षणिण संस्थानों के प्रतिनिधियों से तीनो योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा लाभ लेने का अनुरोध किया। राणा अमितेश जिला नियोजन पदाधिकारी द्वारा सभी उद्योगों एवं शैक्षणिक संस्थानों की इस एक दिवसीय कार्यशाला में सक्रिय भागीदारी लेने के लिए

पत्नी से विवाद के बाद युवक ने लगाई फांसी, सुसाइड नोट में किसी को नहीं ठहराया जिम्मेदार

सुल्तानगंज थाना क्षेत्र के कटहरा पंचायत के वार्ड संख्या 4 में गुरुवार रात एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान राहुल कुमार पासवान के रूप में हुई है, जो टोटो चालक था। बताया जाता है कि राहुल की पत्नी एक सप्ताह पहले पति-पत्नी के बीच हुए विवाद के बाद मायके चली गई थी। गुरुवार शाम दोनों के बीच फोन पर फिर कहासुनी हुई, जिसके बाद राहुल ने यह आत्मघाती कदम उठा लिया।परिजनों के अनुसार, राहुल ने पांच वर्ष पूर्व प्रेम विवाह किया था। दोनों परिवारों की सहमति से हुई शादी के बावजूद पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। पत्नी के मायके जाने के बाद राहुल अपने छोटे भाई के साथ घर में रह रहा था, जबकि उसके माता-पिता बल्लभगढ़ में मजदूरी करते हैं।रात करीब नौ बजे राहुल की चाची खाना देने उसके कमरे में पहुंचीं। काफी आवाज लगाने के बावजूद दरवाजा नहीं खुलने पर चाचा-चाची ने दरवाजा तोड़ा। अंदर राहुल पंखे से लटका मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बिहार सरकार

भवन निर्माण विभाग
विद्युत कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
विद्युत भवन प्रमंडल संख्या–1, पटना।

शुद्धि–पत्र/अवधि विस्तार सूचना

इस कार्यालय का ई–निविदा आमंत्रण सूचना सं0–01 वर्ष 2026–27, जिसका PR No.002918 (BCD) 26-27 है, में अपरिहार्य कारणो से निविदा की तिथियों में निम्नरूप से अवधि विस्तार किया जाता है। जो निम्नरूपेण है:–

विषय वस्तु	पूर्व में निर्धारित तिथि एवं समय	संशोधित तिथि एवं समय
निविदा कागजात अपलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय	दिनांक–15.06.2026 के 15:00 बजे तक	दिनांक–17.06.2026 के 15:00 बजे तक
निविदा कागजात हार्ड कॉपी जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	दिनांक–17.06.2026 को 15:00 बजे तक।	दिनांक–19.06.2026 को 15:00 बजे तक।
निविदा तकनीकी बीड खोलने की अंतिम तिथि एवं समय	दिनांक–17.06.2026 को 15:30 बजे।	दिनांक–19.06.2026 को 15:30 बजे।

शेष अन्य सभी पूर्ववत् रहेगा।

PR- 004982 (B C D) 2026-27

विद्युत कार्यपालक अभियंता,
विद्युत भवन प्रमण्डल संख्या–01, पटना।

नशे की मार, बर्बाद करे सुखी परिवार।

बिहार सरकार

भवन निर्माण विभाग

कार्यपालक अभियंता, पाटलिपुत्र भवन प्रमंडल, पटना का कार्यालय
अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं०–16 वर्ष 2026–27

1. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, पाटलिपुत्र भवन प्रमंडल, पटना।
2. परिमाण–विपत्र बिक्री की तिथि एवं समय: दिनांक–13.06.2026 को 12.00 बजे अपराह्न तक।
3. निविदा प्राप्ति कि तिथि एवं समय : दिनांक–15.06.2026 को 3:00 बजे अपराह्न तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक–15.06.2026 को 3.30 बजे अपराह्न से।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान (क) अधीक्षण अभियंता का कार्यालय, दक्षिण बिहार अंचल, भ0नि0वि0, पटना। (ख) कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पाटलिपुत्र भवन प्रमंडल, पटना। (ग) संबंधित भवन अवर प्रमंडल का कार्यालय, पटना।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान क्रमांक (5) पर वर्णित स्थान पर।
7. कार्य का विवरणी

क्रम सं	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य (ओ0ग्रास)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6
1	Renovation of Raising of Boundary wall in the Campus of R/02 at New Punaichak, Patna for the year 2025-26.	4,29,900.00	9000.00	750.00	7 Days

PR. No. 005101 (BCD) 2026-27

कार्यपालक अभियंता
पाटलिपुत्र भवन प्रमंडल, पटना

निविदा की विस्तृत जानकारी www.state.bihar.gov.in/prdbihar से प्राप्त की जा सकती है।

रक्त की आवश्यकता पड़ने पर लाईसेंस प्राप्त ब्लड बैंकों से ही रक्त प्राप्त करें।

उपभोक्ता हित सर्वोच्च प्राथमिकता, बिहार में मिलेगी निर्बाध बिजली : ऊर्जा मंत्री

ऊर्जा मंत्री ने की विद्युत व्यवस्था की समीक्षा, उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति पर दिया जोर

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार के माननीय ऊर्जा मंत्री शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल ने शुक्रवार को बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड तथा इसकी अनुषंगी कंपनियों नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, बिहार स्टेट पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड एवं बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड के कार्यों, योजनाओं और विकास परियोजनाओं की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में विद्युत वितरण, उत्पादन एवं संचरण से संबंधित योजनाओं, परियोजनाओं तथा विभागीय कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई।

साउथ/नार्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री राहुल कुमार (भा.प्र.से.) ने माननीय ऊर्जा मंत्री के समक्ष विभागीय प्रगति का प्रस्तुतीकरण दिया। इस प्रस्तुतीकरण में उपभोक्ता सेवाओं के विस्तार, विद्युत आपूर्ति प्रणाली के आधुनिकीकरण, बिजली आपूर्ति की स्थिति, ट्रांसफार्मर क्षमता संवर्धन, परियोजनाओं तथा उपभोक्ता शिकायत निवारण तंत्र को मजबूत करने हेतु किए जा रहे प्रयासों की विस्तृत जानकारी शामिल थी।

ऊर्जा सचिव एवं इरढलउछ के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री अजय यादव (भा.प्र.से.) ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकताओं एवं माननीय ऊर्जा मंत्री के मार्गदर्शन में विभाग निरंतर बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उपभोक्ता शिकायतों का त्वरित समाधान और बिजली आपूर्ति व्यवस्था को और मजबूत करना हमारी प्राथमिकता है।

बैठक में माननीय ऊर्जा मंत्री ने पूर्व में विभाग द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की और कहा कि राज्य के आम उपभोक्ताओं को निर्बाध, गुणवत्तापूर्ण एवं भरोसेमंद बिजली उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अधिक दक्षता और प्रतिबद्धता के साथ जनता तक निर्बाध बिजली पहुंचाई जाए तथा उपभोक्ताओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर निष्पादित किया जाए।माननीय मंत्री ने कहा कि बिहार सरकार राज्य के प्रत्येक नागरिक को विश्वसनीय एवं गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने निर्देश दिया कि निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कार्यों को युद्धस्तर पर आगे बढ़ाया जाए तथा उपभोक्ता शिकायतों का त्वरित एवं प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए।

इसके साथ ही ऊर्जा मंत्री ने भीषण गर्मी एवं आगामी मानसून के मद्देनजर सभी आवश्यक तैयारियां समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने का निर्देश दिया। बैठक में बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड तथा इसकी अनुषंगी कंपनियों के वरीय अधिकरी उपस्थित रहे।

रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने शकूरबस्ती डिपो के कर्मचारियों और तकनीकी स्टाफ से किया सीधा संवाद

समस्याओं के समाधान का दिया भरोसा

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, श्री अश्विनी वैष्णव ने आज उत्तर रेलवे के तिलक ब्रिज से शकूरबस्ती रेल सेक्शन का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उत्तर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर क्षेत्र की विभिन्न विकास योजनाओं और प्रगति कार्यों की विस्तृत समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान श्री अश्विनी वैष्णव ने शकूरबस्ती डिपो में कार्यरत कर्मचारियों, मेंटेनेंस स्टाफ और अन्य रेलकर्मियों से सीधे तौर पर संवाद स्थापित किया। एक बेहद आत्मीय और सौहार्दपूर्ण वातावरण में रेल मंत्री ने कर्मचारियों के अनुभवों को सुना, उनकी पीठ थपथपाकर उनका उत्साहवर्धन किया और उनके दैनिक कार्य में आने वाली व्यावहारिक परेशानियों व समस्याओं को गहराई से जाना।

कर्मचारियों के प्रति अपनी संवेदनशीलता का परिचय देते हुए माननीय मंत्री ने बिना किसी प्रशासनिक विलंब के, मौके पर ही मौजूद वरिष्ठ रेल अधिकारियों को उनकी समस्याओं पर गंभीरता से गौर करने तथा उनके त्वरित और समयबद्ध निवारण (डल्ल-३ौ-२स्त्रङ्ग३ ौ१ङ्ग'४३ङ्गल्ल) के लिए कड़े प्रशासनिक आदेश जारी किए।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने तिलक ब्रिज-शकूरबस्ती सेक्शन का किया निरीक्षण

शकूरबस्ती डिपो में हाइड्रोजन ट्रेन और अत्याधुनिक मेंटेनेंस सुविधाओं का लिया जायजा

- रेल मंत्री ने शकूरबस्ती डिपो में हाइड्रोजन ट्रेन का निरीक्षण किया
- विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर किया पौधरोपण; शत-प्रतिशत विद्युतीकरण की ओर तेजी से अग्रसर है भारतीय रेल: अश्विनी

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, अश्विनी वैष्णव ने आज उत्तर रेलवे के तिलक ब्रिज से शकूरबस्ती रेल सेक्शन का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उत्तर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर क्षेत्र की विभिन्न विकास योजनाओं और प्रगति कार्यों की विस्तृत समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान रेल मंत्री शकूरबस्ती स्टेशन पहुंचे, जहाँ उन्होंने अत्याधुनिक रिट्रेक्टेबल ओएचई प्रणाली का बारीकी से अवलोकन किया। यह तकनीक शेड के भीतर इंजनों और ट्रेनों के सुरक्षित व त्वरित रखरखाव में बेहद कारगर है। इसके साथ ही उन्होंने बोगी-पिट और बोगी लिफ्टिंग फैसिलिटीज) का भी निरीक्षण किया और अधिकारियों को ग्राउंड जीरो पर कार्य कुशलता बढ़ाने के निर्देश दिए।

इस दौरे का मुख्य आकर्षण हाइड्रोजन ट्रेन (ल८१ङ्गील्ल ळ्ल्ल) का निरीक्षण रहा। रेल मंत्री ने भविष्य की इस पर्यावरण-अनुकूल ग्रीन टेक्नोलॉजी की प्रगति की समीक्षा की, जो भारतीय रेल को पूरी तरह प्रदूषण मुक्त बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है।

विश्व पर्यावरण दिवस के विशेष अवसर पर माननीय रेलमंत्री ने डिपो परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लिया और पौधारोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के प्रति भारतीय रेल की दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराया।उत्तर रेलवे और संपूर्ण भारतीय रेल वर्तमान में शत-प्रतिशत विद्युतीकरण) की ओर तेजी से अग्रसर है, जो देश को ह्यनेट-जीरो कार्बन उत्सर्जक बनाने के राष्ट्रीय संकल्प को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

एसडीपीओ ने की मासिक अपराध समीक्षा बैठक

प्रातः किरण संवाददाता

अरवल। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार संजय ने अनुमंडल कार्यालय में सभी थाना अध्यक्ष एवं पुलिस पदाधिकारियों के साथ मासिक अपराध समीक्षा बैठक की। इस बैठक में लंबित कांडों का त्वरित निष्पादन, फरार वारंटियों की गिरफ्तारी, शराब कारोबार पर रोक, भूमि विवाद और विधि-व्यवस्था की बिंदुवार समीक्षा की गई। एसडीपीओ ने सभी थानाध्यक्षों को क्षेत्र में सक्रिय गश्ती बढ़ाने, असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखने और जन शिकायतों का त्वरित समाधान करने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि अपराध नियंत्रण और विधि-व्यवस्था संधारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में अनुमंडल के सभी थाना अध्यक्ष व पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहे।

भूमि विवाद में बुजुर्ग पर हमला,एसपी से लगाया न्याय की गुहार

विभूतिपुर/समस्तीपुर । थाना क्षेत्र के भुसवर गांव में जमीन और पेड़ काटने के विवाद को लेकर दिनेश प्रसाद सिंह पर गांव के ही कुछ दबंगों ने जानलेवा हमला कर दिया।पीड़ित के अनुसार, आरोपियों ने पहले उनकी निजी जमीन से जबरन चार पेड़ काटकर बेच दिए। जब उन्होंने इसका विरोध किया और थाने में शिकायत की, तो आरोपियों ने रंजिश में उनके घर से जमीन के कागजात गायब कर दिए। इसके बाद, बुधवार दोपहर घात लगाकर बैठे आरोपियों ने उन पर चाकू और लाठियों से हमला कर दिया। हमले में बुजुर्ग के सिर, दोनों पैर और हाथ पर गंभीर चोटें आई हैं।घायल बुजुर्ग का इलाज समस्तीपुर सदर अस्पताल में चल रहा है। पीड़ित ने समस्तीपुर पुलिस अधीक्षक को आवेदन देकर आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने और अपनी सुरक्षा की गुहार लगाई है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर शेरघाटी न्यायालय परिसर में किया गया पौधारोपण

शेरघाटी। बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के निदेर्शानुसार विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को अनुमंडलीय व्यवहार न्यायालय, शेरघाटी परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष अनुमंडलीय विधिक सेवा समिति, शेरघाटी लवकुश कुमार ने की। इस दौरान न्यायालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य का संदेश दिया गया।

वन विभाग एवं अनुमंडलीय विधिक सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में न्यायिक पदाधिकारियों, अधिवक्ताओं एवं न्यायालय कर्मियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। लवकुश कुमार ने कहा कि वृक्ष पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और इनके बिना जीवन की कल्पना संभव नहीं है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी बताया।बार एसोसिएशन के अध्यक्ष काजिम खान ने अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील करते हुए कहा कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण देने के लिए सभी को योगदान देना होगा। कार्यक्रम की शुरूआत रेंज ऑफिसर नीतिशकेत कुमार ने सभी पदाधिकारियों को पौधे देकर की। अंत में उपस्थित सभी लोगों ने वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने का संकल्प लिया

विश्व पर्यावरण दिवस पर नगर परिषद परिसर में हुआ पौधारोपण

प्रातः किरण संवाददाता

शेरघाटी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को शेरघाटी नगर परिषद द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष गीता देवी, कार्यपालक पदाधिकारी रिचा प्रियदर्शी, दीनानाथ पांडेय सहित कई वार्ड सदस्यों ने भाग लेकर पौधे लगाए और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

इस अवसर पर नगर परिषद परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने तथा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने की अपील की।

नगर परिषद अध्यक्ष गीता देवी ने कहा कि स्वच्छ और हरित वातावरण स्वस्थ समाज की पहचान है। वहीं कार्यपालक पदाधिकारी रिचा प्रियदर्शी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में मौजूद वार्ड सदस्यों ने भी शहर को हरा-भरा बनाने के लिए जनसहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया।

वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण और स्वच्छता को लेकर लोगों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में नगर परिषद के कर्मी एवं स्थानीय लोग भी उपस्थित रहे।

पर्यावरण संरक्षण केवल दायित्व नहीं, जीवन का आधार

करपी। पूर्व जिला पार्षद सह प्रदेश सहसंयोजक पंचायतीराज प्रकोष्ठ, प्रदेश भाजपा के आनंद कुमार चंद्रवंशी ने विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण करते हुए कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस प्रत्येक वर्ष 5 जून को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए लोगों को प्रेरित करना है। आज बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई, जल संकट एवं जैव विविधता के क्षरण जैसी चुनौतियाँ मानव सभ्यता के सामने गंभीर संकट बनकर खड़ी हैं। पर्यावरण केवल पेड़-पौधों, नदियों और पर्वतों का नाम नहीं है, बल्कि यह हमारे जीवन, स्वास्थ्य और भविष्य का आधार है। स्वच्छ वायु, शुद्ध जल और संतुलित जलवायु मानव जीवन की मूल आवश्यकताएँ हैं। यदि पर्यावरण असंतुलित होगा तो मानव जीवन भी संकट में पड़ जाएगा। वर्तमान समय में अत्यधिक प्लास्टिक उपयोग, अनियंत्रित शहरीकरण और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के कारण पर्यावरणीय समस्याएँ लगातार बढ़ रही हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए केवल सरकारों के प्रयास पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। वृक्षारोपण, जल संरक्षण, प्लास्टिक का कम उपयोग, स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देना तथा प्राकृतिक संसाधनों के प्रति संवेदनशील व्यवहार अपनाना समय की आवश्यकता है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

प्रातः किरण संवाददाता

हाजीपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर को महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह द्वारा मधु विहार कॉलोनी, दानापुर एवं निमार्णाधीन पाटलिपुत्र कोचिंग कॉम्प्लेक्स परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की गयी। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक श्री अमरेन्द्र कुमार, मंडल रेल प्रबंधक, दानापुर श्री विनोद कुमार सहित मुख्यालय एवं मंडल के अधिकारीगण उपस्थित थे। इसके साथ ही पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन, हाजीपुर की अध्यक्षा श्रीमती सुनीता सिंह एवं महिला कल्याण संगठन, दानापुर की अध्यक्षा श्रीमती निशी देव एवं महिला कल्याण संगठन की अन्य सदस्याओं द्वारा भी वृक्षारोपण करके पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस-2026 के अवसर पर पूर्व मध्य रेल के पांचों मंडलों द्वारा 15 मई 2026 से 05 जून 2026 तक व्यापक जन-जागरूकता एवं पर्यावरण संरक्षण अभियान चलाया गया जिसके अंतर्गत विभिन्न स्टेशनों, रेल कॉलोनियों, कार्यालयों एवं कार्यस्थलों पर अनेक पर्यावरणीय गतिविधियों का सफल आयोजन किया गया। अभियान के अंतर्गत एक पेड़ माँ के नाम पहल को विशेष रूप से बढ़ावा दिया गया। इसके तहत विभिन्न स्टेशनों, रेलवे कॉलोनियों एवं रेलवे परिसरों में बड़ी संख्या में वृक्षारोपण किया गया। इस पहल ने हरित आवरण बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनभागीदारी को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्लास्टिक के उपयोग में कमी लाने तथा पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने के उद्देश्य से विभिन्न स्टेशनों पर पुनः उपयोग योग्य पानी की बोतलों के प्रयोग को प्रोत्साहित किया गया। अभियान के दौरान विभिन्न स्टेशनों एवं रेलवे कॉलोनियों में विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों तथा वाणिज्य विभाग के रेल कर्मियों के सहयोग से नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया गया। इसके माध्यम से स्वच्छता, कचरा प्रबंधन, पार्कों एवं उद्यानों के रख-रखाव तथा रेलवे ट्रैकों एवं परिसरों को स्वच्छ बनाए रखने के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाई गई।

शेरघाटी कोर्ट में विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण पर्यावरण संरक्षण का लिया गया संकल्प

शेरघाटी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गया वन प्रमंडल अंतर्गत शेरघाटी वन प्रक्षेत्र द्वारा न्यायालय परिसर स्थित बार काउंसिल हॉल में पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में न्यायाधीशों, अधिवक्ताओं तथा वन विभाग के अधिकारियों ने भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि लवकुश कुमार एवं विशिष्ट अतिथि माननीय मो. काज़िम खान ने पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण एवं जैव विविधता संरक्षण के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान न्यायालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया।बार काउंसिल के अध्यक्ष, अधिवक्तागण एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता निभाई। वक्ताओं ने स्वच्छ एवं हरित पर्यावरण के लिए सामूहिक जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया।कार्यक्रम में वन विभाग के पदाधिकारी रेंजर ऋतिकेश कुमार, उप परिसर पदाधिकारी प्रफुल्ल कुमार, वनपाल दिलीप कुमार, उप परिसर पदाधिकारी दीपक पांडेय सहित न्यायालय कर्मी, अधिवक्ता डॉ. अनिल कुमार एवं विशाल कुमार उपस्थित रहे। सभी ने पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के निर्माण के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

पर्यावरण संरक्षण हेतु जागरूकता के लिए चित्रकारी व क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

- पर्यावरण संबंधी दृष्टिकोणों और व्यवहारों का अंतरपीढ़ीगत प्रभाव विषय पर चर्चा

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण परिषद द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु जागरूकता के लिए चित्रकारी व क्विज प्रतियोगिता का आयोजन ज्ञान भवन के बहुउद्देशीय हॉल में किया गया।चित्रकारी प्रतियोगिता में राज्य के 16 जिलों से कुल 1066 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें 523 छात्र तथा 543 छात्राएं थीं। इसके अतिरिक्त राज्य के बाहर कोलकाता, धनबाद तथा हरिद्वार के विद्यार्थी भी शामिल थे।प्रतियोगिता की चित्रकारियों को कला एवं शिल्प महाविद्यालय, पटना के प्राचार्य की अध्यक्षता में गठित निर्णायक मंडल द्वारा पुरस्कार हेतु चयन किया गया जिन्हें आज राज्य पर्षद् के पटना स्थित मुख्यालय परिवेश भवन में पर्षद् अध्यक्ष डॉ. डी के. शुक्ला एवं सदस्य-सचिव, नीरज नारायण द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया। पुरस्कृत प्रतिभागियों को पुरस्कार स्वरूप ट्रॉफी, प्रमाण पत्र व पुस्तके दी गई।एक पेड़ माँ के नाम के अन्तर्गत राज्य के विभिन्न जिलों में कुल 19,472 पौद्या रोपण किया गयाः

बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद् द्वारा एक पेड़ माँ के नाम के आह्वहन के तहत राज्य पर्षद् के 5 क्षेत्रीय कार्यालयों के अन्तर्गत आने वाली औद्योगिक इकाइयों में कुल 19,472 पौधारोपण किया गया।जलवायु कार्रवाई और सतत विकास पर कार्यषालाः इस अवसर पर बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद् द्वारा एशियन डेवलपमेंट रिसर्च इन्स्टीट्यूट (आद्री) के सहयोग से ह्यजलवायु कार्रवाई, न्यून अपशिष्ट और सतत विकास स्थित पर्षद् मुख्यालय-परिवेश भवन में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।प्रारंभ में डॉ अष्मिता गुप्ता, सदस्य-सचिव, एशियन डेवलपमेंट रिसर्च इन्स्टीट्यूट द्वारा कायार्शाला में उपस्थित व ऑनलाईन जुड़े प्रतिभागियों का स्वागत किया।

सिर में लगी चोट को सामान्य समझकर अनदेखा करना हो सकता है गंभीर : डॉ. अभिनव

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। पीएमसीएच के न्यूरो सर्जरी विभाग के प्राध्यापक प्रोफेसर डॉ. कुमार अभिनव ने आम लोगों को सिर की चोट के प्रति जागरूक करते हुए महत्वपूर्ण चिकित्सीय जानकारी साझा की है। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटना, गिरने या किसी अन्य कारण से सिर में लगी चोट को सामान्य समझकर अनदेखा करना गंभीर परिणामों का कारण बन सकता है। डॉ. कुमार अभिनव ने अपने जागरूकता संदेश में बताया है कि सिर में चोट लगने के बाद यदि व्यक्ति को लगातार सिरदर्द, उल्टी, चक्कर आना, बेहोशी, अत्यधिक नींद आना, शरीर के किसी हिस्से में कमजोरी, बोलने में कठिनाई या व्यवहार में अचानक परिवर्तन जैसे लक्षण दिखाई दें, तो इसे गंभीर संकेत माना जाना चाहिए और तत्काल विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए।

उन्होंने आगे बताया कि कई बार सिर में लगी चोट के कारण मस्तिष्क के भीतर रक्तस्राव (ब्रेन हेमरेज) हो सकता है। प्रारंभिक अवस्था में मरीज सामान्य दिखाई दे सकता है, लेकिन कुछ घंटों बाद उसकी स्थिति गंभीर हो सकती है। ऐसे मामलों में समय पर जांच और उपचार जीवन रक्षक साबित होता है।

डॉ. अभिनव ने कहा है कि यदि सिर की चोट के बाद मरीज बेहोश हो जाए, नाक या कान से खून अथवा तरल पदार्थ निकलने लगे या बार-बार उल्टी हो, तो बिना देरी किए उसे निकटतम अस्पताल पहुंचाना चाहिए। उन्होंने कहा कि उचित समय पर चिकित्सा मिलने से अनेक जटिलताओं और जानलेवा परिस्थितियों से बचा जा सकता है।

बक्सर में इटाढ़ी रेलवे ओवरब्रिज के फ्लैंक पर आंशिक दरार के कारण किया गया बंद

हाजीपुर। बक्सर में इटाढ़ी रेलवे ओवरब्रिज (लेवल क्रॉसिंग गेट-70) 30.05.2026 को खोला गया था। बक्सर में इटाढ़ी रेलवे ओवरब्रिज के फ्लैंक पर आंशिक दरार के कारण इसे बंद किया गया है । इसका निर्माण बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड द्वारा किया गया था । रेलवे का हिस्सा भारतीय रेलवे ने बनाया था और यह पूरी तरह सुरक्षित है।फ्ड्ड पर भारी ट्रैफिक पहले ही रोक दिया गया है .रेलवे द्वारा राज्य की एजेंसियों के साथ स्थिति पर समन्वय स्थापित करते हुए स्थिति पर गहन निगरानी रखी जा रही है ।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद राय Mob.: 9212228045, 8130691216,
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@ pratahkiran.com, 9971557129, 9334542496